(हिन्दी दैनिक)

न्यूज गाइड

आपका देश आपकी बात...

वर्ष : 14, अंक : 83 पृष्ठ : 8 | www.newsguide.in | Email: newsguidelko@gmail.com | लखनऊ, बुधवार, 11 जनवरी 2023 | मूल्य : 1.50

राजधानी में 50 हजार करोड़ के प्रस्ताव .... 3 हल्द्वानी : घर से बेघर पर रोक ....4 स्टार खिलाड़ी सानिया मिर्जा ने अगले महीने दुबई ...7

संक्षिप्त समाचार

पंजाब और हरियाणा में कड़ाके की ठंड, बठिंडा में पारा 2.4 डिग्री सेल्सियस

(एजेंसी) नई दिल्ली। चंडीगढ़ पंजाब और हरियाणा में मंगलवार को ज्यादातर स्थानों पर कड़ाके की ठंड पड़ रही है और सुबह घने कोहरे के कारण दृश्यता में भी गिरावट दर्ज की गई। मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, पंजाब के बठिंडा में तापमान सामान्य से दो डिग्री कम 2.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। अमृतसर में न्यूनतम तापमान 9.2 डिग्री सेल्सियस, लुधियाना में 8.2 डिग्री सेल्सियस, पटियाला में 7.9 डिग्री सेल्सियस, पठानकोट में 10.4 डिग्री सेल्सियस, फरीदकोट में छह डिग्री सेल्सियस और गुरदासपुर में 6.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

श्रद्धा हत्याकांड: अदालत ने आरोपी पूनावाला की न्यायिक हिरासत और 14 दिन के लिए बढ़ाई

(एजेंसी) नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने अपनी लिव-इन पार्टनर की हत्या करने और उसके शरीर के टुकड़े-टुकड़े करने के मामले में आरोपी आफ्ताब अमीन पूनावाला की न्यायिक हिरासत मंगलवार को और 14 दिनों के लिए बढ़ा दी। पूनावाला को मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट अविरल शुक्ला के समक्ष पेश किया गया था। अदालत ने उसकी न्यायिक हिरासत 14 दिनों के लिए बढ़ाते हुए जेल के अधिकारियों को उसे गर्म कपड़े मुहैया कराने का निर्देश दिया। इससे पहले छह जनवरी को अदालत ने पूनावाला की न्यायिक हिरासत 4 दिन के लिए बढ़ा दी थी। आफ्ताब पूनावाला (28) ने अपनी लिव-इन पार्टनर श्रद्धा वालकर की कथित तौर पर हत्या कर उसके शव के 35 टुकड़े कर दिए थे और उन्हें राष्ट्रीय राजधानी के अलग-अलग हिस्सों में फेंक दिया था।

लोन धोखाधड़ी मामला, आईसीआईसीआई बैंक की पूर्व सीईओ चंदा कोचर

(एजेंसी) मुंबई। ऋण धोखाधड़ी मामले में जमानत मिलने के बाद आईसीआईसीआई बैंक की पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक चंदा कोचर और उनके पति दीपक कोचर को मंगलवार को जेल से रिहा कर दिया गया। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। बंबई हाईकोर्ट ने ऋण धोखाधड़ी के एक मामले में कोचर दंपति को सोमवार को अंतरिम जमानत दे दी थी।

आज होगी मुख्तार अंसारी की पेशी, बृजेश सिंह के खिलाफ होनी है गवाही

(एजेंसी) गाजीपुर। बहुचर्चित उसरी चट्टी कांड मामले में आज जिले की एमपी एमएलए कोर्ट में माफिया मुख्तार अंसारी की फिजिकल रूप से पेशी होनी थी, लेकिन जेल प्रशासन ने मौसम की खराबी का हवाला देते हुए बाहर नहीं ले जाने का फैसला किया। वहीं इस मामले में मुख्य आरोपी बृजेश सिंह को आज कोर्ट में पेश किया। इसे लेकर गाजीपुर न्यायालय परिसर में चप्पे-चप्पे पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सख्त रहा। बांदा जेल से मुख्तार अंसारी आज एमपी एमएलए कोर्ट में नहीं पेश किया गया। जेल प्रशासन खराब मौसम का हवाला देते हुए अदालत में नहीं पेश किया। बृजेश सिंह के खिलाफ मुख्तार अंसारी की कोर्ट में होनी है गवाही। 2001 में उसरी चट्टी पर मुख्तार अंसारी के काफिले पर हुई थी फायरिंग।

8 लेन का बनेगा यमुना एक्सप्रेस-वे

रोजाना बढ़ती वाहनों की संख्या को लेकर लिया फैसला, जल्दी ही शुरू होगा निर्माण

(संवाददाता) ग्रेटर नोएडा। यमुना एक्सप्रेस वे पर बढ़ते वाहनों के लोड को देखते हुए सिक्स लेन से 8 लेन करने का फैसला यमुना एक्सप्रेसवे प्राधिकरण ने लिया है ,इसका डीपीआर जेपी इंफ्राटेक लिमिटेड को तैयार करने का निर्देश दिया गया है। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉक्टर अरुण वीर सिंह ने बताया कि यमुना एक्सप्रेस वे को लेकर प्रदेश सरकार के साथ कंसेशन एग्रीमेंट हुआ था जिसमें 32000 प्रतिदिन वाहन होने पर यमुना एक्सप्रेस वे पर छह लेन से 8 लेन करना होगा, वर्तमान समय में यमुना एक्सप्रेस वे पर 30,000 से 32000 वाहन प्रतिदिन चलते हैं ,ऐसे में यमुना सीईओ ने एक्सप्रेस-वे को 6 से 8 लेन करने का फैसला लिया है। एक्सप्रेस वे के दोनों तरफएक-एक लेन बढ़ाया जाएगा। पहले से एक्सप्रेस वे आठ करने के लिए जगह छोड़ी गई थी।

रक्षा राज्यमंत्री की जोशीमठ आर्मी बेस में प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक, प्रभावित लोगों से की मुलाकात

(संवाददाता)

जोशीमठ । उत्तराखंड के जोशीमठ में हालात बिगड़ते चले जा रहे हैं। जिसे देखते हुए रक्षा राज्यमंत्री अजय भट्ट ने जोशीमठ में क्षेत्र के हालात को लेकर आर्मी बेस में प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक के बाद अजय भट्ट ने सुनील वॉर्ड में प्रभावित लोगों से मुलाकात की और उन्हें हर संभव मदद का भरोसा जताया। अजय भट्ट ने लोगों से कहा कि केंद्र और राज्य सरकार युद्धस्तर पर काम कर लोगों को आपदा से निकाल रहे हैं। रक्षा राज्यमंत्री का दौरा बेहद खास माना जा रहा है क्योंकि यहां से मात्र 90 किलोमीटर की दूरी पर चीन से लगी सीमा है। साथ ही सेना की ब्रिगेड भी है जो वास्तविक नियंत्रण रेखा पर निगरानी करती है। जोशीमठ में आईटीबीपी की एक बटालियन भी तैनात है। औली और आस-पास के तमाम सीमा रेखा की निगरानी सेना और आईटीबीपी मिलकर करती हैं। पिछले साल ही इंडियन आर्मी ने अमेरिकी सेना के साथ तपोवन में एक बड़ा युद्ध अभ्यास किया था, जिसको लेकर चीन ने विरोध जताया था। चमोली जिले में चीन सीमा के सबसे करीबी नगर जोशीमठ के अस्तित्व पर भू धंसाव ने संकट खड़ा कर दिया है। भवनों, दुकानों, सड़कों आदि में आ रही दरारों से हर किसी के रात-दिन खौफ के साए में कट रहे हैं। बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक हर चेहरे पर डर का भाव देखा जा सकता है। वहीं, जिला प्रशासन की हिदायत पर रिहायशी इलाकों के लोग घर खाली करके जा चुके हैं। बहुत सारे लोग अभी भी सामान समेट रहे हैं। ये लोग जोशीमठ छोड़कर जाने की तैयारी में हैं।

जोशीमठ मामला, सुप्रीम कोर्ट 16 जनवरी को याचिका पर सुनवाई के लिए सहमत

(एजेंसी)

नई दिल्ली। सुप्रीमकोर्ट उत्तराखंड के जोशीमठ में जमीन धंसने से उत्पन्न संकट को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने के लिये अदालत के हस्तक्षेप के अनुरोध वाली याचिका पर 16 जनवरी को सुनवाई करने पर मंगलवार को सहमत हो गया। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा की पीठ ने हालांकि, तत्काल सुनवाई के लिए स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती द्वारा दायर याचिका को सूचीबद्ध करने से इनकार कर दिया और कहा कि हर जरूरी चीज सीधे न्यायालय के पास नहीं आनी चाहिए। पीठ ने कहा, 'इस पर गौर करने के लिए लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित संस्थाएं हैं। हर जरूरी चीज हमारे पास नहीं आनी चाहिए। हम इसे सुनवाई के लिए 16 जनवरी को सूचीबद्ध करेंगे।श् याचिका का उल्लेख स्वामी सरस्वती की ओर से पेश अधिवक्ता ने किया। याचिकाकर्ता सरस्वती ने दावा किया है कि यह घटना बड़े पैमाने पर औद्योगीकरण के कारण हुई है और उन्होंने उत्तराखंड के लोगों के लिए तत्काल वित्तीय सहायता और मुआवजे की मांग की है। याचिका में इस चुनौतीपूर्ण समय में जोशीमठ के निवासियों को सक्रिय रूप से समर्थन देने के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण को निर्देश देने का भी अनुरोध किया गया है। बद्रीनाथ और हेमकुंड साहिब जैसे प्रसिद्ध तीर्थ स्थलों और अंतरराष्ट्रीय स्कीइंग गंतव्य औली का प्रवेश द्वार कहलाने वाला जोशीमठ जमीन धंसने के कारण एक बड़ी चुनौती का सामना कर रहा है। जोशीमठ में जमीन धीरे-धीरे धंस रही है और घरों, सड़कों और खेतों में बड़ी-बड़ी दरारें पड़ रही हैं। स्थानीय लोगों ने कहा कि कई घर धंस गए हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जोखिम वाले घरों में रह रहे 600 परिवारों को तत्काल वहां से हटा कर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने का आदेश दिया है।

कर्नाटक में अंडर कंस्ट्रक्शन मेट्रो पिलर गिरा, एक ही परिवार के दो लोगों की मौत, कई घायल

(एजेंसी) बेंगलुरु। कर्नाटक के बेंगलुरु में नवगरा रिंग रोड के पास एक अंडर कंस्ट्रक्शन मेट्रो पिलर गिरने से एक बड़ा हादसा हुआ। बेंगलुरु में एचबीआर लेआउट के पास आउटर रिंग रोड पर 'नम्मा मेट्रो' (बेंगलुरु मेट्रो) का एक निर्माणाधीन खंभा गिरने से एक महिला और उसके ढाई साल के बेटे की मौत हो गई। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, घटना पूर्वाह्न करीब 11 बजे की है, जब खंभे के निर्माण के लिए लगाए गए टीएमटी सरिये उनके स्कूटर पर गिर गए। खंभे की ऊंचाई 40 फीट से ज्यादा और वजन कई टन बताया जा रहा है। मौके पर मौजूद लोग तुरंत मां और बेटे को नजदीकी अस्पताल ले गए।

महाराष्ट्र शिवसेना विभाजन से उत्पन्न राजनीतिक संकट

अपीलों पर 14 फरवरी से सुप्रीमकोर्ट में होगी सुनवाई

(एजेंसी)

नई दिल्ली। सुप्रीमकोर्ट ने कहा कि वह महाराष्ट्र में शिवसेना के विभाजन से उत्पन्न राजनीतिक संकट से संबंधित याचिकाओं पर 14 फरवरी को सुनवाई शुरू करेगा। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच-न्यायाधीशों की संविधान पीठ से उद्धव ठाकरे शिवसेना की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा कि वह महाराष्ट्र में राजनीतिक संकट संबंधी मामलों को सात सदस्यीय पीठ के पास भेजे जाने का अनुरोध करेंगे, ताकि वह अयोग्यता संबंधी याचिकाओं के निपटारे के लिए विधानसभा अध्यक्षों की शक्तियों से जुड़े 2016 के फैसले पर फिर से विचार करे। सिब्बल ने पीठ से कहा ''हमने सात-न्यायाधीशों की संविधान पीठ के समक्ष, मामलों के संदर्भ में ब्यौरे दाखिल किए हैं। उन्होंने (शिवसेना के, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाले धड़े ने) जवाब दाखिल किया है। पीठ में न्यायमूर्ति एम आर शाह, न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी, न्यायमूर्ति हिमा कोहली और न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा भी हैं। प्रधान न्यायाधीश ने कहा ''हम इसे सुनवाई के लिए 14 फरवरी को रखेंगे। 7 न्यायाधीशों की पीठ को मामले का संदर्भ दिए जाने की मांग कर रहे सिब्बल ने उच्चतम न्यायालय द्वारा पूर्व में दिए गए एक फैसले पर पुनर्विचार का अनुरोध किया। पांच सदस्यीय संविधान पीठ ने 2016 में नबाम रेबिया मामले पर फैसला सुनाते हुए कहा था कि यदि विधानसभा अध्यक्ष को हटाने के लिये पहले दिये गए नोटिस पर सदन में निर्णय लंबित है, तो विधानसभा अध्यक्ष विधायकों की अयोग्यता संबंधी याचिका पर आगे की कार्यवाही नहीं कर सकते। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले शिवसेना के बागी विधायकों के लिए यह निर्णय विधानसभा के उपाध्यक्ष नरहरि सीताराम जिरवाल को हटाने संबंधी नोटिस लंबित होने के आधार पर शीर्ष अदालत में लाभकारी साबित हुआ। शिवसेना विधायक शिंदे और 39 अन्य विधायकों द्वारा पार्टी के नेतृत्व के खिलाफबगावत करने के बाद राज्य में ठाकरे के नेतृत्व वाली महा विकास आघाड़ी (एमवीए) सरकार गिर गई थी। महा विकास आघाड़ी सरकार में शिवसेना, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) और कांग्रेस शामिल थीं।

प्रधानमंत्री 19 जनवरी को तेलंगाना में 7 हजार करोड़ रुपये की परियोजनाओं की शुरुआत करेंगे

❑ केंद्रीय संस्कृति मंत्री, पर्यटन जी किशन रेड्डी के कार्यालय से जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि ट्रेन को हरी झंडी दिखाने के बाद, प्रधानमंत्री 699 करोड़ रुपये की लागत से होने वाले सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन के विकास कार्य के लिए भूमि पूजन करेंगे।

(एजेंसी)

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 19 जनवरी को तेलंगाना का दौरा करेंगे और हैदराबाद तथा विशाखापत्तनम के बीच वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर देश को समर्पित करेंगे। वह 7,000 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का शिलान्यास करेंगे। प्रधानमंत्री 19 जनवरी को सबसे पहले यहां सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन से पूर्वाह्न 10 बजे देश की आठवीं वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। केंद्रीय संस्कृति मंत्री, पर्यटन जी किशन रेड्डी के कार्यालय से जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि ट्रेन को हरी झंडी दिखाने के बाद, प्रधानमंत्री 699 करोड़ रुपये की लागत से होने वाले सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन के विकास कार्य के लिए भूमि पूजन करेंगे। राज्य में मोदी की यात्रा के मद्देनजर भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष एवं लोकसभा सदस्य बी संजय कुमार, ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राज्यसभा सदस्य के लक्ष्मण ने सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन का दौरा किया और दक्षिण मध्य रेलवे के अधिकारियों के साथ एक बैठक की। प्रधानमंत्री सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन के आधुनिकीकरण की आधारशिला रखेंगे। इसमें करीब 700 करोड़ रुपये का खर्च आएगा। इसके अलावा वह काजीपेट में 'पीरियॉडिकल ओवरहॉलिंग' (पीओएच) कार्यशाला के निर्माण कार्य की भी शुरुआत करेंगे। बयान में कहा गया है कि इसी तरह सिकंदराबाद-महबूबनगर रेलवे लाइन के दोहरीकरण कार्य की भी शुरुआत की जाएगी। इसपर 1,231 करोड़ रुपये की लागत आएगी।

15 ग्रीनफील्ड परियोजनाओं में लगभग 20 हजार करोड़ रुपये का निवेश

(एजेंसी)

नई दिल्ली। खुली वैश्विक निविदा के माध्यम से जाने-माने खनन डेवलपर्स, ऑपरेटरों को नियुक्त करने का प्रयास किया जा रहा है। कोयला मंत्रालय का कहना है कि वह घरेलू कोयले के उत्पादन को बढ़ाना तथा आयात पर निर्भरता को कम करना चाहता है। इसलिए विशेषज्ञों को इस नियुक्त करने का प्रयास है। सार्वजनिक स्वामित्व की कोयला खनन कंपनी एमडीओ के माध्यम से कार्यान्वयन के लिए कुल 15 ग्रीनफील्ड परियोजनाओं पर नजर रख रही है। इसमें लगभग 20,600 करोड़ रुपये का निवेश होगा, जो मुख्य रूप से भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास और पुर्नस्थापन से जुड़े है और कुछ मामलों में रेलवे साइडिंग पर है। मंत्रालय का कहना है कि संविदा नियुक्ति की अवधि 25 वर्ष या खदान का जीवन, जो भी कम हो, के लिए है। मंत्रालय के मुताबिक 169 मिलियन टन (एमटी) की कुल रेटेड क्षमता वाली ग्यारह ओपनकास्ट और चार भूमिगत खदानें हैं। ओपनकास्ट परियोजनाओं की क्षमता 165 मीट्रिक टन है, भूमिगत परियोजनाएं शेष को जोड़ती हैं। एमडीओ स्वीकृत खनन योजना के अनुसार कोयला कंपनियों को कोयले की खुदाई और वितरण करेंगे। एमडीओ पारस्परिक रूप से लाभकारी प्रौद्योगिकी निवेश, आर्थिक रूप से व्यावहारिक संचालन और उत्पादन में वृद्धि को एक साथ लाएंगे। उन्हें दिए गए अनुबंध दीर्घकालिक आधार पर हैं, इसलिए खदान परियोजनाओं में संबंधित बुनियादी ढांचे को भी निजी कंपनियों द्वारा विकसित किया जाएगा।

कॉपीराइट उल्लंघन मामले में दिल्ली हाईकोर्ट ने अमेरिकी ऐप को जारी किया समन

(एजेंसी) नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने भारतीय प्रोडक्शन हाउस यशराज फिल्म्स द्वारा दायर कॉपीराइट उल्लंघन मामले में एक अमेरिकी वीडियो शेयरिंग ऐप ट्रिलर को समन और नोटिस जारी किया। सिंगल बेंच जज जस्टिस अमित बंसल यशराज की याचिका पर सुनवाई कर रहे थे, जिसमें ट्रिलर को उसके कॉपीराइट कंटेंट का इस्तेमाल करने से रोकने की मांग की गई थी। अपने मुकदमे में, यशराज ने दावा किया है कि ट्रिलर के पास एक एक्सट्रेक्शन टूल है जो यूजर्स को उनके कंटेंट का इस्तेमाल करके ऑडियो-विजुअल या शॉर्ट वीडियो पोस्ट करने की अनुमति देता है। पीठ मामले को अगली सुनवाई दो फरवरी को करेगी। ट्रिलर के वकील के मुताबिक, यशराज और सोशल मीडिया कंपनी के बीच कुछ समय से विवाद चल रहा है।

पंजाब में भारत जोड़ो यात्रा शुरू करने से पहले राहुल ने स्वर्ण मंदिर में माथा टेका

केसरिया रंग की पगड़ी पहने राहुल गांधी ने स्वर्ण मंदिर में माथा टेका, अरदास में शामिल हुए और प्रसाद ग्रहण किया

(एजेंसी)

अमृतसर। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा के तहत पंजाब में पदयात्रा आरंभ करने से एक दिन पहले मंगलवार को दोपहर में अमृतसर स्थित स्वर्ण मंदिर में माथा टेका। वह इस यात्रा का हरियाणा का पड़ाव अंबाला में पूरा करने के बाद हवाई मार्ग से अमृतसर पहुंचे। केसरिया रंग की पगड़ी पहने राहुल गांधी ने स्वर्ण मंदिर में माथा टेका, अरदास में शामिल हुए और प्रसाद ग्रहण किया। कांग्रेस ने राहुल गांधी की स्वर्ण मंदिर पहुंचने की तस्वीरें साझा करते हुए ट्वीट किया, ''पंजाब में 'भारत जोड़ो यात्रा की शुरुआत से पहले आज राहुल गांधी ने अमृतसर स्थित धार्मिक एकता के प्रतीक विश्व प्रसिद्ध स्वर्ण मंदिर में माथा टेका और देश की सुख-शांति एवं समृद्धि के लिए प्रार्थना की। राहुल गांधी के अमृतसर पहुंचने पर उनके साथ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रमुख अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग, राज्य विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा, स्थानीय सांसद गुरजीत सिंह औजला और पार्टी के कई नेता मौजूद थे।

पंजाब प्रदेश कांग्रेस के कई नेताओं को मंगलवार सुबह तक इसकी जानकारी नहीं थी कि राहुल गांधी अमृतसर पहुंचने वाले हैं। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने बताया कि राहुल गांधी अमृतसर में कुछ घंटे बिताने के बाद मंगलवार शाम फतेहगढ़ साहिब पहुंचेंगे। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने मंगलवार सुबह ट्वीट किया, 'भारत जोड़ो यात्रा का 116वां दिन हरियाणा के अम्बाला में पूरा हुआ। बुधवार को सुबह पंजाब में यह यात्रा आरंभ होगी। अमृतसर में पवित्र स्वर्ण मंदिर में मत्था टेकने के बाद यात्रा आरंभ करने से बेहतर कुछ नहीं हो सकता।' उन्होंने यह भी बताया कि राहुल गांधी आज स्वर्ण मंदिर जाएंगे, इसलिए मंगलवार दोपहर बाद पदयात्रा नहीं होगी।

इससे पहले, राहुल गांधी ने मंगलवार को सुबह अम्बाला कैंट के शाहपुर से पदयात्रा आरंभ की। इस दौरान पूर्व सांसद और कांग्रेस नेता राज बब्बर भी इस यात्रा में शामिल हुए। यात्रा गत बृहस्पतिवार को उत्तर प्रदेश से पानीपत के रास्ते हरियाणा में दाखिल हुई थी। यह पानीपत, करनाल, कुरुक्षेत्र से होकर अंबाला तक पहुंची। गत 21 से 23 दिसंबर के बीच भी यह यात्रा हरियाणा के मेवात, फरीदाबाद और कुछ अन्य इलाकों से गुजरी थी। रमेश ने बताया, ''दोपहर में आज भारत जोड़ो यात्रा नहीं होगी। हम पंजाब आएंगे और सरहिंद में रात्रि विश्राम होगा। बुधवार सुबह यात्रा संबंधी ध्वज हरियाणा प्रदेश कांग्रेस द्वारा पार्टी की पंजाब इकाई को सौंपा जाएगा। इसके बाद हम पंजाब में पदयात्रा की शुरुआत करेंगे। यह यात्रा बुधवार को मंडी गोबिंदगढ़ से होकर गुजरेगी और खन्ना में रात्रि विश्राम होगा।

कांग्रेस महासचिव ने कहा कि यात्रा के तहत रोजाना दो चरणों में करीब 25 किलोमीटर की दूरी तय की जाएगी। रमेश ने बताया, '12 जनवरी को पंजाब में यात्रा सिर्फसुबह की पारी में होगी और तय दूरी पूरी की जाएगी। इसके बाद लोहड़ी त्योहार के मद्देनजर उसी दिन दोपहर के बाद और फिर 13 जनवरी को पूरे दिन विश्राम रहेगा।

एनटीपीसी टांडा में बालिका सशक्तिकरण मिशन अनुवर्ती कार्यशाला 2022-23 का शुभारंभ

संवाददाता

अम्बेडकर नगर। एनटीपीसी टांडा द्वारा नैगमिक सामाजिक दायित्व कार्यक्रम के बालिका सशक्तीकरण मिशन के तहत एक सप्ताह की नि:शुल्क आवासीय कार्यशाला का शुभारंभ सरगम ऑडिटोरियम में समारोहपूर्वक किया गया। समारोह का उद्घाटन विशिष्ट अतिथि जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी,अम्बेडकरनगर भोलेन्द्र प्रताप सिंह एवं परियोजना के मुख्य महाप्रबंधक बी.सी. पलेई एवं गरिमा महिला मंडल की अध्यक्षा श्रीमती आरती पलेई द्वारा दीप प्रज्ज्वलित करके किया गया। इस अवसर पर परियोजना के महाप्रबंधकगण, सभी विभागाध्यक्ष, बालिका सशक्तीकरण कार्यशाला की बालिकायें एवं उनके अभिभावकगण तथा हीरो माईंड माईन संस्था की कोओर्डिनेटर एवं फेकेल्टी सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम के आरम्भ में महाप्रबंधक (मानव संसाधन) एस.एन.पाणिग्राही ने सभी का स्वागत किया एवं बालिका सशक्तीकरण अनुवर्ती कार्यशाला के बारे मे विस्तार से बताया। इस अवसर पर बच्चों द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गयी, तत्पश्चात सामुहिक नृत्य से लोगों का भरपूर मनोरंजन हुआ। साथ ही बालिका सशक्तिकरण मिशन अनुवर्ती कार्यशाला 2022-23 में सम्मिलित छात्राओं ने भी मंच पर प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अम्बेडकरनगर भोलेन्द्र प्रताप सिंह ने बच्चों का उत्साहवर्द्धन किया और कहा कि एनटीपीसी टांडा क्षेत्र के समग्र विकास के लिए एक वरदान स्वरुप है इसने विभिन्न क्षेत्रों में कई सामाजिक कल्याण कार्यों को कार्यान्वित किया है। उन्होंने बालिका सशक्तीकरण कार्यशाला की सराहना की और कहा कि उन्हें पूर्ण विश्वास है कि यह आसपास के वंचित परिवारों से आने वाली बालिकाओं के समग्र विकास की दिशा में एक मजबूत कदम है। इस अवसर पर सभी का स्वागत करते हुए परियोजना के मुख्य महाप्रबंधक श्री पलेई ने कार्यक्रम में विषय में समुचित जानकारी प्रदान की साथ ही बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए उन्हे प्रोत्साहित किया। साथ ही कार्यक्रम में गरिमा महिला मंडल की अध्यक्षा श्रीमती पलेई ने बालिका सशक्तीकरण अनुवर्ती कार्यशाला में आई हुई बच्चियों से मजबूत रहने और अपनी रुचियों का पता लगाकर उन्हें निखारने के लिए प्रेरित किया। उन्होने यह भी कहा कि इस प्रकार यह लड़किया एक दिन अपने सपनों को साकार कर पाएंगी। इस अनुवर्ती कार्यशाला में आसपास के विद्यालयों में कक्षा छ: में अध्ययनरत 10-12 आयु वर्ग की बालिकाओं का चयन उनके अभिभावकों की सहमति के उपरान्त प्रधानाध्यापकों के माध्यम से किया गया है। इस कार्यशाला में चयनित बालिकाओं को एनटीपीसी-टांडा के आवासीय परिसर स्थित सरस्वती अतिथि भवन में पूरी तरह चाकचौबन्द सुरक्षा, स्वच्छता एवं चिकित्सा व्यवस्था के बीच रखा गया है। बालिकाओं के नाश्ते, भोजन, जलपान, अलग-अलग गतिविधियों के लिए ड्रेस, जूते-मोजे एवं मनोरंजन की समुचित व्यवस्था की गई है। कार्यशाला में सम्मिलित बालिकाओं को हीरो माईंड माईन संस्था के अलग-अलग विषयों के विशेषज्ञों द्वारा सामान्य हिंदी, अंग्रेजी, गणित के साथ ही योग, खेल, ड्राइंग, आत्मरक्षा आदि के बारे में सहज एवं सरल तरीके से जानकारी देकर उनके आत्मविश्वास को बढ़ाने का हरसंभव प्रयास किया जा रहा है। इस कार्यशाला का समापन 14 जनवरी को समारोहपूर्वक किया जाएगा।

विश्व हिंदी दिवस के अवसर हिंदी को जनमत की भाषा बनाना, बगैर उनकी मातृभाषा भूले विषय पर गोष्ठी का आयोजन

संवाददाता

अम्बेडकर नगर। जनपद मुख्यालय स्थिति बी.एन. के.बी. पी.जी. कॉलेज, अकबरपुर, अम्बेडकर नगर में विश्व हिंदी दिवस के अवसर शिहंदी को जनमत की भाषा बनाना, बगैर उनकी मातृभाषा भूलेश् विषय पर गोष्ठी और साहित्यिक प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्फाब् समन्यवक डॉ. शशांक मिश्र ने की और विशिष्ट अतिथि के रूप में इतिहास विभागाध्यक्ष विवेक तिवारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संयोजन हिंदी विभाग के सहायक आचार्य हरिकेश और अमित कुमार ने की। कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ. शशांक मिश्र ने अपने उद्बोधन में कहा कि विश्व भर में हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, हर वर्ष 10 जनवरी को, विश्व हिन्दी दिवस मनाया जाता है. संयुक्त राष्ट्र के शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन दृ यूनेस्को ने भी हिन्दी को अपनी एक आधिकारिक भाषा बनाया हुआ है. यूनेस्को ने इस वर्ष के विश्व हिन्दी दिवस पर, हिन्दी को, विभिन्न देशों के लोगों को आपस में जोड़ने में एक सूत्रधार का काम करने वाली भाषा करार दिया है और आशा व्यक्त की है कि हिन्दी जल्द ही, यूनेस्को की एक कामकाजी भाषा भी बन सकेगी.मुख्य अतिथि इतिहास विभागाध्यक्ष विवेक तिवारी ने कहा

कि हिन्दी विभिन्न देशों के लोगों को जोड़ती है दृ विश्व हिन्दी दिवस पर हार्दिक शुभकामनाएँ.विश्व हिन्दी दिवस, हर वर्ष 10 जनवरी को मनाया जाता है जो दुनिया भर में भाषाई विविधता को दर्शाता है, और साझा मानवीय संस्कृतियों में भाषाओं के योगदान व मूल्य को भी रेखांकित करता है. उन्होंने जोर देकर कहा कि किसी भी अन्तर दृ सांस्कृतिक सम्वाद और वार्ता, टिकाऊ विकास और शान्ति के लिये, भाषाओं की अनिवार्यता सर्वविदित है. साहित्यिक प्रश्नोत्तरी में टीम जयशंकर प्रसाद और टीम रामधारी सिंह दिनकर संयुक्त रूप से प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षक आशीष कुमार चतुर्वेदी, रवि कुमार, अंचल चौरसिया, बृजेश कुमार रजक, अरविंद यादव , सूर्यनाथ मौर्य समेत अन्य शिक्षकगण, कर्मचारीगण, एन. सी. सी. के कैडेट, एन. एस. एस. के स्वयंसेवक और बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

होम्योपैथी गौरव सम्मान उत्तर प्रदेश 2023 बनारस के ताज गंगेश होटल मे बर्नेट द्वारा आयोजित होम्योपैथी गौरव सम्मान मे

संवाददाता

अम्बेडकर नगर। से डॉ. देवेंद्र सोनी, डॉ, नरेंद्र सोनी, और डॉ। डोना इंद्रानी ने को हनीमैन जी स्टैचू दे कर सम्मानित किया गया। वही डॉ। डोना इंद्रानी ने होम्योपैथी गौरव सम्मान मे आये मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के परिवहन मंत्री दया शंकर सिंह ,इंटर नेशनल रेसलर द ग्रेट खली बालीवुड स्टार नवाजुद्दीन सिद्दीकी और अन्य होम्योपैथी के पुरोधा डॉ. रामजी सिंह ,बी एम सिंह, डॉ एस एम सिंह,पीके शुक्ला जी और डॉ उमंग खन्ना ,डॉ। नितीश चन्द्र

दुबे आदि डॉक्टर्स को अपने स्पीच से प्रभावित किया की ।बताते चले की ये पुरस्कार इन डॉक्टर्स को होम्योपैथी के प्रति काफी कार्य और सेवा के भाव मे मिला है। इससे पहले भी ये तीनो डॉक्टर्स होम्यो यूथ 2022 8वा राष्ट्रीय होम्योपैथी समेलन लखनऊ मे सम्मानित किया गया था।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री जी के नवीन सर्वोच्च प्राथमिकता के विकास कार्यों की मासिक समीक्षा बैठक

संवाददाता

अम्बेडकर नगर। माननीय मुख्यमंत्री जी के नवीन सर्वोच्च प्राथमिकता के विकास कार्यों की मासिक समीक्षा बैठक जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आहूत की गई ।बैठक के दौरान जिलाधिकारी द्वारा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, निराश्रित गोवंश को संरक्षित करना, टीकाकरण कार्यक्रम, मुख्यमंत्री निराश्रितध् बेसहारा गोवंश सहभागिता योजना, गोवंशिय एवं महिष बंसीय पशुओं की ईयर टैगिंग,चिकित्सकों की उपलब्धता, प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना,परिवार नियोजन, दवाओं की उपलब्धता, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन उत्तर प्रदेश, सामुदायिक शौचालय निर्माण की स्थिति, ग्राम पंचायतों में पंचायत भवन निर्माण की स्थिति, अमृत योजना- जलापूर्ति, स्वच्छ भारत मिशन (नगरी) खुले में शौच से मुक्त तथा प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) आदि की समीक्षा बिंदुवार की गई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी महोदय द्वारा मुख्य पशु चिकिसाधिकारी को निर्देश दिया गया कि मेन रोड पर घुमने वाले पशुओ को सवसे पहले पकडवा कर पशु आश्रय स्थल पर संरक्षित किया जाय। साथ ही साथ सम्बंधित नोडल अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि ठण्ड को देखते हुये ठण्ड से बचाव हेतु सभी तैयारियो का जायजा लिया जाय। सभी पशु आश्रय स्थलो पर पीने हेतु पानी भी व्यवस्था, भूसा की उपलब्धता , ब्ब्न्ट कैमरा की स्थिति, साफ सफाई व्यवस्था देखा जाय। कार्यदाई संस्थाओं को निर्देश दिया गया कि जो भी परियोजनाएं पूर्ण हो चुकी है उसे तत्काल हैंडोवर किया जाए। साथ ही साथ जो परियोजनाएं पूर्ण नहीं हुए हैं उसे पूर्ण कराए जाने का निर्देश दिया गया ।बैठक के दौरान जिलाधिकारी महोदय द्वारा विकास कार्यों के संबंध में संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया ।बैठक के दौरान मुख्य विकास अधिकारी अनुराज जैन, जिला विकास अधिकारी वीरेंद्र सिंह, परियोजना निदेशक राकेश प्रसाद,मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ श्रीकांत शर्मा, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ ओम प्रकाश ,जिला सूचना अधिकारी संतोष कुमार द्विवेदी तथा संबंधित विभाग के अधिकारीध् कर्मचारी मौके पर उपस्थित रहे।

इसौली में दंपति को गोली मारने वाले दो आरोपी गिरफ्तार,तमंचा बरामद

संवाददाता

सुल्तानपुर,बल्दीराय। थाना क्षेत्र के इसौली कटरा गांव में छप्पर में चाय समोसा की दुकान करने वाले बुजुर्ग दंपत्ति को गोली मारने वाले दो युवकों को पुलिस ने तमंचा कारतूस के साथ गिरफ्तार कर लिया ।इसौली कटरा गांव निवासी शिव प्रसाद (60) वर्ष अपनी पत्नी सुंदरा देवी (58) वर्ष के साथ सड़क किनारे छप्पर रख चाय और समोसा बेचते हैं ।बृहस्पतिवार रात दंपत्ति छप्पर के नीचे सो रहे थे रात करीब साढ़े बारह बजे गांव के गुड्डू पुत्र रंजीत और समीम पुत्र वसीम खान निवासी इसौली शराब के नशे में धुत होकर दुकान पर पहुंच गए दोनों युवकों ने शिवप्रसाद और उनकी पत्नी सुंदरा को नींद से जगा कर शराब के साथ कुछ खाने के लिए मांगा ।दंपति ने रात होने के साथ दुकान में कोई सामग्री नहीं होने की बात कही ।इस पर दोनों युवक नाराज हो गए शिव प्रसाद जब तक कुछ समझते गुड्डू और शमीम ने तमंचे से उनके साथ ही सुंदर पर फायर कर दिया। गोली लगने से शिव प्रसाद और सुंदरा गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन का इलाज ट्रामा सेंटर लखनऊ में चल रहा है। थानाध्यक्ष अमरेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि दोनों आरोपियों को चक कारी भीट से गिरफ्तार कर जेल रवाना किया गया।

शिक्षामित्रों का सम्मान बचाओ स्वाभिमान रैली का ईको गार्डन लखनऊ में होगा आयोजन

संवाददाता, अम्बेडकरनगर। जनपद के शिक्षामित्र शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष व शिक्षामित्र केयर समिति के जिला संयोजक रामचंद्र मौर्य ने कहा कि 12 जनवरी 2023 को ईको गार्डन लखनऊ में होने वाली शिक्षामित्रों का सम्मान बचाओ स्वाभिमान रैली का शिक्षामित्र शिक्षक संघ अम्बेडकर नगर द्वारा समर्थन किया जाता है। जिला अध्यक्षध् जिला संयोजक रामचंद्र मौर्य ने जनपद के शिक्षामित्रों से शिक्षामित्र हित में संगठनों व गुटबाजी की भावना से ऊपर उठकर एकजुट होकर शिक्षामित्र हित में होने वाले संघर्ष में शामिल होने की अपील किया है। शिक्षामित्र शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष राम चन्दर मौर्य ने बताया कि शिक्षामित्र सम्मान बचाओ रैली का समर्थन शिक्षामित्र हित को ध्यान में रखते हुए शिक्षामित्र शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष अभय कुमार सिंह, प्रदेश महामंत्री शिवेंद्र प्रताप सिंह, प्रदेश उप महामंत्री सुचित मलिक, प्रदेश प्रभारी संतोष भट्ट, प्रदेश उपाध्यक्ष सत्यव्रत सिंह ने शिक्षामित्रों का सम्मान बचाओ रैली का समर्थन करते हुए प्रदेश के शिक्षामित्रों से रैली में शामिल होने की अपील किया है। शिक्षामित्र शिक्षक संघ अम्बेडकर नगर के जिलाध्यक्ष राम चन्दर मौर्य ने जनपद के शिक्षामित्रों से एकजुट होकर 12 जनवरी 2023 को होने वाली शिक्षामित्र रैली में शामिल होने की अपील किया है। शिक्षामित्र शिक्षक संघ अम्बेडकर नगर के जिलाध्यक्ष रामचन्दर मौर्य ने कहा कि सरकार द्वारा जानबूझकर शिक्षामित्रों के हितों की अनदेखी की जा रही है। देश के प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री द्वारा खुले मंच से शिक्षामित्रों की समस्याओं का समाधान करने का वादा करने के वावजूद भी शिक्षामित्रों की समस्याओं का समाधान नहीं किया गया। सरकार द्वारा जानबूझकर शिक्षामित्रों के साथ वादा खिलाफी की जा रही है।

श्रीरामवल्लभाकुंज में संतों और छात्रों को बांटे कंबल और स्वेटर

संवाददाता

अयोध्या । श्रीरामवल्लभाकुंज के प्रमुख और अयोध्या एडवर्ड तीर्थ विवेचिनी सभा के अध्यक्ष स्वामी राजकुमार दास ने संतों और छात्रों को बांटे कंबल और स्वेटर बांटेस उन्होंने कहा कि ठंडक से बचाव के लिए आश्रम हर साल यह करता हैस सेवा आश्रम की परंपरा है जिसका पालन किया जा रहा है, संस्कृत छात्रों को कंबल देते स्वामी राज कुमार दास ने कहा कि श्रीरामवल्लभाकुंज में सेवा के कई प्रकल्प चल रहे हैं, संतों को नित्य भोजन और उनकी अनेक प्रकार से सवा चल रही है, विद्यार्थियों और ब्राह्मणों को हर प्रकार से सेवा की जा रही है, गो सेवा का प्रकल्प भी आश्रम सेवा की परंपरा का अंग है, श्रीरामवल्लभाकुंज में 100 से ज्यादा छात्रों के इतने ही संतों को कंबल और स्वेटर दिया गया,इस व्यवस्था में राघेवद्र शास्त्री, अरविंद तिवारी, अनूप शुक्ला, अवधेश तिवारी आदि ने सहयोग किया, दूसरी ओर श्रीरामजन्मभूमि सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष डाक्टर वीरेंद्र कुमार मिश्र ने मधुकरी संतों के आश्रम में जाकर उन्हें कंबल, जरूरत के सामान और दक्षिणा की सेवा देकर आशीर्वाद लिया, बताते चले कि अयोध्या में मौसम का कहर जारी है, यहां पिछले 10 साल के ठंडक का रिकार्ड टूट चुका है और न्यूनतम तापमान 2 डिग्री तक पहुंच चुका हैस इस समय न्यूनतम तापमान 4 या 5 रह रहा है जिससे जीव जंतु तक परेशान हैंसहाल यह है कि बंदर भी मौका मिलते आग तापने पहुंच जा रहे हैं।

महंत साध्वी रामा ने ठंड से परेशान जरूरतमंद को किया वितरण

संवाददाता, गोण्डा । जिले में कड़ाके की पड़ रही ठंड में गरीबों और असहाय व्यक्तियों को ठंड से राहत दिलाने के लिए विभिन्न सामाजिक संगठनों और सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा गर्म कपड़ों एवं कंबल का वितरण किया जा रहा है। इसी कड़ी में आज मां बाराही देवी की महंत साध्वी रामा ने मंदिर परिसर में जरूरतमंद लोगों के बीच कंबल का वितरण किया। साध्वी रामा ने करीब दर्जनभर से अधिक महिलाओं को कंबल का वितरण किया। हरि हबली सुनीता माया कमला ममता पूजा अर्चना सहित करीब दर्जनभर से अधिक महिलाओं को कंबल का वितरण किया।

तीनों पथ पर पैदल पथ, स्टार्म वाटर, ड्रेनेज, बस सेक्टर, क्रियेस्क, ई टॉयलेट बेहतर बनाने के निर्देश

संवाददाता

अयोध्या । डीएम नीतीश कुमार ने एडीएम प्रशासन अमित सिंह व लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के साथ रामपथ (सहादतगंज से नया घाट) 12.340 किलोमीटर लंबाई 30ध्40ध्20 मीटर आर0ओ0 डब्ल्यू में सुदृढ़ीकरण,चौड़ी करण संबंधी कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। इस दौरान जिलाधिकारी ने राम पथ के दोनों तरफ जन सुविधाओं के विकास को देखते हुए निर्धारित स्थानों पर बनाए जाने वाले बस-वे एंड ई-टॉयलेट के स्थलों का स्थलीय निरीक्षण किया तथा कार्यदाई संस्था लोक निर्माण विभाग निर्माण खंड 3 के अधिशासी अभियंता को समस्त आधुनिक सुविधाएं,तकनीकों से सुसज्जित बस-वे तथा ई-टॉयलेट बनने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने राम पथ के दोनों तरफसहादतगंज से नया घाट बनने वाले समस्त 14 बस-वे तथा ई-टॉयलेट को बेहतर ढंग से बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्माणाधीन पथों यथा रामपथ, भक्ति पथ, श्री राम जन्म भूमि पथ व धर्म पथ पर उच्चस्तरीय जन सुविधाओं की व्यवस्था सुनिश्चित रखने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्माणाधीन पथों पर पैदल पथ, स्टार्म वाटर, ड्रेनेज, यूटीलिटी डक्ट, बस-वे, बस सेक्टर, क्रियेस्क, ई टॉयलेट, बेंचेज, कूड़ा दान, टॉयलेट ब्लॉकस सहित विभिन्न बेहतर सुविधाओं से सुसज्जित रखने के निर्देश दिए। उन्होंने एक्सईएन पीडब्ल्यूडी सीडी-3 को राम पथ के निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए तथा एडीएम प्रशासन सहित समस्त संबंधित अधिकारियों को पथ के चौड़ीकरण के जद में आने वाले भूमि के बैनामे व आर एंड आर कार्य तथा ध्वस्तीकरण के कार्य में भू-स्वामियों,दुकानदारों से समन्वय कर,वस्तीकरण के कार्य में तेजी लाने व समस्त कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए।

एसबीआई एटीएम को गैस-कटर से काटकर उठा ले गए चोर

संवाददाता

बस्ती। जिले के कप्तानगंज कस्बे के सर्विस रोड पर लगा एसबीआई के एटीएम को मंगलवार सुबह चोरों ने गैस कटर से काटकर एटीएम मशीन उठा ले गए। घटना की सूचना पर पहुंची कप्तानगंज पुलिस व फॉरेंसिक टीम जांच पड़ताल में जुड़ गई। कस्बे में स्थित एसबीआई के एटीएम मशीन को चोरों ने गैस कटर से काटकर उसे रखे रुपए व कुछ अन्य उपकरण उठा ले गए । एटीएम में लगे सीसीटीवी कैमरे के कनेक्शन को चोरों ने पहले डिस्कनेक्ट कर दिया। तथा एटीएम के बगल में स्थित एक दुकान पर लगे कैमरे पर चोरों ने काले रंग की स्प्रे मार दी। जिससे घटनाक्रम सीसीटीवी में रिकॉर्ड नहीं हो सके और एटीएम को काट कर उसमे रखे रुपए उठा ले गए। प्रभारी निरीक्षक कप्तानगंज सत्येंद्र कुंवर ने बताया कि सुबह साढ़े 5रू30 बजे मुंबई स्थित बैंक कार्यालय से सूचना मिली की कप्तानगंज कस्बे के एक एटीएम से आपात स्थिति का अलार्म बजने की सूचना मिली। कप्तानगंज पुलिस कस्बे में लगे सभी एटीएमव बैंकों का निरीक्षण जांच पड़ताल किया। लेकिन इस दौरान पुलिस को सब कुछ ठीक-ठाक मिला। इसके बाद पुलिस वापस चली गई। पुलिस के जाते ही कुछ देर बाद कप्तानगंज कस्बे के सर्विस रोड पर लगे एसबीआई के एटीएम को चोरों ने एटीएम सटर बंद कर अंदर लगे एटीएम मशीन को गैस कटर से काटकर अंदर रखी नगदी रुपए उठा ले गए। घटना की सूचना पर फारेंसिक टीम व क्षेत्राधिकारी अपर पुलिस अधीक्षक बस्ती सहित क्राइम ब्रांच की टीम मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल में जुट गई है। फिलहाल अभी तक एटीएम से चोरी हुई रकम की जानकारी नहीं हो पाई। लेकिन सवाल यह है कि जब कप्तानगंज पुलिस को घटना की सूचना पहले मिल गई थी तो पुलिस अगर एलाइट हो गई होती तो शायद यह घटना ना घटी होती।

थाना सम्मानपुर की पुलिस टीम ने ठगी करने वाले पांच अभियुक्तों को गिरफ्तार किया, 3,61,400 हजार के नकली नोट बरामदा हुए

संवाददाता, अंबेडकर नगर। सम्मनपुर थाना पुलिस व एसओजी ने ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। पाचों आरोपित को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया। उनके पास से करीब मंगलवारा को 3,61,400 के नकली नोट,6 अदद कार 2 अदद मोटर साइकल व 14,270 बरामद हुआ है। अपर पुलिस अधीक्षक संजय राय ने मंगलवार को पुलिस लाइंस स्थित प्रेक्षागृह में आयोजित प्रेसवार्ता में यह जानकारी दी।

वृद्धाश्रम में वरिष्ठ नागरिकों के भरण पोषण एवं अधिकार के सम्बन्ध में सचिव, द्वारा विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन

संवाददाता, अम्बेडकर नगर। उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ द्वारा प्रेषित प्लान ऑफएक्शन 2022-23 के अनुपालन में श्री पद्म नारायण मिश्र, जनपद न्यायाधीश ध् अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अम्बेडकरनगर के निर्देशानुसार 10.01.2023 को वृद्धाश्रम, अकबरपुर,अम्बेडकरनगर में वरिष्ठ नागरिकों के भरण पोषण एवं अधिकार के सम्बन्ध में श्री कमलेश कुमार मौर्य, अपर जिला जज सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अम्बेडकरनगर द्वारा विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन कोविड 19 महामारी को दृष्टिगत रखते हुए जारी दिशा-निर्देशों के अन्तर्गत किया गया। इस विधिक साक्षरता शिविर में वृद्धाश्रम अकबरपुर से श्री रामप्रकाश पाण्डेय, भण्डार रक्षक, वृद्धाश्रम, अकबरपुर, अम्बेडकरनगर एवं वृद्धजन द्वारा प्रतिभाग किया गया ।शिविर को सम्बोधित करते हुये श्री कमलेश कुमार मीर्य, अपर जिला जज सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अम्बेडकरनगर द्वारा वृद्धाश्रम में वरिष्ठ नागरिको के भरण पोषण विषय पर जानकारी देते हुये बताया कि बुजुर्ग किसी भी परिवार के हो, वो गहरी जड़ होते है, जिस पर पूरा परिवार टिका होता है। जिस तरह किसी पेड़ को मजबूत होने के लिये उसका जमीन में गहरी जड़ होना जरूरी है, जैसे किसी घर या बिल्डिंग को ऊंचाई में पहुंचाने के लिये गहरी नींव जरूरी है, उसी तरह परिवार को फलने-फूलने व एक साथ रहने के लिये बुजुर्ग की जरूरत है।

समाजसेवी के हाथों हुआ नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट का उद्घाटन

संवाददाता, किछौछा। बसखारी कस्बे में पांच दिवसीय अल मरहबा नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट का सोमवार को शानदार आगाज हुआ बसखारी के खेल मैदान में आयोजित उद्घाटन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि जामिया फाउंडेशन के संस्थापक तथा दरगाह मखदूम अशरफ इंतेजामिया कमेटी के अध्यक्ष समाजसेवी सैयद अजीज अशरफ ने फीता काटकर उद्घाटन किया इस मौके पर समाजसेवी खिलाड़ियों से रूबरू होते हुए कहा कि खेल से जातिवाद की भावना खत्म होती है। और टीम भावना विकसित होता है। क्रिकेट खेल में हमेशा संघर्ष करने की सीख मिलती है। आगे उन्होंने कहा कि खेल से न सिर्फ शारीरिक बल्कि बौद्धिक क्षमता का भी विकास होता है। इस मौके पर मुख्य रूप से समाजसेवी फैजान कुरैसी, अली रजा फैजी, मोहम्मद रहमानी, रिजवान आर एन, मोहम्मद इरफान, डॉ सबलू, मुख्तार रजा, डॉ मानी, डॉ यजदानी, मोहम्मद अजीम उपस्थित रहे।

निजी को भी मिले सरकारी स्कूलों की तरह सुविधा

संवाददाता, बलरामपुर । जनपद में उत्तर प्रदेश वित्तविहीन विद्यालय प्रबंधक संघ प्रांतीय इकाई की बैठक मॉडर्न पब्लिक स्कूल कैंप कार्यालय में आयोजित की गई ।जिसमें निजी स्कूलों की समस्याओं को लेकर चर्चा की गई साथ ही प्रांतीय व जिला इकाई के सदस्यता अभियान पर जोर देने की बात भी कही गई ।वही इस बैठक के दौरान बैठक की अध्यक्षता प्रांतीय संरक्षक राजकुमार जायसवाल ने किया साथ ही उन्होंने कहा कि संगठन का मुख्य उद्देश निजी स्कूलों के प्रबंध हितों की रक्षा करना है ।साथ ही विद्यालयों की मान्यता व नवीनीकरण के साथ शासन से संचालित सरकारी स्कूलों की भांति निजी स्कूलों को भी संसाधन उपलब्ध कराने की बात कही ।उन्होंने कहा कि जल्द ही प्रांतीय प्रतिनिधि मंडल मुख्यमंत्री एवं राज्यपाल से मिलकर सरकारी स्कूलों की भांति निजी स्कूलों को भी संसाधनों से लैस करने की मांग करेगा।

वीएलई प्रशिक्षण कार्यक्रम हुआ संपन्न

संवाददाता, विकास खंड रेहरा बाजार,गैंडास बुजुर्ग तथा उतरौला में वीएलई प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।इस आयोजन के दौरान सीएससी जिला प्रबंधक अमित कुमार सिंह ने सीएससी ई गवर्नेंस इंडिया सर्विसेज लिमिटेड के माध्यम से उपलब्ध होने वाली सुविधाओं के बारे में प्रशिक्षण दिया और इस दौरान ब्लॉक के तमाम वीएलई उपस्थित रहे ।इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से सीएससी जिला प्रबंधक अमित कुमार सिंह ने समस्त सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी देते हुए इन योजनाओं को आम जनता तक पहुंचाने के लिए वीएलई को निर्देशित किया साथ ही इस प्रशिक्षण के दौरान ऑनलाइन सेवाओं के विषय में जैसे रेल टिकट,पैन कार्ड,आयुष्मान कार्ड प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि,पेंशन योजना,प्रधानमंत्री ग्रामीण साक्षरता मिशन,आयुष्मान भारत जैसी अनेकों सुविधाओं के विषय में जानकारी दी और उपयोगी योजनाओं के बारे मे आवश्यक प्रशिक्षण दिया।

सड़क हादसे में युवक की मौत,पत्नी को ससुराल छोड़कर वापस आ रहा था युवक

संवाददाता, गोण्डा । कर्नलगंज क्षेत्र में हुजूरपुर बहराइच मार्ग पर बैकुंठ नाथ महाविद्यालय के पास हुए भीषण सड़क हादसे में एक व्यक्ति की दर्दनाक मौत हो गई, जिसके बाद देखते ही देखते सड़क पर लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई। इस घटना के बाद तुरंत स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी, जिस पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया जहां डॉक्टरों ने घायल व्यक्ति को मृत घोषित कर दिया ।जिसके बाद पूरे परिवार में मातम मच गया। घटना कर्नलगंज थाना क्षेत्र के हुजूरपुर बहराइच मार्ग स्थित बैकुंठ नाथ महाविद्यालय के पास का है। जहां थाना कौड़िया बाजार अंतर्गत ग्राम हड़हा पठान पुरवा के निवासी 45 वर्षीय नादिर खां अपनी पत्नी को ससुराल ग्राम खिंदूरी छोड़ने के लिए गया था। पत्नी को ससुराल खिंदूरी गांव छोड़ कर घर वापस लौट रहे नादिर खां की बैकुंठ नाथ महाविद्यालय के पास एक अज्ञात वाहन से भिड़ंत हो गई, जिसकी चपेट में आने से नादिर खान बुरी तरह घायल होकर सड़क पर घायल अवस्था में पड़े थे। जिस पर स्थानीय ग्रामीणों ने तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी। जिस पर मौके पर पहुंचे हल्का दरोगा परशुराम सिंह व पुलिसकर्मियों ने घायल को तत्काल स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने घायल को मृत घोषित कर दिया। इस घटना के बाद पुलिस ने इसकी सूचना मृतक के परिजनों को दी, जिसके बाद सीएचसी पहुंचे मृतक के परिजनों में हड़कंप व पूरे परिवार में मातम छा गया। हल्का दरोगा परशुराम सिंह ने बताया कि मृतक के शव का पंचनामा कर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। साथ ही यदि परिजनों की तरफ से तहरीर मिली तो उसके आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

निष्क्रिय विद्युत सखियों के स्थान पर होगी नई तैनाती

संवाददाता, बस्ती । कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद के सभी विद्युत सखियों की बैठक मंगलवार को आयोजित की गई। इसमें डीएम प्रियंका निरंजन ने निर्देश दिया कि विद्युत सखी को निकट के विद्युत उपकेंद्र पर बैठने की व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाए। उनका परिचय पत्र जारी किया जाए। साथ ही उनका वॉलेट 30 हजार रुपए से अधिक का रिचार्ज कराया जाए। ताकि वे अधिक से अधिक विद्युत बिल जमा कर सकें। कहा कि उनको कार्य करने का पूरा अवसर प्रदान किया जाए तथा विद्युत विभाग उनका सहयोग करें। डीएम ने निर्देश दिया कि निष्क्रिय विद्युत सखियों के स्थान पर नई विद्युत सखियों की तैनाती की जाए। बताया कि वर्तमान में 293 क्लस्टर में विद्युत सखियों की तैनाती है। सभी ग्राम पंचायतों में विद्युत सखियों की तैनाती की जाए।

राजधानी में 50 हजार करोड़ के प्रस्ताव पर सम्मेलन

मैं उद्यमियों को विश्वास दिलाता हूं किसी प्रकार का खतरा नहीं होगा : ब्रजेश पाठक

संवाददाता

लखनऊ। राजधानी के इंदिरा प्रतिष्ठान में निवेश सम्मेलन जिला स्तर का इंवेस्टर समिट शुरू हुआ। कार्यक्रम में डिप्टी सीएम बृजेश पाठक और केंद्रीय राज्य मंत्री कौशल किशोर पहुंचे। लखनऊ में 50 हजार करोड़ के प्रस्ताव को लेकर उद्यमियों के साथ अधिकारियों और डिप्टी सीएम समेत कई मंत्री ने चर्चा की। डिप्टी सीएम ने कहा कि जो भी इंवेस्ट करेगा। उसकी हर एक बुनियादी सुविधा का ध्यान रखा जाएगा। वह दिन दूर नहीं जब यूपी औद्योगिक पैमाने में दुनिया में एक नंबर पर होगा। आने वाले ग्लोबल इन्वेस्टर सम्मिट का प्रधानमंत्री आगाज करेंगे। डिप्टी सीएम ने कहा कि पहले यूपी को कानून व्यवस्था ध्वस्त वाले राज्य के रूप में जाना जाता था। वसूली, बहू बेटियों की इज्जत खतरे में हुआ करती थी। लेकिन, 2017 के बाद राज्य में

आर्थिक पैमाने के नाम पर हो रही है। फर्रुखाबाद हो या लखनऊ पुलिस को पीटने का काम सपा के नेता करते थे। प्रदेश में गुंडे माफिया को निकाल कर उन पर कार्रवाई कर आज आर्थिक निवेश की नीतियों के साथ यूपी में काम किया जा रहा है। हम उद्यमियों को विश्वास दिलाते हैं। किसी भी तरीके से कोई खतरा नहीं होगा मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि यूपी में लगातार छोटे उद्योगों को ऊंचा बनाने पर काम हो रहा है। पहले कई लोग यूपी से पलायन कर रहे थे। बाहरी लोग यहां यूपी में पैसा इंवेस्ट करने से डरते थे। लेकिन, अब ऐसा नहीं है। सबको सीएम योगी ने भरोसा दिलाया। कि अब यूपी में कानून की सख्त व्यवस्था है। लोगों के लिए अच्छी आमदनी के साधन भी हैं। 2014 में नरेंद्र मोदी की केंद्र सरकार में चयन किया। 2017 में प्रदेश में योगी आदित्यनाथ की सरकार के बनने के बाद जिस तरीके से क्रांतिकारी परिवर्तन हुआ है। जो माहौल बना है गुंडई, दमन और लूट से उभारने और ऊर्जा के साथ सीएम ने किया। केंद्रीय राज्य मंत्री कौशल किशोर ने कहा कि योगी की सरकार में लगातार इन्वेस्टर और उद्यमियों का विश्वास बढ़ता जा रहा है। जिसके कारण उद्यमियों की संख्या धन इन्वेस्टमेंट किए जाने के लिए यूपी पर विश्वास कर रही है। इसी वजह से योगी ने 1 ट्रिलियन डॉलर यूपी के लिए इन्वेस्ट करने का काम किया है। मैं इस बात की गारंटी देना चाहती हूं। कि अब कोई किसी से डरा धमका कर काम नहीं करा सकता। पिछली सरकारों में जो इंस्पेक्टर राज थे। वह हमारे उद्योगपतियों के साथ शोषण का काम करते थे, मैं विश्वास दिलवाने का काम करता हूं कि किसी भी इंस्पेक्टर हिम्मत नहीं है कि वह शोषण कर सकें।

परिवहन निगम में चार सेवानिवृत्त अफसरों की वापसी

सौपी गई अहम जिम्मेदारी, संविदा पर करेंगे काम

संवाददाता

लखनऊ। राज्य सड़क परिवहन निगम में सेवानिवृत्त अफसरों से कम चलाया जा रहा है। अभी चार अधिकारियों को सेवा में वापस लिया गया है। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम में अधिकारियों की कमी है। पिछले वर्षों की ही तरह साल के पहले माह में ही कई अधिकारियों की कुर्सियां खाली हो रही हैं। नई भर्ती हो नहीं रही है, जिससे अब विभाग को चलाने में दिक्कतें आ रही हैं। जब भर्ती नहीं तो रिटायर्ड अधिकारियों को वापस सेवा में बुलाना पड़ रहा है।परिवहन निगम के कुछ सीनियर अधिकारियों की संविदा पर वापसी हुई है और भी अधिकारियों की संभावना हैं। निगम को शायद अब रिटायर्ड अधिकारी चलाएंगे। राज्य सड़क परिवहन निगम में चर्चा है कि अब धीरे-धीरे निगम निजीकरण की ओर बढ़ रहा है। नए अधिकारियों की तैनाती नहीं हो रही है, नई बसें खरीदी नहीं जा रही हैं। शासनादेश हो चुका है कि अब रोडवेज में 75 फीसद बसें प्राइवेट होंगी और 25 फीसद बसें ही निगम की होंगी।आर्थिक तंगी से गुजर रहा परिवहन निगम अब नए अफसरों की भर्ती कर खर्च नहीं करना चाहता। सेवानिवृत्त हुए अधिकारियों को ही कम पैसे पर वापस बुलाकर अपना काम चला रहा है। हाल में चार रिटायर्ड अधिकारियों की परिवहन निगम में वापसी कराई गई है, जिन्हें काम आवंटित हो गए हैं।जो परिवहन निगम की नौकरी में वापस आए हैं वह आरएम और एआरएम पद पर थे।परिवहन निगम में लगभग तीन दशक तक नौकरी करने के बाद रिटायर हुए एसके बनर्जी परिवहन निगम में नौकरी संविदा पर नौकरी करेंगे। श्री बनर्जी को सलाहकार संचालन प्रथम पर नौकरी में रखा गया है। उनको परिवहन निगम में पारस्परिक अंतरराज्जीय समझौते से संबंधित कार्य, राष्ट्रीयकृत और गैर राष्ट्रीयकृत मार्गों से संबंधित विधिक कार्य, उच्च प्रबंधन की तरफसे पर सौंपे गए अन्य कार्य मिले हैं। परिवहन निगम में प्रभारी जीएम के पद से सेवानिवृत्त हुए अतुल जैन को सलाहकार संचालन द्वितीय नियुक्त किया गया है। वे बस स्टेशनों पर फूड कैंटीन, स्टॉल एवं दुकान संबंधी कार्य, बस मार्गों पर यात्री प्लाजा से संबंधित कार्य, अनुबंधित बसों से संबंधित कार्य, बस स्टेशनों का नामकरण संबंधी कार्य, मानव संसाधन का निस्तारण संबंधी कार्य, संविदा चालकों, परिचालकों से संबंधित कार्य, संविदा चालकों परिचालकों से संबंधित सॉफ्टवेयर डेवलप कराना और उनसे संबंधित डेटा को संतुलित करना और पॉलिसी का निर्धारण करना, उच्च प्रबंधन की तरफ से समय-समय पर सौंपे गए अन्य कार्य करेंगे।

संक्षिप्त समाचार

कंबल वितरण मुहिम से जरूरतमंदो के चेहरे पर दौड़ी खुशी की लहर

संवाददाता, लखनऊ। नर सेवा नारायण सेवा के मूलमंत्र के साथ प्रत्येक शीत लहर के कहर के बीच देवदूत बनकर ममता चैरिटेबल ट्रस्ट कंबल वितरण महाअभियान चलाकर गरीब लाचार वंचित एवं मजलूम के बस्तियों में कैंप लगाकर,घूम घूम कर कंबल वितरित करती हैं। इसी महाअभियान के तहत सीएमएस चौराहे पर विशाल शिविर लगाकर हजारों जरूरत मंदो को कंबल वितरित किया,इसके अतरिक्त वृंदावन चौराहा,अंसल चौराहा,मेदांता चौराहा ,कराहटा चौराहा,अटल स्टेडियम,इकॉनॉ चौराहा सहित विभिन्न स्थलों पर 24 घंटे की मुहिम अंतर्गत कंबल बांटेप् चीफट्रस्टी एवं लोकप्रिय समाजसेवी राजीव मिश्रा ने कहा कि ट्रस्ट अपना महाअभियान तब तक जारी रखेगी जब हर गरीब तक कंबल नहीं पहुँच जाता। जब तक गरीब ठण्ड से कापेगा तब तक यह महाअभियान जारी रहेगा संस्थापक ट्रस्टी एवं संरक्षक डॉ राजेश शुक्ल ने बताया कि ममता चौरिटेबल ट्रस्ट टीम के वालंटियर पूरे शहर के चिन्हित मलिन कस्बों, सार्वजनिक स्थानों चौराहों पर रात दिन जरूरतमंदो को कंबल ओढ़ाकर उनका सम्मान भी कर रहे है।

अन्य दलों से आये लोगों ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की

संवाददाता, लखनऊ। समान भागीदारी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहम्मद हुसैन खान के नेतृत्व में उनके साथ आये विशाल शुक्ला, राजेश कुमार यादव, कनीज फातिमा, राजेंद्र कुमार, सुरेश कुमार, यशवंत सिंह यादव, कर्नल राम बोध यादव, संजीव कुमार शुक्ला, डॉ0 रेहान, सबीना, तरन्नुम बेगम, फजलुर रहमान, नाजिया बेगम, शाहिला बेगम, सबीला, तैय्यबा, गुलशन आरा, आदि ने आज प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में कांग्रेस अध्यक्ष पूर्व सांसद बृजलाल खाबरी एवं प्रांतीय अध्यक्ष पूर्व मंत्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी के समक्ष कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण करते हुए अपनी पार्टी का विलय किया। साथ ही अन्य दलों से आये लोगों ने भी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। सदस्यता ग्रहण कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष बृजलाल खाबरी ने कहा कि आज पूरा देश राहुल गांधी के नेतृत्व में चल रही भारत जोड़ो यात्रा के साथ है। उसी का परिणाम है कि तमाम लोग अन्य दलों को छोड़कर कांग्रेस में आस्था दिखा रहे हैं। इसी क्रम में आज समान भागीदारी पार्टी ने अपना विलय किया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव सुबोध श्रीवास्तव, मीडिया संयोजक अशोक सिंह, प्रदेश प्रवक्ता कृष्णकांत पाण्डेय, संजय सिंह, राजेश सिंह काली, पुष्पेंद्र श्रीवास्तव, आदि प्रमुख रहे।

जानलेवा मोबाइल टावर के कारण खतरे में पड़े विभूतिखंड के सैकड़ों परिवार

संवाददाता, लखनऊ। राजधानी के वीवीआईपी गोमतीनगर इलाकों में होटल हयात और डीएलएफप्लाजा के बगल में मौजूद एक मोबाइल टावर अगल बगल मौजूद दर्जनों मकानों के निवासियों के लिये जान का खतरा बन गया है। लखनऊ नगर निगम के जोन 4 में मौजूद यह इलाका दिन रात इस मोबाइल टावर की मशीनों की घरघराहट से हिलता रहता है जिसके कारण अगलबगल के मकानों में दरारें पड़ने का भी समाचार संज्ञान में आया है।जिस मकान पर यह टावर लगाया गया है वह किसी स्थानीय निवासी रामविलास यादव का बताया जा रहा है। स्थानीय निवासियों के अनुसार विभूतिखंड थाने में इस खतरे से संबंधित जानकारी लिखित रूप में दी जा चुकी है लेकिन आज तक कार्रवाई नहीं हुई है और सैकड़ों की आबादी पर मोबाइल टावर का खतरा लगातार बना हुआ है। क्षेत्रीय नगर निगम सभासद सावित्री देवी ने भी इस समस्या पर चुप्पी साध रखी है।अब स्थानीय नागरिक इस मामले को लेकर जिलाधिकारी कार्यालय, पुलिस कमिश्नर और लखनऊ नगर आयुक्त से मिलने की जुगत में लगे हैं।

लखनऊ विश्वविद्यालय के चार छात्रों का हुआ चयन

संवाददाता, लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के फूड प्रोसेसिंग एंड फूड टेक्नोलॉजी प्रोग्राम में एमएससी के चार छात्र धीर सिंह, हिमांशु श्रीवास्तव, मधुकर और दीपराज पटेल को एसएलएमजी प्राईवेट लिमिटेड में खाद्य प्रसंस्करण एवं खाद्य प्रौद्योगिकी में प्रशिक्षु के रूप में चयन किया गया है। प्रशिक्षु के रूप में इनको (2.4) लाख प्रति वर्ष का पैकेज दिया जाएगा। एसएलएमजी के अनुसार उन्हें छह महीने के लिए इस पद पर रखा जाएगा। सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूरा करने के बाद उन्हें गुणवत्ता आश्वासन कार्यकारी के रूप में पदोन्नत किया जाएगा।

प्रदेश के ज्यादातर इलाकों में प्रचंड शीतलहर का प्रकोप

संवाददाता, लखनऊ। उत्तर प्रदेश के ज्यादातर इलाकों में प्रचंड शीतलहर का प्रकोप है और पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य के ज्यादातर मंडलों में तापमान में काफी गिरावट दर्ज की गई। मौसम केंद्र लखनऊ की मंगलवार को जारी रिपोर्ट के मुताबिक पिछले 24 घंटों के दौरान देश के अनेक हिस्सों में भयंकर शीतलहर चली। इसके अलावा अनेक स्थानों पर घना कोहरा भी छाया रहा। पिछले 24 घंटों के दौरान प्रदेश के गोरखपुर, अयोध्या, लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद और मेरठ मंडलों में दिन का तापमान सामान्य से काफी कम रहा। इसके अलावा कानपुर, वाराणसी, झांसी, आगरा तथा प्रयागराज में यह सामान्य से नीचे रिकॉर्ड किया गया। इस अवधि में लखनऊ, अयोध्या, प्रयागराज तथा कानपुर मंडलों में रात का तापमान भी सामान्य से काफी कम रहा। इस दौरान इटावा राज्य का सबसे ठंडा स्थान रहा जहां न्यूनतम तापमान 2.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। इसके अलावा हरदोई में न्यूनतम तापमान चार डिग्री सेल्सियस, हमीरपुर में 5.2 डिग्री, मुजफ्फरनगर, अयोध्या और बाराबंकी में 5.5-5.5 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान रिकॉर्ड किया गया ।

मनीष हत्याकांड : कोतवाल समेत 6 पर हत्या का आरोप तय

मृतक की पत्नी का संघर्ष लाया रंग, ट्विटर के सहारे लड़ी लड़ाई

संवाददाता

लखनऊ/कानपर। कानपुर के कारोबारी मनीष गुप्ता की सितंबर 2021 में गोरखपुर के होटल में हुई हत्या मामले में सीबीआई की विशेष अदालत ने यूपी पुलिस के बर्खास्त एसएचओ समेत 6 पूर्व पुलिसवालों के खिलाफआरोप तय कर दिए हैं। एसएचओ जगत नारायण के खिलाफ हत्या का आरोप तय किया गया है। कोर्ट ने इस मामले में आरोपियों की ओर से केस रद्द करने की मांग को ठुकरा दिया है। मनीष गुप्ता हत्याकांड मामले में मीनाक्षी ने इंसाफकी लड़ाई सोशल मीडिया के जरिए लड़ी। वारदात के दूसरे दिन ही उन्होंने अपना ट्वीटर अकाउंट बनाया और पल-पल की अपडेट को ट्वीट

किया। उन्होंने ट्वीट में पीएम मोदी, सीएम योगी, पूर्व सीएम अखिलेश यादव और राहुल गांधी को टैग किया। कई वीडियो भी जारी किए। एक वीडियो में गोरखपुर के डीएम और एसएसपी तहरीर बदलने का दबाव बनाते नजर आए थे। उनके ट्वीटर हैंडल से 16 ट्वीट किए गए थे। मीनाक्षी ने पूरी लड़ाई नए तरीके से लड़ी और नेताओं व अफसरों तक बात पहुंचाई। सितंबर 2021 में गोरखपुर के रामगढ़ताल थाना क्षेत्र के होटल कृष्णा पैलेस में कानपुर के कारोबारी मनीष गुप्ता, प्रदीप और हरवीर ठहरे हुए थे। होटल में चेकिंग के नाम पर एसएचओ समेत अन्य पुलिसकर्मियों ने मनीष को इतना मारा की उनकी मौत हो गई। इस मामले में तूल पकड़ा तो 6 पुलिस कर्मियों के खिलाफकेस दर्ज किया गया। मनीष की पत्नी मीनाक्षी गुप्ता की मांग पर मामले को एसआईटी कानपुर को ट्रांसफर किया गया। मामले को लेकर मीनाक्षी ने उच्चतम न्यायालय का दरवाजा भी खटकाया। सुप्रीम कोर्ट ने पूरे मामले में राउज एवेन्यू डिस्ट्रिक्ट कोर्ट स्पेशल कोर्ट सीबीआई में परीक्षण के लिए स्थानांतरित करने का आदेश दिया। राज्य सरकार ने मामले को सीबीआई को सौंपा। सीबीआई की रिपोर्ट में सामने आया है कि पुलिस कर्मियों ने मनीष गुप्ता पर पैर से प्रहार किया। इसके बाद उनका सिर बिस्तर के हेडबोर्ड से टकराया था।

एटीएम कार्ड का 'क्लोन' तैयार कर रूपये निकालने वाले गिरोह के सदस्यों को किया गिरफ्तार

संवाददाता

लखनऊ। यूपी एसटीएफ ने एटीएम कार्ड का 'क्लोन' तैयार कर लोगों को धोखा देकर उनके खाते से रूपये निकालने वाले गैंग के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया हैं। जिनके पास से 12 एटीएम कार्ड, मोटर साइकिल व ठगी के रूपये बरामद किए गए हैं। अभियुक्तो की पहचान नीरज कुमार यादव ,रामू भारतीया व अंशुमान सिंह के रूप में हुई हैं। जो प्रयागराज के रहने वाले हैं। जिनको जनपद मिर्जापुर के थाना विंध्याचल क्षेत्र गैपुरा चौराहे पर स्थित एसबीआई बैंक का एटीएम बूथ के पास से गिरफ्तार किया गया है। नवेन्दु कुमार पुलिस उपाधीक्षक एसटीएफ इकाई प्रयागराज उपनिरीक्षक रणेन्द्र सिंह, मुख्य आरक्षी अभिषेक मिश्रा, हे.कां अमित शर्मा की टीम ने तीनों अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। पूछताछ में गिरफ्तार अभियुक्तों द्वारा बताया गया कि एटीएम बदलकर खाता धारकों के खाते से रूपये निकालते थे। ये लोग ऐसे व्यक्तियों को निशाना बनाते हैं। अभियुक्त उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, व छत्तीसगढ़ राज्यो से एटीएम कार्ड बदलकर अब तक कई लाख रूपये निकाल चुके हैं। गिरफ्तार अभियुक्तों को थाना विंध्याचल जनपद मिर्जापुर में मुकदमा दर्ज कर स्थानीय पुलिस द्वारा कार्यवाही की जा रही है।

नगर विकास मंत्री ने रैन बसेरों और अलावकी व्यवस्था का किया निरीक्षण

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के नगर विकास और ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने राजधानी के कई इलाकों में स्थायी और अस्थायी रैन बसेरों और अलाव जलाने की व्यवस्था का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारीयों से कहा कि भीषण ठंड और शीतलहर के कारण किसी को भी परेशानी न हो, ऐसे में बेघर,निराश्रित और बेसहारा लोगों को नजदीकी आश्रय स्थलों में

पहुंचाया जाए, खुले में रात गुजारने को कोई मजबूर न हो और अलाव जलाने की भी पर्याप्त व्यवस्था हो। उन्होंने सामाजिक संगठनों ,व्यापारिक संस्थानों, गणमान्य नागरिकों से भीषण ठंड से लोगों को बचाने के लिए हर संभव प्रयास करने की भी अपील की। नगर विकास मंत्री अपने 14 कालिदास आवास से शहर के 1090 चौराहा, अम्बेडकर पार्क चौराहा, लोहिया चौराहा, मिठाई वाला चौराहा, मनोज पांडेय चौराहा, पत्रकारपुरम चौराहा, होसड़िया चौराहा से होते हुए हैनिमैन चौराहा, ओल्ड अमेटी चौराहा, कठौता चौराहा से चिनहट तिराहा पहुंचे। उसके पश्चात मटियारी चौराहा से वापसी करते हुए कमता तिराहा पहुंचे। जहां से उन्होने पॉलिटेक्निक चौराहे पर अलाव व्यवस्था का जायजा लिया। शेल्टर होम में उद्देश्य फाउंडेशन और नगर निगम द्वारा दी गयी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान शेल्टर होम में 47 लोग उपस्थित मिले। इसके पश्चात सिकंदरबाग, सफ्रू मार्ग, श्री राम टावर से हजरतगंज चौराहे से होते हुए सिविल हॉस्पिटल पहुंचे। जहां उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि कोई भी व्यक्ति खुले में न सोए। इस दौरान नगर विकास मंत्री एके शर्मा ने प्रदेश के अन्य नगर निगमो और निकायों में फोन से वार्ता कर निराश्रितों के लिए की गई व्यवस्थाओं की जानकारी ली।

भाजपा और सपा में छिड़ी जंग, रोमांचक मुकाबले के आसार, बीजेपी और सपा ने पांच सीटों पर घोषित किए प्रत्याशी

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की पांच विधान परिषद सीटों के लिए बीजेपी ने अपने प्रत्याशी घोषित किए। उम्मीदवारों के ऐलान के बाद बीजेपी और सपा आमने-सामने आ गई है। इन सीटों पर 30 जनवरी को चुनाव है लेकिन निर्दलीय और शिक्षक संघ गुट से उम्मीदवार के उतरने से मुकाबला और रोचक हो गया है। भारतीय जनता पार्टी ने उत्तर प्रदेश में विधान परिषद की पांच सीटों पर होने वाले चुनाव के लिए प्रत्याशी घोषित कर दिए है। इन सीटों पर 30 जनवरी को चुनाव होना है। विधान परिषद की पांच सीटों में तीन स्नातक और दो शिक्षक सीटें हैं। भाजपा ने तीनों स्नातक सीटों पर मौजूदा विधान परिषद के सदस्यों को दोबारा से मौका दिया है। नगर निकाय चुनाव से पहले पांच एमएलसी सीटों के लिए 30 जनवरी को चुनाव होंगे,जिसके लिए दो शिक्षक और तीन स्नातक कोटे की एमएलसी सीटों के लिए भाजपा और सपा ने अपने-अपने पत्ते खोल दिए हैं। मुकाबला और रोचक होगा। बीजेपी के सामने अपनी जीती हुई सीटों को बचाए रखने की चुनौती है तो वहीं दूसरी ओर सपा कब्जा जमाने को आतुर है। सोमवार को देर रात जारी सूची के अनुसार कानपुर खण्ड स्नातक क्षेत्र से वेणु रंजन भदौरिया को भाजपा से प्रत्याशी बनाया तो इलाहाबाद झांसी खण्ड स्नातक क्षेत्र से डा. बाबूलाल तिवारी को उम्मीदवार घोषित किया है। बरेली के मुरादाबाद खण्ड स्नातक क्षेत्र से जयपाल सिंह व्यस्त, कानपुर खण्ड स्नातक क्षेत्र से अरुण पाठक और गोरखपुर-फैजाबाद खण्ड स्नातक क्षेत्र से देवेन्द्र प्रताप सिंह प्रत्याशी है।गोरखपुर-फैजाबाद स्नातक सीट से देवेंद्र प्रताप सिंह, कानपुर-खंड स्नातक सीट से अरुण पाठक और बरेली-मुरादाबाद स्नातक सीट पर जय पाल सिंह व्यस्त एमएलसी हैं। यह तीनों सीटें बीजेपी के पास हैं और पार्टी ने तीनों को एक बार फिर से मैदान में उतारा है। इलाहाबाद-झांसी शिक्षक सीट माध्यमिक शिक्षक संघ शर्मा गुट और कानपुर शिक्षक सीट माध्यमिक शिक्षक संघ चंदेल गुट के पास है। बीजेपी पांचों सीटें जीतने की कवायद में तो सपा सेंधमारी की जुगत में है।एमएलसी चुनाव में समाजवादी पार्टी ने अपने प्रत्याशी पहले ही घोषित कर दिए थे। स्नातक कोटे की गोरखपुर-फैजाबाद सीट से करुणाकांत मौर्य, मुरादाबाद-बरेली सीट से शिव प्रताप सिंह और कानपुर-उन्नाव सीट से कमलेश यादव को टिकट दिया है ।

विश्व हिन्दी दिवस के अवसर पर साहित्यिक गोष्ठी का आयोजन

संवाददाता

लखनऊ। विधान भवन, राज्य कर्मचारी साहित्य संस्थान, उ0प्र0 के तत्वावधान में विश्व हिन्दी दिवस के अवसर पर साहित्यिक गोष्ठी का आयोजन मुख्य भवन, सचिवालय परिसर स्थित संस्थान के कार्यालय कक्ष-119ब में किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार एवं आकाशवाणी में कार्यक्रम प्रमुख, मीनू खरे, मुख्य विशिष्ट अतिथि श्री रत्नदीप दीक्षित, अनु सचिव, भाषा विभाग, उ0प्र0 सचिवालय, शशांक अग्निहोत्री, अधिवक्ता, मा0 उच्च न्यायालय, लखनऊ एवं ध्रुवचन्द्र मिश्रा, वरिष्ठ हिन्दी सेवी थे तथा गोष्ठी की अध्यक्षता संस्थान के उपाध्यक्ष डॉ0 उमेश चन्द्र वर्मा 'आदित्य' द्वारा की गयी। गोष्ठी का सफल संचालन विपुल मिश्रा ने किया। गोष्ठी का प्रारम्भ विजय प्रसाद त्रिपाठी ने वाणी वन्दना प्रस्तुत करके किया। डॉ0 रश्मिशील ने कहा 'संयुक्त राष्ट्र संघ में हिन्दी को मान्यता देने के लिए जरूरी है कि साहित्यिक समाज के साथ ही राजनैतिक स्तर पर भी इसके लिए एकजुट होकर के मुहिम चलाई जाए। ये देश और राष्ट्र के हित की बात है इसलिए इसमें वैश्विक स्तर के मुद्दे पर सभी पार्टियों को परस्पर विरोध छोड़कर एक जुट होना चाहिए।' श्री विजय प्रसाद त्रिपाठी जी ने 'संस्कृति जिसकी माता है, जो संस्कृति की भाषा है, उसी नागरी से भारत को, निज गौरव की आशा है' रचना प्रस्तुत की। हिन्दी हिन्द की संहिता, हिन्दी ही कानून, हिन्दी हिन्दुस्तान के, रग में बहता खून, रचना द्वारा श्री मानस मुकुल त्रिपाठी 'मानस' ने अपने भावोद्गार व्यक्त किये। संस्थान की महामंत्री डॉ0 सीमा गुप्ता ने कहा कि 'हिन्दी से हिन्दुस्तान है, हिन्दी ही मेरी जान है, हिन्दी ही मेरी पहचान है।' अत: हिन्दी के लिए हम सबको अन्तर्राष्ट्रीय पहचान देने हेतु प्रयास करना चाहिए। इसके अतिरिक्त डॉ0 दिनेश चन्द्र अवस्थी, श्रीमती इन्द्रासन सिंह 'इन्दु', रवि प्रकाश मिश्र 'सूर्य', अनन्त प्रकाश तिवारी, केवल प्रसाद 'सत्यम', अम्बरीश कुमार सिंह, सुशील चन्द्र श्रीवास्तव, रेनू वर्मा, बृजेश कुमार सिंह, श्री अभिषेक पाण्डेय, रामलखन यादव, गिरिजाशंकर दुबे 'गिरिजेश', राजेन्द्र सक्सेना, श्रवण कुमार सेठ, पूर्णिमा बेदार श्रीवास्तव, सुरेश चन्द्र पाण्डेय, आशुतोष चन्द्र पाण्डेय एवं नरेन्द्र भूषण जी उपस्थित थे।

पेंशनरों ने ईपीएफओ के सर्कुलर की प्रतियां जलाकर किया विरोध प्रदर्शन

संवाददाता

लखनऊ। ईपीएस (95) राष्ट्रीय संघर्ष समिति ने ईपीएफ ओ द्वारा हायर पेंशन मामले में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के प्रभाव को कम करने के लिए उसकी गलत व्याख्या कर मनमाने ढंग से 29 दिसंबर को जारी सर्कुलर के विरोध में देशभर के सभी ईपीएफओ कार्यालय काली पट्टी बांधकर प्रदर्शन कर, सर्कुलर की प्रतियां जलाई गई। लखनऊ में भी कड़ाके की ठंड के बावजूद ईपीएफओ के गोमती नगर स्थित कार्यालय पर केन्द्र व राज्य सरकार के सार्वजनिक निगमों एच ए एल, एफसीआई ,आईटीआई, रोडवेज, आवश्यक वस्तु निगम, पीसीएफ अपट्रान, स्कूटर इंडिया,सीड कार्पोरेशन और अनेक निजी प्रतिष्ठानों के पेंशनरों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। इस विरोध में क्षेत्रीय आयुक्त ईपीएफओ नवीन कुमार कन्नौजिया को ज्ञापन देकर श्रम मंत्रालय फॉरवर्ड करने तथा स्थानीय समस्याओ का तत्काल निराकरण करने का आश्वासन दिया। प्रदर्शन में समिति के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष केएस तिवारी, मुख्य समन्वयक राजीव भटनागर ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में पहले ही पेंशनरों के साथ अन्याय किया है। जिससे लाखों पेंशनर उच्च पेंशन के लाभ से वंचित हो गये हैं। इसलिए सरकार को इस सर्कुलर को वापस लेना पड़ेगा। इस प्रदर्शन में पी के श्रीवास्तव, दिलीप पांडे, गिरेंद्र सिंह, आर एन द्विवेदी, सुभाष चौबे, उमाकांत सिंह शमसुल हसन, राजेश तिवारी, अशोक बाजपेई, एपी सिंह,राजेश द्विवेदी सतीश अग्निहोत्री, आर पी सिंह, हरिश्चंद्र त्रिपाठी ,विजय सिंह, काजिम रजा ,फ्रेडरिक करूज,रामसेवक शुक्ला, हरिशंकर गुप्ता, हनुमान यादव, पीताम्बर भट्ट मौजूद रहे। सभी ने न्यूनतम पेंशन साढ़े सात हजार रुपए महीना, डीए व मुफ्त चिकित्सा सुविधा की मांग के साथ सुप्रीम कोर्ट से मानवीय आधार पर पेंशनरों के पक्ष में आदेश देने की अपील की। उत्तर प्रदेश में लखनऊ के अतिरिक्त कानपुर, प्रयागराज, वाराणसी, गोरखपुर, बरेली, मेरठ, नोएडा, अलीगढ़ एवं आगरा के ईपीएफ ओ कार्यालयों पर भी पेंशनरों ने प्रदर्शन किया ।

सम्पादकीय

अतिक्रमण और पुनर्वास

उत्तराखंड के हल्द्वानी में रेलवे की जमीन पर अतिक्रमण हटाने के उत्तराखंड हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने ठंड के मौसम में बेघर होने की आशंकाओं से घिरे हजारों लोगों को राहत दी है। निस्संदेह यह राहत अंतिम नहीं है, लेकिन इस फैसले को मानवीय दृष्टि से संवेदनशील पहल कहा जाना चाहिए। लेकिन इस दौरान शीर्ष अदालत की टिप्पणियां सत्ताधीशों व स्थानीय प्रशासनों के लिये सख्त संदेश भी है कि यह अतिक्रमण कुछ ही दिनों व सालों की बात नहीं। सालों-साल चले इस अतिक्रमण को रोकने के लिये जवाबदेह लोग दशकों क्यों सोते रहे? यह भी कि दशकों के अतिक्रमण को रातों-रात तो बिल्कुल नहीं हटाया जा सकता। निस्संदेह, करीब पचास हजार लोगों को आनन-फानन में नहीं हटाया जाना चाहिए। यहां तमाम स्थायी आवासों के साथ ही कई सरकारी स्कूल, बैंक, विभाग, मंदिर-मस्जिद आदि बने हुए हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात सुप्रीम कोर्ट ने यह कही कि हजारों लोगों को हटाने से पहले उनके पुनर्वास की व्यवस्था होनी चाहिए। शीर्ष अदालत इस बाबत सात फरवरी को रेलवे व सरकार का पक्ष सुनेगी। बाकायदा उत्तराखंड सरकार को अपना पक्ष रखने के लिये नोटिस भेजा गया है। विडंबना यह है कि ऐसे अतिक्रमण की स्थिति पूरे देश में बनी हुई है। अपनी जड़ों से उखड़े, रोजगार की तलाश में शहरों की तरफ आए लोग तथा भू-माफियाओं की साजिश के चलते बेचे गये भूखंडों के खरीददार इन अतिक्रमणों के केंद्र में रहते हैं। दरअसल वोटों की राजनीति, स्थानीय प्रशासन में व्याप्त भ्रष्टाचार तथा तंत्र की काहिली इन अवैध बस्तियों को पनपने का मौका देती है। लेकिन जब पानी सिर के ऊपर से गुजरने लगता है और सरकार या कोर्ट की तरफ से मामला उजागर होता है तो स्थानीय प्रशासन बसे लोगों को हटाने की तुरत-फुरत कार्रवाई में जुट जाता है। निस्संदेह, ऐसी किसी कार्रवाई में मानवीय पक्ष को भी ध्यान में रखा जाना चाहिए। कह सकते हैं कि यह सरकारी जमीनों पर अतिक्रमण होता है, लेकिन इन आशियानों को बनाने में भी गरीब तबके के लोगों की जीवनभर की पूंजी लगी होती है। दरअसल, राष्ट्रीय स्तर पर इस समस्या को संबोधित करने की जरूरत है कि क्यों सरकार की खाली पड़ी जमीनों की बंदरबांट होती है। इस समस्या का समाधान शुरुआत में ही क्यों नहीं तलाशा जाता। सवाल यह भी कि हल्द्वानी में बनभूलपुरा की जिस 29 एकड़ जमीन पर अतिक्रमण की बात की जा रही है उसे रेलवे भूला हुआ क्यों था? ऐसा तो नहीं था कि स्थायी संरचनाएं रातों-रात बन गई थीं। दरअसल, इस अतिक्रमण पर रेलवे की नजर तब पड़ी जब इस क्षेत्र से लगती नदी में रेत के अवैध खनन के तार इस इलाके की बस्तियों से जुड़े। मामला 2013 में उठा था और फिर दस साल बाद सुप्रीम कोर्ट में जाने के बाद राष्ट्रीय चर्चा का विषय बना। दरअसल, यह अतिक्रमण की गुत्थी गहरे तक उलझी हुई है। कुछ लोगों का दावा है कि वे गृहकर व जल-कर भर रहे हैं तो स्थानीय निकायों ने कैसे इस अतिक्रमण करके बने मकानों को मान्यता दी? कुछ लोग जमीन के दस्तावेजों के कानूनन वैध होने के दावे कर रहे हैं, तो कुछ का कहना है कि देश के विभाजन उपरांत कुछ लोगों के चले जाने के बाद खाली पड़े घरों की नीलामी में उन्होंने इन्हें खरीदा था। बहरहाल, हाड़ कंपाती सर्दी में हजारों लोगों को सुप्रीम कोर्ट के फैसले से फौरी राहत तो मिली है, लेकिन यह समस्या का अंतिम समाधान नहीं। इसके निस्तारण में लंबा वक्त लगेगा। ऐसे मामलों के समाधान में ध्यान रखना जरूरी है कि किसी भी कदम से देश में अवैध अतिक्रमण की प्रवृत्ति को बढ़ावा नहीं मिलना चाहिए। वहीं दूसरी ओर यह रेलवे के लिये सबक है कि वह अपनी भूमि की नियमित देखभाल करता रहे ताकि फिर ऐसी नौबत न आये। साथ ही सरकार को निजी निवेश के साथ गरीबों व बेघरों के लिये सस्ते आवास के विकल्प पर गंभीरता से विचार करना चाहिए, ताकि उसके लोककल्याणकारी दायित्वों का ठीक ढंग से निर्वहन हो सके।

भए प्रकट कृपाला...

यदि राष्ट्र की धरती अथवा सत्ता छिन जाए तो शौर्य उसे वापिस ला सकता है। यदि धन नष्ट हो जाए तो परिश्रम से कमाया जा सकता है। यदि राष्ट्र की पहचान ही खो दे तो कोई भी शौर्य या परिश्रम उसे वापिस नहीं ला सकता। इसी कारण भारतीयों ने विषम परिस्थितियों में लाखों अवरोधों के बाद भी राष्ट्र की पहचान को बनाए रखने के लिए अनेक लड़ाइयां लड़ीं और बलिदान दिए। इसी राष्ट्रीय चेतना और पहचान को बचाए रखने के लिए देश के बहुसंख्यक हिन्दुओं को श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निर्माण का संकल्प पूरा करने केघ् लिए वर्षों तक कानूनी लड़ाई लड़नी पड़ी। अब करोड़ों हिन्दुओं की आस्था के चलते अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर तैयार होने की तारीख आ गई है। गृहमंत्री अमित शाह ने त्रिपुरा की धरती पर खड़े होकर यह ऐलान कर दिया है कि एक जनवघ्री 2024 को राम मंदिर बनकर तैयार हो जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि सिर्फ राम मंदिर ही नहीं मां त्रिपुरा सुन्दरी का मंदिर भी ऐसा भव्य बनेगा कि पूरी दुनिया यहां देखने आएगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शासनकाल में हिन्दुओं की आस्था के केन्द्र काशी विश्वनाथ का शानदार कारिडोर बनाया गया। महाकाल का कारिडोर बनाया गया। सोमनाथ और अंबाजी का मंदिर सोने का हो रहा है। देश के सभी धार्मिक स्थलों का पुराना वैभव लौट रहा है। जनसंघ के काल से ही भाजपा के एजैंडे में तीन मुद्दे प्रमुखता से शामिल रहे। पहला अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर का निर्माण, दूसरा जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 का उन्मूलन और समान नागरिक संहिता लागू किया जाना। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शासनकाल में ही भाजपा अपने एजैंडे को पूरा कर पाई है। गृहमंत्री अमित शाह ने राजनीतिक कौशल का परिचय देते हुए जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हमेशा के लिए हटा दिया और अयोध्या में श्रीराम मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त हुआ और सरकार समान नागरिक संहिता से जुड़े मुद्दों पर काफी आगे बढ़ चुकी है। मुस्लिम महिलाओं पर अत्याचार ढाने वाले तीन तलाक को भी एक तरह से खत्म किया जा चुका है। नरेन्द्र मोदी सरकार को भारतीय जनता पार्टी के प्रमुख मुद्दों को पूरा करने का श्रेय मिलना ही चाहिए। अब श्रीराम मंदिर निर्माण 2024 को पूरा होने के साथ ही हिन्दुओं का स्वप्न साकार हो जाएगा। जब वे श्रीराम लला के दर्शन कर गर्व महसूस करेंगे। श्रीराम का सम्पूर्ण जीवन त्याग, तपस्या, कर्त्तव्य और मर्यादित आचरण का उत्कृष्ट स्वरूप है। मर्यादा निर्माण का यह अभ्यास विश्व इतिहास में अनूठा है। यही कारण है कि विज्ञान और विकास के दौर में भी श्रीराम जनमानस के देवता हैं। राम शक्ति के ही नहीं विरक्ति के भी प्रतीक हैं। राम भगवान से पहले एक व्यक्ति हैं। उन्होंने अपने जीवन में ऐसे कार्य किए हैं जिन्हें हम दैनिक जीवन में अपना सकते हैं। जनमानस की व्यापक आस्थाओं के इतिहास को देखें तो मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम कण-कण में विद्यमान हैं। श्रीराम इस देश के पहले महानायक हैं। राम का जो विराट व्यक्तित्व भारतीय जनमानस पर अंकित है, उतने विराट व्यक्तित्व का नायक अब तक के इतिहास में कोई दूसरा नहीं हुआ। राम के जैसा दूसरा कोई पुत्र नहीं। उनके जैसा सम्पूर्ण आदर्श वाला पति, राजा, स्वामी कोई भी दूसरा नाम नहीं। राम किसी धर्म का हिस्सा नहीं, बल्कि मानवीय चरित्र के उदात हैं। भगवान राम के पावन नाम के स्मरण मात्र से प्राणों में सुधा का संचार होता है। इस नाम की महिमा कौन नहीं जानता। भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता के प्रतीक पुरुष श्रीराम भारतीयों के रोम-रोम में बसे हुए हैं। मैथलीशरण गुप्त का साकेत सचमुच इस बात की घोषणा करता है।''राम तुम्हारा वृत स्वयं ही काव्य हैकोई कवि हो जाए सहज संभाव्य है।''आज भारत को भावनात्मक एकता की जरूरत है। आज आदर्शों की बात होनी चाहिए। चरित्र की बात होनी चाहिए। व्यवहार की बात होनी चाहिए। मानव कल्याण और विश्व शांति की बात होनी चाहिए। आज समूचा विश्व जल रहा है। विश्व आज उस मुकाम पर खड़ा है, जहां विध्वंस ही विध्वंस नजर आ रहा है। विश्व में शांति का मार्ग बताएगा तो वह श्रीराम मंदिर ही होगा। पूरी दुनिया हमारी इस धरोहर का लाभ उठाए तभी शांति की स्थापना हो सकती है।

हल्द्वानी : घर से बेघर पर रोक

आदित्य नारायण

भारत का संविधान मानवीय मूल्यों पर आधारित दुनिया का ऐसा जीवन्त दस्तावेज है जिसमें नागरिकों को केन्द्र में रखकर राष्ट्र की परिकल्पना की गई है। इनके अधिकारों के प्रति सम्पूर्ण संविधान पूरी संवेदना के साथ वे शक्तियां प्रदान करता है जिससे प्रत्येक नागरिक अपने जीवन जीने के अधिकार का प्रयोग करते हुए अपने व्यवसाय व निवास स्थल का चयन भी कानून सम्मत तरीके से कर सके। नागरिकों का स्वतन्त्र भारत में सम्पत्ति का मौलिक अधिकार भी दिया गया जिसे बाद में 1978 में संवैधानिक अधिकार में बदल दिया गया। भारत का संविधान प्रत्येक नागरिक को अपनी मनपसन्द जगह पर बसने का अधिकार भी देता है मगर शर्त यह है कि इसका तरीका पूर्ण रुपेण वैधानिक हो। भारत का इसीलिए कोई मजहब नहीं है क्योंकि इस राष्ट्र की पूरी परिकल्पना ही मानवीय रिश्तों के उन समीकरणों पर की गई है जिसमें मनुष्यता का भाव सर्वोपरि है। अत: संविधान ने सभी धर्मों, वर्गों, सम्प्रदायों, स्त्री-पुरुषों व भाषा-भाषी लोगों को एकसमान मानते हुए उन्हें बराबर के अधिकार दिये और तय किया कि राज सत्ता के समक्ष मानवीय पक्ष ही नागरिकों को न्याय देने का मूल मन्त्र होगा। उत्तराखंड के हल्द्वानी शहर की रेलवे की कथित भू-सम्पत्ति पर बसे हुए लोगों को बेघर करने के नैनीताल उच्च न्यायालय के फैसले पर स्थगन आदेश जारी करते हुए देश के सर्वोच्च न्यायालय ने जो फैसला दिया है वह भारत के संविधान के मानवीय पक्ष की ही पैरवी करता है और कहता है कि वर्षों से कहीं बसे हुए लोगों को एक झटके में उजाड़ना न्याय की किसी भी परिभाषा से मेल नहीं खाता है। यहां असली सवाल यह है कि जो लोग पिछले 60 वर्षों से अधिक समय से अपना आशियाना इस विवादित जमीन पर बसाये बैठे हैं उनका कसूर क्या है? सवाल यह है क्या इन्होंने बाजाब्ता हुकूमत के साये में इस जमीन पर जबरन कब्जा किया या फिर हुकूमत ने ही इन्हें इस जमीन पर बसने की इजाजत दी? अगर हुकूमत की बिना मर्जी के ये पचास हजार से ज्यादा लोग इस जमीन पर अपने चार हजार से अधिक पक्के मकान बनाकर रह रहे होते तो उन्हें खुद हुकूमत ही बिजली, पानी से लेकर दूसरी जरूरी सुविधाएं क्यों मुहैया करा रही होती। जाहिर है कि हुकूमत इन लोगों को इस जमीन के मालिकाना हकों से लैस मानती थी तभी तो उसने सरकारी स्कूल से लेकर बैंक तक खुलवाये और इन बाशिन्दों को भारत के सामान्य नागरिकों की तरह सारी सुविधाएं दीं। इनमें से बहुत से नागरिकों ने जमीन नीलामी में खरीदी है और बहुतों के पास जमीनी पट्टे हैं। क्या ये सारी कार्रवाई अवैध तरीके से हुकूमत की नाक के नीचे की गई? अगर यह रेलवे की जमीन थी तो यह विभाग अपने सामने ही पिछले साठ सालों से अपनी जमीन पर कब्जा होते कैसे देखता रहा और वहां उसने पक्के मकान बन जाने दिये। मगर सबसे ऊपर सवाल यह है कि भारत में क्या गरीबों को अपने घ्सिर पर पक्की छत डालने का हक है या नहीं? भारत का संविधान कहता है कि प्रत्येक नागरिक को रहने-बसने का अधिकार है और यदि किसी कारणवश किसी रिहायशी इलाके के लोगों को कानूनी तौर पर वहां से उठाया जाता है तो उनके पुनर्वास की व्यवस्था करना भी सरकार का दायित्व है। इस सन्दर्भ में सर्वोच्च न्यायालय के ही कई पिछले आदेश हैं जिनका सरकार को पालन करना पड़ा है। अत: बहुत स्पष्ट है कि नैनीताल उच्च न्यायालय का फैसला सर्वोच्च न्यायालय को न्यायोचित नहीं लगा और उसने उसके खिलाफ स्थगन आदेश देते हुए रेलवे विभाग व सरकार को निर्देश दिया कि वह हल्द्वानी के पचास हजार लोगों के लिए पहले व्यावहारिक पुनर्वास योजना तैयार करें और उसके बाद जमीन खाली कराने के बारे में सोचे। पूरे मामले का एक और व्यावहारिक पक्ष यह है कि भारत में जिस तेजी से आबादी बढ़ रही है उसे देखते हुए प्रत्येक परिवार के लिए घर की व्यवस्था करना भी लोक कल्याणकारी सरकार का दायित्व हो जाता है। बेशक सम्पत्ति का अधिकार संवैधानिक अधिकार है, मगर जन कल्याण के लिए जमीन अधिग्रहित करना भी सरकार के अधिकार क्षेत्र में आता है। सरकारी विकास परियोजनाओं के लिए जब सरकार जमीन अधिग्रहण करती है तो वहां बसे लोगों के पुनर्वास की जिम्मेदारी भी उसकी होती है। जो लोग पीढ़ियों से किसी जमीन पर बसे होते हैं उनके कुछ वाजिब हक भी उस इलाके पर हो जाते हैं। भारत के संविधान की सबसे बड़ी खूबी भी यही है कि इसके हर प्रावधान में मानवीय पक्ष को प्रमुख रखा गया है, वरना क्या जरूरत थी सर्वोच्च न्यायालय को कि वह निर्देश देता कि पहले हल्द्वानी के पचास हजार लोगों को दूसरी जगह बसाने की कोई स्कीम तो सामने लाओ उसके बाद आगे की बात सोचो? भारत केवल कोठी-बंगले और बड़े-बड़े आलीशान मकानों का देश ही नहीं है बल्कि यहां आज भी 80 प्रतिशत लोग घरौंदों में ही रहते हैं। इनके घरौंदों को उजाड़ कर सम्पन्न भारत का सपना कैसे पूरा किया जा सकता है। जिन लोगों ने जीवन भर भारी मेहनत-मशक्कत करके अपने सर के ऊपर टूटी-फूटी छत बनाई है उन्हें एक ही झटके में केवल सात दिनों के नोटिस पर बेघर किया जा सकता है? एक घर बनाने में पूरी जिन्दगी लग जाती है फिर चाहे वह घर किसी हिन्दू का हो या मुसलमान का।

मंद पड़ी वैश्विक अर्थव्यवस्था को गति प्रदान करके नया इतिहास रचेगा भारत

प्रह्लाद सबनानी

विनिर्माण क्षेत्र के साथ ही कृषि के क्षेत्र में भी अतुलनीय विकास दृष्टिगोचर है। विश्व में भारत को कृषि प्रधान देश की उपाधि दी जाती रही है और इस उपाधि की सार्थकता सिद्ध करते हुए हाल ही के समय में भारत के खाद्य उत्पादों के निर्यात में बहुत बड़ा उछाल दर्ज किया गया है। अभी हाल ही में अंतरराष्ट्रीय मौद्रिक फण्ड (आईएमएफ) ने बताया है कि वर्ष 2023 में वैश्विक स्तर पर विशेष रूप से चीन, अमेरिका एवं यूरोपीयन यूनियन से प्राप्त हो रहे आर्थिक क्षेत्र से सम्बंधित संकेतों के अनुसार इन देशों सहित विश्व की एक तिहाई अर्थव्यवस्थाओं पर मंदी का असर दिखाई दे सकता है। हालांकि रूस यूक्रेन के बीच चल रहा युद्ध भी वैश्विक स्तर पर मंदी लाने में अहम भूमिका निभाता नजर आ रहा है। पिछले 40 वर्षों में पहली बार वर्ष 2022 में चीन की आर्थिक विकास दर वैश्विक स्तर पर होने वाली सम्भावित आर्थिक विकास दर के बराबर अथवा उससे भी कम रहने की संभावना व्यक्त की जा रही है। इसके अलावा, आगे आने वाले समय में कोविड संक्रमणों का एक नया दौर चीन की अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर सकता है जिसका सीधा असर वैश्विक अर्थव्यवस्था पर भी होता नजर आएगा। इसी प्रकार यूरोपीयन यूनियन देशों में कई उपाय करने का बावजूद मुद्रास्फीति नियंत्रण में नहीं आ पा रही है और इन देशों में ब्याज दरें लगातार बढ़ाई जा रही हैं जिससे मंदी की सम्भावना इन देशों में भी बढ़ गई है। हालांकि अमेरिकी अर्थव्यवस्था भी मुद्रास्फीति एवं लगातार बढ़ती ब्याज दरों के बीच अपने बुरे दौर से गुजर रही है परंतु वहां पर श्रम बाजार में अभी भी काफी मजबूती दृष्टिगोचर है जिसके कारण अमेरिका में यदि मंदी आती भी है तो वह बहुत कम समय के लिए ही होगी। इस प्रकार अमेरिका मंदी की मार से बच सकता है। रूस पहले से ही यूक्रेन युद्ध के चलते आर्थिक क्षेत्र में अपने बहुत बुरे दौर से गुजर रहा है। जापान की आर्थिक विकास दर भी बहुत अच्छी नहीं हैं। कुल मिलाकर विश्व की सबसे बड़ी 5 अर्थव्यवस्थाओं में भारत ही एकमात्र एक ऐसी अर्थव्यवस्था है जो आर्थिक विकास दर के मामले में संतोषजनक प्रगति करता नजर आ रहा है।अब वैश्विक स्तर पर विभिन्न वित्तीय संस्थानों (विश्व बैंक, आईएमएफ यूरोपीयन यूनियन, एशियाई विकास बैंक, आदि) द्वारा लगातार यह कहा जा रहा है कि पूरे विश्व में इस समय सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में केवल भारत ही एक चमकते सितारे के रूप में दिखाई दे रहा है। अब यहां प्रशन्न उठता है कि क्या वर्ष 2023 में भारत वैश्विक स्तर पर अन्य देशों की अर्थव्यवस्थाओं को मजबूत सहारा दे सकता है। इसका उत्तर सकारात्मक रूप में ही मिलता नजर आ रहा है। क्योंकि अभी हाल ही में देखा गया है कि न केवल वित्तीय संस्थानों बल्कि विदेशी निवेशकों एवं विदेशों में रह रहे भारतीय मूल के नागरिकों का भारतीय अर्थव्यवस्था पर विश्वास लगातार बना हुआ है। वित्त वर्ष 2022-23 के दिसम्बर 2022 माह में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने भारतीय शेयर बाजारों में 11,119 करोड़ रुपए का निवेश किया है। दुनिया के कुछ हिस्सों में कोविड संक्रमण के बावजूद यह लगातार दूसरा महीना है, जिसमें एफपीआई ने भारत के पूंजी बाजार में अपना निवेश किया है। नवम्बर 2022 माह में भी एफपीआई द्वारा 36,239 करोड़ रुपए का भारतीय पूंजी बाजार में निवेश किया गया था। इसी प्रकार, हाल ही में वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार भारत में किए जा रहे प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के मामले में अब तक का सबसे बड़ा कीर्तिमान बना है। भारत ने वित्त वर्ष 2021-22 में 8,357 करोड़ अमेरिकी डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश प्राप्त किया है, जो अब तक किसी भी वित्त वर्ष में सबसे अधिक है। वहीं, वित्त वर्ष 2020-21 में विदेशी प्रत्यक्ष विदेशी निवेश 8,197 करोड़ अमेरिकी डॉलर का रहा था। पिछले 4 वित्तीय वर्षों में भारत ने 30,100 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश प्राप्त किया है। इसी क्रम में अभी हाल ही में विश्व बैंक ने एक प्रतिवेदन जारी कर बताया है कि विदेशों में रह रहे भारतीयों द्वारा वर्ष 2022 में 10,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि का विप्रेषण भारत में किए जाने की सम्भावना है जो पिछले वर्ष 2021 में किए गए 8,940 करोड़ अमेरिकी डॉलर के विप्रेषण की तुलना में 12 प्रतिशत अधिक है। पूरे विश्व में विभिन्न देशों द्वारा विप्रेषण के माध्यम से प्राप्त की जा रही राशि की सूची में भारत का प्रथम स्थान बना हुआ है। पूरे विश्व में भारत की साख लगातार बढ़ती जा रही है इससे दूसरे देशों का भी भारत पर विश्वास बढ़ रहा है और फिर भारत ने भी विशेष रूप से आर्थिक क्षेत्र के विभिन्न क्षेत्रों में प्रगति दर्शा कर यह सिद्ध किया है कि विदेशी निवेशकों का भारतीय अर्थव्यवस्था पर विश्वास अकारण नहीं है। भारत के विनिर्माण क्षेत्र का पीएमआई दिसम्बर 2022 माह में 13 महीनों के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। यह देश के विनिर्माण क्षेत्र की ताकत को दर्शाता है। नए व्यापार के बढ़ने और मजबूत मांग से भारत के विनिर्माण क्षेत्र को सहारा मिल रहा है। एसएंडपी ग्लोबल इंडिया के मैन्युफैक्चरिंग परचेसिंग इंडेक्स के सर्वे के अनुसार, भारत में दिसम्बर 2022 माह में पीएमआई 57.8 अंक रहा है, जो कि नवम्बर 2022 माह में 55.7 अंक रहा था। इसके साथ ही सर्वे में यह भी बताया गया है कि पिछले दो वर्षों के दौरान भारत में व्यापार करने का माहौल काफी बेहतर हुआ है। भारत के 8 मूलभूत उद्योगों (सीमेंट, कोयला एवं स्टील सहित) में भी नवम्बर 2022 माह में 5.4 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की गई है जो कि नवम्बर 2021 के दौरान 3.2 प्रतिशत की रही थी। विनिर्माण क्षेत्र के साथ ही कृषि के क्षेत्र में भी अतुलनीय विकास दृष्टिगोचर है। विश्व में भारत को कृषि प्रधान देश की उपाधि दी जाती रही है और इस उपाधि की सार्थकता सिद्ध करते हुए हाल ही के समय में भारत के खाद्य उत्पादों के निर्यात में बहुत बड़ा उछाल दर्ज किया गया है। वाणिज्य मंत्रालय द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार, भारत से गेहूं के निर्यात में 29.29 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। भारत से गेहूं का निर्यात वित्तीय वर्ष 2022-23 में नवम्बर 2022 माह की अवधि तक 150 करोड़ अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया है। जो वित्तीय वर्ष 2021-22 की इसी अवधि के दौरान केवल 117 करोड़ अमेरिकी डॉलर का रहा था। वहीं बासमती चावल का निर्यात भी वर्तमान वित्तीय वर्ष में अप्रेल से नवम्बर 2022 माह तक 39.26 प्रतिशत बढ़कर 287 करोड़ अमेरिकी डॉलर का हो गया है। आज भारत दनिया का दूसरा सबसे बड़ा टेलिकॉम मार्केट बन चुका है। आजादी के समय जहां भारत में केवल 82,000 फोन कनेक्शन थे, वहीं यह संख्या अब बढ़कर 117 करोड़ के पार पहुंच चुकी है। आजादी के समय भारत में औसतन 4,268 नागरिकों पर एक फोन था, आज हर घर में औसतन 4 मोबाइल फोन हैं। आज देश में 117 करोड़ से अधिक टेलीफोन उपभोक्ता हैं और 69.2 करोड़ इंटरनेट उपयोगकर्ता हैं। यह संख्या चीन के बाद पूरे विश्व में सबसे अधिक है। इंटरनेट एंड मोबाइल एसोसीएशन आफ इंडिया की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2025 तक भारत में 90 करोड़ से अधिक इंटरनेट उपयोगकर्ता हो जाएंगे।

भारत के ग्रामीण एवं दूरदराज इलाकों में लगातार बढ़ रही इंटरनेट सुविधा के चलते डिजिटल भुगतान के मामले में भी भारत दुनिया के अग्रणी देशों में शामिल हो रहा है। इसी कड़ी में दिसम्बर 2022 माह में यूपीआई के जरिए रिकार्ड 12.82 लाख करोड़ रुपए कीमत के भुगतान किए गए हैं। इस दौरान डिजिटल व्यवहारों की संख्या 782 करोड़ पर पहुंच गई है। वित्तीय सेवा विभाग (डिपार्टमेंट आफफायनांशियल सर्विसेज) द्वारा उक्त जानकारी अभी हाल ही में जारी की गई है। नवम्बर 2022 माह में यूपीआई माध्यम से 730.9 करोड़ लेनदेन हुए थे और इनकी कीमत 11.90 लाख करोड़ रुपए की रही थी। भारत में अधिक से अधिक भुगतान के व्यवहार डिजिटल माध्यम से होने के कारण अब वित्तीय क्षेत्र की उत्पादकता में अतुलनीय सुधार हुआ है। साथ ही, डिजिटल माध्यम से बढ़ते लेनदेन के कारण आगे आने वाले समय में देश में भ्रष्टाचार एवं रिश्वतखोरी के मामलों में भी कमी आती हुई दिखाई देगी। इसके परिणामस्वरूप देश में होने वाली आय की रिसन में भी कमी आती दिखाई देगी और इसका सीधा सीधा लाभ देश के गरीब वर्ग को होता दिखाई देगा। आय में होने वाली रिसन का सबसे बड़ा नुक्सान गरीब तबके के नागरिकों को ही होता है। इस प्रकार अब भारतीय अर्थव्यवस्था में केवल परिमाणात्मक ही नहीं बल्कि गुणात्मक परिवर्तन भी स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगे हैं, जिसके चलते यह कहा जा सकता है कि भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था को संभालने की ओर भी अपने कदम धीरे-धीरे बढ़ा रहा है।

बीजेपी ने जैसे गुजरात में रिकॉर्ड बनाया, उसी तरह 2024 के चुनाव में यूपी में जीत का रिकॉर्ड बनाने की तैयारी

अजय कुमार

उत्तर प्रदेश में बीजेपी लोकसभा चुनाव की तैयारी को लेकर पूरी तरह एक्टिव हो गई है। अब बीजेपी के लिए खुद गृह मंत्री अमित शाह ने पार्टी की कमान संभाल ली है। यूपी बीजेपी में मंथन के लिए शाह के मोर्चा संभालते ही बीजेपी कार्यकर्ताओं में नये जोश का संचार हो गया है। भारतीय जनता पार्टी के कद्दावर नेता और गृह मंत्री अमित शाह किसी पहचान के मोहताज नहीं हैं। शाह लम्बे समय से मोदी के रणनीतिकार और विश्वास पात्र बने हुए हैं। मोदी के गुजरात के मुख्यमंत्री बनने से लेकर देश के प्रधानमंत्री बनने तक के सफर में अमित शाह के योगदान को नहीं भुलाया जा सकता है। 2014 में जब भारतीय जनता पार्टी ने प्रधानमंत्री पद के दावेदार के तौर पर नरेन्द्र मोदी के नाम पर मुहर लगाई तो मोदी ने सबसे पहले देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश की जिम्मेदारी अमित शाह पर डाली। 2014 के आम चुनाव में अमित शाह को उत्तर प्रदेश का प्रभारी बनाकर यूपी भेजा गया। अमित शाह ने ऐसी गोटियां बिछाईं कि विपक्ष चारों खाने चित हो गया। फिर आया 2019 का आम चुनाव। उस समय अमित शाह भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष थे। वैसे तो अमित शाह का राष्ट्रीय अध्यक्ष का कार्यकाल जुलाई 2018 में समाप्त हो रहा था, परंतु आम चुनाव की वजह से उनका कार्यकाल एक वर्ष के लिए बढ़ा दिया गया था। 2019 के आम चुनाव में भी बीजेपी ने शानदार प्रदर्शन किया, हाँ कुछ सीटें जरूर कम हुई थीं, लेकिन इतनी भी नहीं कि मोदी पीएम नहीं बन पाते। इस बीच 2017 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में भी अमित शाह की रणनीति के चलते भारतीय जनता पार्टी की सरकार बन पाई थी। 2022 का यूपी विधानसभा चुनाव भले ही बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के नेतृत्व में लड़ा गया था, लेकिन इन चुनावों में भी मोदी और अमित शाह ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। राजनीति के जानकार अमित शाह को राजनीति का चाणक्य बताने लगे थे। बहरहाल, 2022 के विधानसभा चुनाव के बाद अमित शाह की यूपी से दूरी बढ़-सी गई। उनका यहां आना कम हो गया, लेकिन जैसे ही 2024 लोकसभा चुनाव की आहट सुनाई दी, अमित शाह को एक बार फिर यूपी की जिम्मेदारी सौंप दी गई है। भले ही औपचारिक रूप से इसकी घोषणा नहीं हुई हो, शाह को कोई पद नहीं दिया गया हो, लेकिन 2024 के आम चुनाव में भी अमित शाह यूपी के लिए सियासी बिसात बिछाते नजर आएंगे। यूपी में लोकसभा की 80 सीटें हैं, यूपी के बारे में कहा जाता है कि यहीं से दिल्ली की सत्ता का रास्ता जाता है। यह कहना गलत नहीं होगा कि उत्तर प्रदेश में बीजेपी लोकसभा चुनाव 2024 की तैयारी को लेकर पूरी तरह एक्टिव हो गई है। अब बीजेपी के लिए खुद गृह मंत्री अमित शाह ने पार्टी की कमान संभाल ली है। यूपी बीजेपी में मंथन के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के स्वयं मोर्चा संभालते ही बीजेपी कार्यकर्ताओं में नये जोश का संचार हो गया है। शाह जीत के लिए रणनीति बनाते समय लोकसभा की हारी सीटों की स्वयं समीक्षा करेंगे। इसके लिए पूर्वांचल से लेकर पश्चिमी यूपी तक लिस्ट तैयार हो चुकी है। यूपी में सीधे गृह मंत्री अमित शाह के आने की खास वजह है। राजनीति के जानकारों के अनुसार केंद्र की सत्ता का रास्ता उत्तर प्रदेश से होकर ही जाता है। बीते दो लोकसभा चुनाव 2014 और 2019 में पार्टी ने इस राज्य में शानदार प्रदर्शन किया। तब 2014 और 2019 में दिल्ली में बीजेपी की सरकार बन पाई थी। 2014 में बीजेपी गठबंधन ने राज्य में 73 और 2019 में 64 सीटों पर जीत दर्ज की थी, लेकिन जब 2022 में यूपी विधानसभा चुनाव हुआ तो 2019 में जीती गईं लोकसभा की कुछ सीटों के अंतर्गत आने वाली विधानसभा सीटों पर बीजेपी को हार का समना करना पड़ था। ऐसी हारी हई विधानसीटों की एक लिस्ट तैयार करके पार्टी आलाकमान को भेजी गई है। इस लिस्ट में बीजेपी ने उन सीटों को प्राथमिकता के तौर पर रखा जहां जीतना मुश्किल होगा या अभी ये सीट विपक्षी दलों के कब्जे में है। ऐसी कुछ हारी सीटों पर गृह मंत्री अमित शाह पहुंचकर खुद यहां तैयारियों की समीक्षा करेंगे। सूत्रों के अनुसार 16 जनवरी को अमित शाह अंबेडकरनगर और बलरामपुर में रहेंगे। वहां वह दोनों ही लोकसभा सीटों की तैयारियों की समीक्षा करेंगे। पूर्वांचल के बाद गृह मंत्री अमित शाह पश्चिम में भी मंथन करेंगे। सूत्रों के अनुसार 17 जनवरी को अमित शाह सहारनपुर और बिजनौर का दौरा करेंगे। ध्यान देने वाली बात ये है कि यह चारों ही सीट विपक्ष के कब्जे में है। अमित शाह की बैठकों के साथ ही इन सीटों पर कुछ जनसभाओं की भी तैयारी हो रही है। लोकसभा और विधानसभा उपचुनाव के बाद अमित शाह का यह पहला यूपी दौरा होगा। दरअसल उत्तर प्रदेश में भाजपा को मजबूत करने के लिए अमित शाह ने 2013 में जब से जिम्मेदारी संभाली है, तबसे पार्टी का ग्राफ लगातार बढ़ता जा रहा है। यही वजह है कि अमित शाह उन सभी सीटों पर सियासी समीकरणों को दुरुस्त करने के लिए उत्तर प्रदेश के दौरे पर पहुंचने वाले हैं ताकि आने वाले चुनावों में कोई कमी ना रहे। भाजपा से जुड़े वरिष्ठ नेताओं के मुताबिक इस बार उत्तर प्रदेश में पार्टी लोकसभा के चुनावों में अपना सारा रिकॉर्ड तोड़ कर सबसे ज्यादा सीटों को जीतने का लक्ष्य रखे हुए हैं। यही वजह है कि भाजपा आने वाले चुनावों से पहले सियासी जमीन को हर स्तर पर न सिर्फ मजबूत कर रही है, बल्कि उन सभी कमजोर पहलुओं को भी दुरुस्त कर चुनावी समीकरणों से सब कुछ बेहतर करने की योजना बना रही है। पार्टी से जुड़े सूत्रों का कहना है कि अमित शाह के उत्तर प्रदेश दौरे के बाद भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा भी प्रदेश का दौरा करने वाले हैं। इसके अलावा कई केंद्रीय मंत्रियों को भी अब लगातार उत्तर प्रदेश के अलग-अलग इलाकों में और क्षेत्रों में मंत्रालय की योजनाओं को देखने, समझने और जनता को सौंपने के लिए जाने का कार्यक्रम बनाया जा रहा है। पार्टी से जुड़े वरिष्ठ नेताओं का कहना है कि पार्टी 2024 में होने वाले लोकसभा चुनावों के मद्देनजर अपनी सभी तैयारियों के लिहाज से पूरी तरीके से सक्रिय है। इसके अलावा पार्टी कार्यकर्ताओं का एक बड़ा सम्मेलन अलग-अलग क्षेत्रों में भी किया जाना है। इन सम्मेलनों में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को भी शिरकत करनी है।

प्रदेश के मुख्य सचिव द्वारा उत्तर प्रदेश दिवस मनाये जाने हेतु वीडियों कांफ्रेसिंग के माध्यम से दिये आवश्यक दिशा निर्देश

एन0आई0सी0 मीरजापुर में मण्डलायुक्त, जिलाधिकारी व मुख्य विकास अधिकारी रहे उपस्थित

संवाददाता

मीरजापुर । प्रदेश के मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने आज लखनऊ वीडियों कांफ्रेसिंग के माध्यम से प्रदेश के सभी मण्डलायुक्त, जिलाधिकारी की बैठक कर आगमी 24 जनवरी 2023 को उत्तर प्रदेश दिवस मनाये जाने के सम्बन्ध में आवश्यक दिशा निर्देश दिया। एन0आई0सी0 मीरजापुर में मण्डलायुक्त डॉ0 मुथुकुमार स्वामी बी0, जिलाधिकारी दिव्या मित्तल, मुख्य विकास अधिकारी श्रीलक्ष्मी वीएस, अपर जिलाधिकरी वि0भ्रा0 शिव प्रताप शुक्ल, जिला सूचना अधिकारी ओम प्रकाश उपाध्याय, पर्यटन अधिकारी नवीन कुमार उपस्थित रहें। मुख्य सचिव ने वीडियों कांफ्रेसिंग के माध्यम से कहा कि विगत वर्षो की भांति इस वर्ष भी सभी जनपदों में उत्तर प्रदेश दिवस कराया जाना है। इस अवसर पर उन्होने कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव के थीम पर जनपद स्तरीय कार्यक्रमो का निर्धारण मण्डलायुक्त व जिलाधिकारी द्वारा करते हुये कार्यक्रमों में वन्दे मातरम का गायन पुलिस बैण्ड द्वारा राष्ट्र धुन आदि भी सम्मिलत किया जायेगा। उन्होने कहा कि प्रदेश व जनपद के आयोजित कार्यक्रम स्थलों पर गौरव शाली इतिहास एवं स्वतंत्रता आन्दोलन से जुड़े स्वतत्रंता संग्राम में जनपद का योगदान शहीद स्मारको एवं स्थलों पर आधारित अभिलेख एवं चित्र प्रदर्शनियों का आयोजन किया जायेगा। स्थानीय बोली भाषा में

आजादी से जुड़े लोकगीतो का गायन, आजादी की गाथाओं पर आधारित नाटक या नृत्य नाटिकाओं तथा समृद्धशाली संस्कृति को प्रदर्शित करने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी कराया जाय। कार्यक्रम के अन्तर्गत जनपद के शहीद स्मारकों/पर्यटन स्थलों पर आधारित फोटोग्राफी एवं पेटिंग प्रतियोगिताए, युवा वर्ग की भागादारी से आयोजित किये जाये। इस अवसर पर प्रगतिशील कृषकों, खिलाड़ियों, विभिन्न योजनाओं के तहत टूल किट वितरण की योजनाओं से सम्बन्धित पात्र व्यक्तियों में लाभान्वित किये जाने से सम्बन्धित प्रमाण पत्र वितरण भी सुनिश्चित किया जाय। उक्त आयोजन के तहत ओ0डी0ओ0पी0, खादी ग्रामोद्योग कृषि विभाग, उद्योग विभाग, सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग, पर्यटन विभाग, पंचायती राज विभाग, शिक्षा, ग्राम्य विकास, समाज कल्याण सहित अन्य विकास परक विभागों द्वारा प्रदर्शनी का आयोजन कर योजनओं के बारे में लोगो को जन जागरूक किया जाय। उन्होने कहा कि जिलाधिकारी विभागों की बैठक अपने स्तर से करते हुये वृहद आयोजन सुनिश्चित करें।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की बैठक सम्पन्न

संवाददाता

मीरजापुर । जिलाधिकारी दिव्या मित्तल की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना 2022-23 के प्रगति के बारे में कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक कर जानकारी ली गयी। जिलाधिकारी ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनान्तर्गत समय से प्रीमियम का प्रेषण एवं डाटा अपलोड किए जाने का निर्देश दिया। कतिपय बैंको की फीडिंग कम होने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त करते हुये फीडिंग कराने का निर्देश दिया। बैठक में वित्तीय समावेशन योजना, बैंकों और राज्य सरकार द्वारा 'क्रेडिट प्लस' क्रियाकलापों के प्रति आरसेटी जैसी प्रशिक्षण संस्थान द्वारा की गई गतिविधि की निगरानी, वित्तीय समावेशन को प्राप्त करने के लिए वित्तीय साक्षरता का प्रयास, ऋण जमा अनुपात में अपेक्षित वृद्धि, वार्षिक ऋण योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के पात्र किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड से संतृप्त करना, किसानों की आय को दोगुना करना आदि बिंदुओं के विभिन्न आयामों पर गहनता से विचार-विमर्श किया गया।

छात्र-छात्राओं को दहशत के माहौल से बहार निकालने के लिए प्रधानमंत्री ने लिखी एग्जाम वॉरियर्स नामक पुस्तक

संवाददाता

शाहजहाँपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चर्चित मिशन परीक्षा पे चर्चा को उत्सव का माहौल देने के लिए योजना बनाई गई है। इस संबंध में राज्यसभा सांसद मिथिलेश कुमार ने योजना के तहत होने वाली प्रतियोगिता एवं प्रधानमंत्री के छात्रोपयोगी (बोर्ड परीक्षा में शामिल होने वाले परीक्षार्थियों) कार्यक्रम परीक्षा पे चर्चा के बारे में बताया। राज्यसभा सांसद मिथिलेश कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने वर्ष 2018 में परीक्षा पे चर्चा नामक कार्यक्रम शुरू किया था, जिसका इस वर्ष छठा आयोजन होगा। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बोर्ड परीक्षा में शामिल होने वाले छात्र-छात्राओं के डर को समाप्त कर उन्हें तनावमुक्त रखना है, ताकि सभी विद्यार्थी पूरे आत्मविश्वास एवं मन के साथ परीक्षा में शामिल हों सकें और बोर्ड परीक्षा को एक उत्सव की नजर से देखें। छात्र-छात्राओं को दहशत के माहौल से बहार निकालने के लिए प्रधानमंत्री ने एग्जाम वॉरियर्स नामक पुस्तक भी लिखी है, जिसमें परीक्षार्थियों के लिए महत्वपूर्ण 28 मंत्र है, साथ ही अभिभावकों के लिए भी छह सुझाव हैं। उन्होंने बताया कि एग्जाम वॉरियर्स नामक पुस्तक परीक्षा से पहले छात्र- छात्राओं को उपलब्ध कराई जाएगी। राज्यसभा सांसद ने बताया कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के निर्देशानुसार इस बार परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम से पहले 14 जनवरी को पुवायां स्थित कैंब्रिज स्कूल में आर्ट एंड पेंटिंग प्रतियोगिता भी कराई जाएगी। प्रतियोगिता में कक्षा नौ से बारह तक विद्यार्थी शामिल किए जाएंगे। जबकि परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम में 27 जनवरी को पूर्वाह 11 बजे से सीधे प्रसारित की जाएगा। कार्यक्रम दिखाने के लिए स्कूल-कॉलेजों में बड़ी स्क्रीन की व्यवस्था की जाएगी। संबंधित कार्यक्रमों में लोकसभा और राज्यसभा सांसद समेत जनप्रतिनिधि, शिक्षक, समाज के प्रबुद्धजन शामिल रहेंगे। प्रतियोगिता कुल ढाई घंटे की होगी, जिसमें एक घंटा प्रतियोगिता के लिए, एक घंटा चयन और आधा घंटा पुरस्कार वितरण के लिए निर्धारित है। प्रथम तीन विजेताओं को प्रमाण पत्र और स्मृति चिन्ह, सर्वश्रेष्ठ 10 और 25 प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र दिए जाएंगे।

सीडीओ ने स्थाई गौशाला का निरिक्षण किया

संवाददाता

सिद्धार्थनगर। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा विकास खण्ड-बर्डपुर के ग्राम पंचायत बर्डपुर न0 7 के टोला विशुनपुर में संचालित अस्थायी गोवंश आश्रय स्थल का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय सुरेश कुमार, खण्ड विकास अधिकारी, बर्डपुर, केशभान, ग्राम सचिव एवम ग्राम प्रधान प्रतिनिधि, केयर टेकर सहित ग्रामवासी उपस्थित रहे स खण्ड विकास अधिकारी द्वारा बताया गया कि वर्तमान में 50 गोवंश संरक्षित है। जिसमें एक पशु बीमार है, निर्देशित किया गया कि नियमित पशु चिकित्सक गौशाला का भ्रमण करे व पशुओं का स्वास्थ परिक्षण करे स गोवंश के लिए पर्याप्त भूसा नही था तथा भूसा घर भी खाली था स

खण्ड विकास अधिकारी बताया गया कि अभी 50 कुंतल भूसा लिया गया है, जिसे ग्राम के रखा गया है स अत्याधिक ठंड के कारण भूसा घर खाली कराकर गोवंश रहने के लिए उपयोग किया जा रहा है, इसलिए भूसा घर खाली किया गया स गौशाला में भूसा न उपलब्ध होने के सम्बन्ध में रोष व्याप्त करते हुए सचिव को नोटिस जारी करने के निर्देश किया गया स खण्ड विकास अधिकारी को निर्देशित किया गया कि कम से कम 3 या 4 दिन का भूसा चारा गौशाला में रखा जाए स गोवश के लिए हरा चारा की व्यवस्था करने के निर्देश दिये गये। गौशाला में ठड़ से बचाव के लिए तिरपाल का प्रबन्ध किया गया है एक स्थान पर अलाव की व्यवस्था कराया गया है स अलाव की संख्या और बढ़ाने की निर्देश दिया गया स परिसर में एक गड्ढे में एकत्र गोबर को कम्पोस्ट पिट में डालने के निर्देश दिया गया स खण्ड विकास अधिकारी को निर्देशित किया गया कि नियमित रूप से भ्रमण करें एवम तिरपाल, अलाव का प्रबंध करें ।

अपर जिलाधिकारी ने धान क्रय केंद्रों का किया निरीक्षण

संवाददाता

मीरजापुर । जिलाधिकारी दिव्या मित्तल के निर्देश के अनुपालन में अपर जिलाधिकारी वि0भ्रा0 शिव प्रताप शुक्ल ने तहसील सदर क्षेत्रान्तर्गत धान क्रय केन्द्रों का निरीक्षण किया गया। अपर जिलाधिकार ने विपणन शाखा सदर प्रथम, द्वितीय, तृतीय- निरीक्षण के समय प्रथम व द्वितीय केन्द्र प्रभारी श्री सुरेन्द्र पाल व तृतीय केन्द्र के प्रभारी श्री मसूद उपस्थित रहें। उक्त तीनों केन्द्रों पर खरीद हेतु 1184 किसानों द्वारा सम्पर्क किया जाना सम्पर्क रजिस्टर में अंकित पाया गया। विपणन शाखा के प्रथम केन्द्र पर 274 किसानो से 15935.60 क्विंटल धान की खरीद के सापेक्ष 15144.40 क्विंटल धान का प्रेषण मिल को किया गया है तथा 200 किसानों को भुगतान किया गया है। इसी प्रकार विपणन शाखा के द्वितीय केन्द्र पर 226 किसानो से 14182.00 क्विंटल धान की खरीद के सापेक्ष 13892.00 क्विंटल धान का प्रेषण मिल को किया गया है तथा 156 किसानों को भुगतान किया गया है। विपणन शाखा के तृतीय केन्द्र पर 190 किसानो से 10791.20 क्विंटल धान की खरीद के सापेक्ष 10760.00 क्विंटल धान का प्रेषण मिल को किया गया है तथा 135 किसानों को भुगतान किया गया है। एफ0सी0आई0 केन्द्र मण्डी समिति- निरीक्षण के समय केन्द्र प्रभारी उपस्थित रहें। इस केन्द्र पर 647 किसानों द्वारा धान विक्रय हेतु सम्पर्क रजिस्टर पर अंकित है। केन्द्र पर 234 किसानो से 1414.88 मी0टन0 धान की खरीद हुई। 226 किसानो को भुगतान भी किया गया है। 3. मण्डी

समिति केन्द्र मण्डी- निरीक्षण के समय केन्द्र प्रभारी श्री हिमांशु विश्वकर्मा उपस्थित रहें। इस केन्द्र पर 448 किसानों द्वारा धान विक्रय हेतु सम्पर्क रजिस्टर पर अंकित है। केन्द्र पर 223 किसानो से 1261. 6080 मी0टन धान की खरीद हुई। 196 किसानो को भुगतान भी किया गया है। निरीक्षण के दौरान कृषकों द्वारा शिकायत की गयी कि डस्टर खराब है, जिसका मौके पर निरीक्षण किये जाने पर डस्टर खराब पाया गया। निरीक्षण के दौरान मौके पर ही केन्द्र प्रभारी को निर्देशित किया गया कि तत्काल नये डस्टर की व्यवस्था कर धान खरीद कराना सुनिश्चित करें। निरीक्षण के दौरान केन्द्र प्रभारियों को निर्देशित किया गया है कि अवशेष धान का प्रेषण व कृषकों के भुगतान की कार्यवाही समयबद्ध कराना सुनिश्चित करें तथा टोकन के अनुसार पारदर्शी तरीके से क्रय करना सुनिश्चित करें।

उपजा जालौन नई कार्यकारणी का विधिवत हुआ गठन-ओमप्रकाश राठौर

संवाददाता

उरई (जालौन)। जालौन तहसील उपजा की नई कार्यकारिणी का गठन हुआ पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व प्रदेश उपाध्यक्ष व जिला अध्यक्ष जिला महामंत्री के नेतृत्व में कन्हयालाल विद्यालय में हुआ।तहसील अध्यक्ष राकेश प्रिजपति व महामंत्री पुष्पेंद्र यादव व कोषध्यक्ष वैभव अग्रवाल को बनाया गया। सरंक्षक मंडल। आलोक खन्ना व महेश स्वर्णकार । उपाध्यक्ष दिलीप

दोहलिया जागेश सोनी ,बीरेंद्र दुबे आशीष दुबे राम सिंह चौहान मंत्री विनय कुमार बर्मा आकाश बर्मा ,ऑडिटर विपुल दीक्षित कार्यालय प्रभारी अरविंद सोनी कार्यकारिणी सदस्य ,विवेक मिश्रा, पवन अग्रवाल, राजेन्द बाथम, रामकेश साहू, अशोक मिश्रा, सुनील श्रीवास्तव, सुभाष दुबे, राजबीर सिंह आदि बनाये गए।

टाइगर रिजर्व-वर्ष 2016 से अब तक 34 लोगों को मार चुका है बाघ, सिर्फ निगरानी तक सीमित वन विभाग

संवाददाता, पीलीभीत। टाइगर रिजर्व बनने के बाद मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाएं वर्ष 2016 से शुरू हुईं। इस साल चार ग्रामीणों को अपनी जान गंवानी पड़ी। 2017 में मानव वन्यजीव संघर्ष की घटनाओं में तेजी से बढ़ोतरी हुई। 2017 में एक साल में 16 लोग बाघ के हमलों का शिकार हुए। पीलीभीत टाइगर रिजर्व (पीटीआर) का दर्जा मिलने के बाद मानव वन्यजीव संघर्ष में अब तक 34 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। नए साल के अभी आठ दिन ही बीते थे कि जंगल के बाहर न्यूरिया क्षेत्र में राजमिस्त्री को बाघ ने मार डाला। इससे पहले 2021 में दियोरिया के जंगल में बाइक सवार दो लोगों को बाघ ने मार डाला था। तीसरे साथी ने रात में पेड़ पर चढ़कर अपनी जान बचाई थी। जनपद के जंगल को जून 2014 में टाइगर रिजर्व का दर्जा मिला था। पीटीआर की स्थापना के बाद बाघों के जंगलों से बाहर न निकलने के लिए कोई काम नहीं सुरक्षा में जुट गए। नतीजा यह हुआ कि बाघों की संख्या तेजी से बढ़ती गई और उनके रहने के लिए जंगल कम पड़ता गया। पीटीआर बनने के बाद मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाएं वर्ष 2016 से शुरू हुईं। इस साल चार ग्रामीणों को अपनी जान गंवानी पड़ी। 2017 में मानव वन्यजीव संघर्ष की घटनाओं में तेजी विभाग ने माना बाघ के हमलों में खासी कमी आई है। 2020 में सात ग्रामीणों की गई जान विशेषज्ञों ने यहां तक कहना शुरू कर दिया था कि बाघों का स्वभाव इंसानों के प्रति मित्रवत होने लगा है। इसके बाद विभाग के साथ डब्ल्यूडब्ल्यूएफऔर डब्ल्यूटीआई की टीम गांव-गांव लोगों को जागरूक नतीजतन, रविवार को न्यूरिया के गांव टंडोला विजेसी निवासी गोकुल मलिक को बाघ ने शिकार कर लिया।

नेहरू युवा केंद्र संगठन द्वारा आयोजित की गयी खेलकूद प्रतियोगिता

संवाददाता

उरई (जालौन)। नेहरू युवा केंद्र संगठन मुख्यालय एवम युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के निर्देशन में नेहरू युवा केंद्र द्वारा जनपद के विभिन्न ब्लॉकों में दो दिवसीय ब्लॉक स्तरीय खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही है जिसमें नदीगांव ब्लॉक के रूरा सिरसा गांव में प्रशांत अवस्थी के नेतृत्व में विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गई जिसमे वॉलीबॉल खो खो रस्साकशी तथा एथलेटिक्स की विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गई कार्यक्रम का संचालन शिव प्रताप सिंह द्वारा किया गया कार्यक्रम में रेफरी के रूप में विजय दीक्षित अर्जुन सिंह दीपेश बबलू सुशांत अवस्थी विपिन याज्ञिक रामनरेश सिंह आदि उपस्थित रहे एवं खेल प्रतियोगिता में 400 मीटर दौड़ में अमित सिंह, 100 मीटर दौड़ में यशस्वी तोमर प्रथम स्थान प्राप्त किया वॉलीबॉल में प्रथम स्थान गोपाल सिंह की टीम को मिला तथा रस्सा कशी में अंशिका अवस्थी की टीम प्रथम रही इसके अतिरिक्त

खो-खो में कुमारी एकता सिंह की टीम प्रथम रही इसके अतिरिक्त ब्लाक जालौन कि खेल प्रतियोगिताएं शिवम राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक के नेतृत्व में रूरा मल्लू में आयोजित की जा रही है तथा ब्लॉक कदौरा की खेल प्रतियोगिताएं सौम्या सिंह के नेतृत्व में इमलिया बुजुर्ग में आयोजित की जा रही हैं इस अवसर पर जिला युवा अधिकारी रवि दत्त दीक्षित द्वारा बताया गया की ग्राम स्तर पर युवाओं को खेलों के बारे में प्रोत्साहित करने तथा सहयोग की भावना विकसित करने हेतु ब्लॉक स्तर पर खेलों का आयोजन किया जा रहा है तथा ब्लॉक स्तर पर विजेता प्रतिभागियों तथा टीमों को जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने का अवसर दिया जाएगा ।

विकास खंड कार्यालय पर पूरे जिले के ग्राम पंचायत सचिवों ने धरना दिया

संवाददाता

पूरनपुर ग्राम पंचायत टांडा में अपात्रों को प्रधानमंत्री आवास मुहैया कराने की भनक लगने पर तीन सदस्यीय कमेटी का गठन किया था। कमेटी सदस्यों ने बृहस्पतिवार को ग्राम पंचायत जाकर जांच की और पात्रों की सूची तैयार की। आरोप है कि शुक्रवार को प्रधान के पति ने अपने चहेतों के नाम आवास सूची में शामिल न होने से क्षुब्ध होकर पंचायत सचिव राहुल कन्नौजिया को मोबाइल पर गालियां दी और धमकाया। पूरनपुर। ग्राम पंचायत सचिव से गालीगलौज कर अभद्रता और धमकाने के मामले में घुंघचाई पुलिस ने आरोपी प्रधान के पति के खिलाफरिपोर्ट दर्ज कर ली है। इधर, ग्राम पंचायत सचिवों ने प्रधान के पति की गिरफ्तारी न होने पर शनिवार से बेमियादी हड़ताल शुरू कर दी है। साथ ही सभी ब्लॉक मुख्यालयों पर प्रदर्शन शुरू करने की चेतावनी

दी है। ग्राम पंचायत सचिव ने इसकी शिकायत खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) से की और प्रधान के पति की रिकार्डिंग सुनवाई। घुंघचाई पुलिस ने ग्राम पंचायत सचिव राहुल कन्नौजिया की ओर से प्रधान के पति धर्मपाल वर्मा के खिलाफलोकसेवक

वहीं, ग्राम पंचायत सचिवों ने प्रधान के पति की गिरफ्तारी न होने के विरोध में बेमियादी हड़ताल कर ब्लॉक मुख्यालय के गेट पर प्रदर्शन शुरू किया। ग्राम पंचायत, ग्राम विकास समन्वय समिति के जिला मंत्री अवनीश कुमार, ग्राम विकास अधिकारी संगठन के जिला मंत्री सुधीर कुमार ने बताया कि पुलिस ने ग्राम पंचायत सचिव के तहरीर देने के बाद रिपोर्ट दर्ज की है घूम के आई थाने के इंस्पेक्टर ने कहा है जो तहरीर दी गई है उसी पर मुकदमा लिखा गया है घुघचिहाई थाने के इंस्पेक्टर ने कहा जो भी सरकारी दस्तावेज खा ले गए हैं वह चीज हमें दिखाएं जो मारपीट हुई है उसकी डॉक्टरी कराएं जो भी धाराएं बनेगी वह धाराएं लगाने के लिए हम तैयार हैं आज धरना प्रदर्शन करने वाले ग्राम पंचायत सचिव पूरन सिंह राणा हरेंद्र गंगवार विजय गंगवार राजीव सक्सेन राहुल पुष्कर आज कई दर्जन पूरे जिले के ग्राम पंचायत सचिव मौजूद रहे

संक्षिप्त समाचार

14 जनवरी 2023 को जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय द्वारा सैन्य सम्मेलन का किया जायेगा आयोजन

संवाददाता, मीरजापुर। जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी कैप्टन(नेवी)आर0आर0सिन्हा(अ0प्रा0) ने एक विज्ञप्ति के माध्यम से जानकारी देते हुये बताया कि समस्त भूतपूर्व सैनिकों, भूतपूर्व सैनिक आश्रितों एवं वीर नारियों को आदरपूर्वक सूचित किया जाता है कि दिनांक: 14 जनवरी, 2023 को जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय, मीरजापुर के परिसर में स्थानीय स्टेशन हेडक्वार्टर, 39 जी0टी0सी0, वाराणसी द्वारा सैन्य सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है जिसमे भारत के विभिन्न अभिलेख कार्यालयों तथा सी0डी0ए0 के प्रतिनिधि के आने की संभावना है। अत: भूतपूर्व सैनिकों से विनम्र निवेदन है कि यदि आपकी कोई समस्या हो तो लिखित आवेदन के साथ अपना सर्विस अभिलेख जैसे पी0पी0ओ0, सेवा पुस्तिका, आधार कार्ड, पैन कार्ड, पार्ट 2 आर्डर की ओरिजिनल इत्यादि साथ लायें। इस समारोह में समस्त वीर नारियों एवं 80 वर्ष के ऊपर समस्त पूर्व सैनिकों का सम्मान किया जायेगा। अत: आप सभी से विनम्र आदरपूर्वक निवेदन है कि ज्यादा से ज्यादा लोग उपस्थित होकर सैन्य सम्मेलन का लाभ उठायें।

सड़क सुरक्षा माह के तहत रोडवेज पर लगाया गया आई कैंप

संवाददाता, शाहजहाँपुर। सरकार द्वारा चलाए जा रहे सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत रोडवेज बस अड्डे पर आरटीओ विभाग ने आंख जांच शिविर लगाया जहां वाहन चालकों की आंखों की जांच की गई। सड़क सुरक्षा माह के तहत लगाए गये जांच शिविर में सैकड़ों वाहन चालकों की आंखों का चेकअप किया गया। आई कैंप में उपस्थित एआरटीओ प्रशासन एमपी सिंह ने बताया कि शासन के निर्देश पर जिले भर में चलाए जा रहे सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत रोडवेज परिसर के अंदर आंख जांच शिविर कैंप का आयोजन किया गया। उन्होंने बताया कि इस जांच शिविर में स्पेशलिस्ट डॉक्टर के द्वारा लगभग 74 वाहन चालकों की आंखों का निशुल्क परीक्षण किया गया था और उन्हें मुफ्त दवाइयां भी वितरित की गई। उन्होंने बताया कि जांच शिविर में आए सभी लोगों को यातायात के नियमों के प्रति जागरूक किया गया और उन्हें सड़क पर सुरक्षित चलने के नियमों के बारे में भी बताया गया। आरटीओ विभाग द्वारा लगाए गए इस आई कैंप में रोडवेज के एआरएम आर.एस पांडे, पीटीओ एच.एल वर्मा, ड्राइवर यूनियन के पवन कुमार, डॉ. पंकज कुमार और नेत्र परीक्षक जतिन द्वारा कैंप में आए लोगों की आंखों का परीक्षण किया गया।

जनता का ध्यान भटकाने को सपा कार्यकर्ताओं का किया जा रहा उत्पीड़न : तनवीर

संवाददाता, शाहजहाँपुर। समाजवादी पार्टी के निवर्तमान सपा जिला अध्यक्ष एवं पूर्व नगर पालिका परिषद चेयरमैन तनवीर खान ने कहा कि सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सपा के मनीष जगन अग्रवाल के पुलिस उत्पीड़न पर खुद मोर्चा संभालकर यह बता दिया है कि अब सपा कार्यकर्ताओं का उत्पीड़न किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। राष्ट्रीय अध्यक्ष के इस कदम से कार्यकर्ताओं को अन्याय और जुल्म के विरुद्ध संघर्ष करने की नई ऊर्जा मिली है। श्री खां ने कहा कि पूरे प्रदेश में सरकार सपा कार्यकर्ताओं का पुलिस से उत्पीड़न करा रही है अब इसका हर मोर्चे पर विरोध किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पूरे प्रदेश में समस्याओं से हाहाकार मची हुई है। महंगाई बेरोजगारी से हर वर्ग परेशान है, ठंड से लोग मर रहे है, किसान दुखी है। इन समस्याओं से जनता का ध्यान भटकाने के लिए सपा कार्यकर्ताओ का उत्पीड़न किया जा रहा है।

विशेष टीकाकरण में सभी सहयोग करें - एसडीएम

संवाददाता, सिद्धार्थनगर। डुमारियागंज उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा चलाए जा रहे विशेष टीकाकरण अभियान के अंतर्गत उप जिला अधिकारी डुमरियागंज द्वारा सभी को आदेशित किया गया कि सभी सचिव, सभी लेखपाल सभी आंगनबाड़ी सभी कोटेदार विशेष टीकाकरण में बढ़ चढ़कर हिस्सा लें और बच्चों का टीकाकरण शत-प्रतिशत कराएं। उप जिला अधिकारी द्वारा तहसील सभा कक्ष में बैठक के दौरान सभी को निर्देशित किया। बैठक में मुख्य रूप से अमित सिंह खंड विकास अधिकारी डुमरियागंज, बीएमसी यूनिसेफशोएब अख्तर, डॉक्टर शैलेंद्र मणि ओझा ,भनवापुर मुकेश श्रीवास्तव अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत डुमरियागंज , एडीओ पंचायत डुमरियागंज राजेश कुमार केशव राम मौजूद रहे। नये साल 2023मे सरकार ने.13 हजार गरीबों को दिया उनकी छत का तोहफापीलीभीत। नए साल में प्रदेश सरकार ने प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना से वंचित रहे पात्रों को सौगात दी है। तीन साल में पहली बार जिले में 13 हजार आवासों की मंजूरी दी गई है। 2022 में जिले को मात्र तीन हजार आवास ही शासन की ओर आवंटित हुए थे। जिले में करीब 25 हजार निर्धनों को प्रधानमंत्री आवास का लाभ नहीं मिल सका है। इनके आवेदन लंबित पड़े हैं। वर्ष 2022 में ग्रामीण क्षेत्र के लिए मात्र तीन हजार आवास ही स्वीकृत हुए थे। इस तरह 22 हजार पात्र अब भी प्रधानमंत्री आवास का सपना संजोए हुए थे। साल की शुरुआत में ही शासन ने इस बार प्रधानमंत्री आवास का लक्ष्य बढ़ाकर जिले को आवंटित किया।

गौशाल निर्माण में सुस्तीएसडीएम ने ईओ को फटकारा, जल्दबाजी में काम न करने की चेतावनी

संवाददाता, उन्नाव। पुरवा तहसील के एसडीएम ने निर्माणाधीन कान्हा गोशाला मे चल रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। कार्य ठीक न मिलने पर ईओ को फटकार लगाते हुए गुणवत्ता पूर्ण निर्माण कराकर जल्द कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। निर्देश दिए कि जल्दबाजी में मानकों में कोई भी कमी नहीं होनी चाहिए नहीं तो जांच कराकर निर्माण कराने वाले ठेकेदारों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। वर्ष 2019-20 में नगर पंचायत पुरवा में बेसहारा मवेशियों व गौवंश के सरंक्षण के लिए 500 जानवरों की क्षमता वाले कान्हा गोशाला निर्माण हेतु स्वीकृति मिली थी। पुरवा पाटन मार्ग पर स्थित मंडी समिति के पास गौशाला निर्माण शुरू करा दिया गया था। कान्हा गौशाला में बाउंड्रीवाल, भूसा भंडारण के लिए स्टोररूम, एक ऑफिस, टीनशेड आदि का निर्माण होना था। लेकिन शासन द्वारा दूसरी किश्त जारी न होने से निर्माण कार्य बंद पड़ा था।

छुट्टा जानवरों से परेशान किसानों ने ब्लाक सभागार में किया बंद

संवाददाता, उन्नाव। अन्ना जानवरों का आतंक इतना है कि खेतों में खड़ी रवि की फसल कुछ ही घंटों में चट कर जाते हैं। सैकड़ों की तादाद में औरास थाना क्षेत्र के दर्जनों गांव में अन्ना जानवर घूम रहे हैं। जिससे परेशान होकर किसानों ने सोमवार को खंड विकास कार्यालय परिसर के अंदर एक सैकड़ा से अधिक अन्ना जानवरों को लाकर छोड़ दिया। औरास थाना क्षेत्र के 1 दर्जन से अधिक गांव के आधा सैकड़ा ग्रामीणों ने अन्ना जानवरों से परेशान होकर खंड विकास कार्यालय औरास के परिसर में सैकड़ों की तादाद में फसल का नुकसान कर रहे अन्ना मवेशियों को लाकर छोड़ दिया। अन्ना मवेशियों के परिसर में घुसते ही कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। परिसर में लगे सभी फूल व पेड़ों को जानवरों में तहस-नहस कर दिया है। किसानों ने बताया कि भयंकर ठंड में दिन-रात जाग कर फसलों की रखवाली कर रहे हैं।

पूर्व राज्यपाल केसरीनाथ के निधन पर डॉ विजयानंद समेत कईयों ने व्यक्त किया शोक संदेश

संवाददाता

प्रयागराज। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता, भाजपा के वरिष्ठ नेता, झूंसी विधानसभा से अपना राजनीतिक सफर शुरू करने वाले, पूर्व मंत्री तीन बार विधानसभा अध्यक्ष, सुपरिचित कवि, पश्चिम बंगाल, बिहार, मिजोरम, मेघालय के पूर्व राज्यपाल पं0 केशरीनाथ त्रिपाठी का शनिवार रात लगभग दो बजे प्रयागराज में उनके निवास पर निधन हो गया। बताते चलें कि 89वीं जयंती मना चुके पंडित केशरीनाथ त्रिपाठी का जन्म 10 नवंबर 1934 को इलाहाबाद में हुआ था। उनकी हिंदी कविता तथा अंग्रेजी में विधि की कई दर्जन पुस्तकें प्रकाशित हैं। कुछ दिन पूर्व अपने निवास में ही गिरने से उनके कन्धे में फ्रैक्चर हो गया था। उन्हें इलाज हेतु प्रयागराज के एक्यूरा क्रिटिकल केयर हॉस्पिटल से पहुंचाया गया। वहां से उन्हें सामान्य स्थिति में घर लाया गया था और चिकित्सक उन पर नजर रखे हुए थे। उन्हें ऑक्सीजन के साथ ही नली से पेय पदार्थ दिया जा रहा था। हिंदी के सुपरिचित साहित्यकार डॉ0 विजयानन्द ने बताया कि मेरा उनसे लगभग 40 वर्षों का साहित्यिक संपर्क था। एक अभिभावक, बड़े भाई, मित्र के रूप में वे हमें यथोचित सहयोग करते रहे। उन्होंने मुझे कई बार पुरस्कृत एवं सम्मानित भी किया। उनके निधन पर साहित्यकारों डॉ0 विजयानन्द, डॉ0 शम्भुनाथ त्रिपाठी अंशुल, डॉ0 वीरेंद्र तिवारी, गंगा प्रसाद त्रिपाठी, अमरनाथ तिवारी, डॉ0 नीलिमा मिश्रा, अभिषेक केशरवानी, अजय कुमार मालवीय, राकेश मालवीय, डॉ0 अरविंद कुमार राय, माधवकृष्ण, पूजा राय, कृष्णानंद दुवे, डॉ0 ब्रजेन्द्र द्विवेदी शैलेश, अखिलेंद्र तिवारी, मिथिलेश सिंह, नीता तिवारी, प्रियदर्शिनी दुवे, अमरेन्द्र तिवारी तथा पारसनाथ राय, चंद्रशेखर तिवारी, आशुतोष तिवारी, सहित क्षेत्र के भाजपा तथा अन्य दलों के नेताओं ने शोक सभा कर शोक संवेदना व्यक्त करते हुए सादर श्रद्धांजलि अर्पित की।

अधिकारियों व कर्मचारियों को आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण, बढ़ेगी सुरक्षा की संस्कृति

संवाददाता

हापुड़। हापुड़ विकास भवन के सभागार में विकास भवन के अधिकारियों और कर्मचारियों को आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण दिया जायेगा। विभिन्न प्रकार की आपदाओं में क्या करें और क्या न करें की जानकारी दी जाएगी। मॉक ड्रिल के माध्यम से भी लोगों को दक्ष बनाया जायेगा। मॉक ड्रिल से लोगों में आपदाओं का सामना करने का विश्वास बढ़ेगा। इस प्रशिक्षण का आयोजन जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डी डी एम ए)हापुड़ की ओर से किया गया है। डी डी एम ए की अध्यक्ष जिलाधिकारी मेधा रूपम हैं। उनके ही निर्देश पर इस प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन की जिम्मेदारी आपदा विशेषज्ञ गजेंद्र बघेल को दी गई है। जिलाधिकारी रूपा मेधम का मानना है कि आपदाओं का सामना कभी भी किसी को भी करना पड़ सकता है। आपदाओं के दौरान लोग अपना बेहतर बचाव कर सकें इसके लिए उनको प्रशिक्षण देकर दक्ष बनाने की जरूरत है। जिलाधिकारी सभी अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ साथ आम जनमानस में भी सुरक्षा की संस्कृति विकसित करना चाहती हैं।

1 महीने में तीन चोरीयां, पुलिस खुलासे में नाकाम

संवाददाता, शुक्लागंज,उन्नाव। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के जाजमऊ चौकी अंतर्गत चंद्रशेखर आजाद मार्ग पर निर्माणाधीन दुकान से चोरों ने लाखों समान पार कर दिया। चंद्रशेखर आजाद मार्ग स्थित ग्राम शुखलाल खेड़ा के सामने देर रात चोरों ने निर्माणाधीन दुकान से चोरों ने लाखों समान पार कर दिया। पीड़ित विकास शुक्ला ने बताया कि देर रात उसकी निर्माणाधीन दुकान से चोरों ने दो बैटरी, एक सोलर इन्वर्टर, एक पानी की मोटर मोनो ब्लॉक, स्टील पाइप, एक इलेक्ट्रॉनिक कटर, एक वेल्डिंग मशीन, एक होमथ्रेटर आदि चोरी कर लेगये वही उसने बताया कि एक महीने पहले उसके पड़ोसी एस के महेश्वरी के यहा भी चोरी हुई थी। जहा पर चोरों ने एक हैंड पम्प आदि सहित लगभग 25 हजार का माल पार कर दिया था। यही नहीं पीड़ित विकास ने बताया कि पड़ोसी राम चंद्र के यहा भी कुछ दिन पूर्व चोरों ने हाथ साफकिया था, जहा से पानी की मोटर और सरिया व उसके बगल में खाली पड़े प्लाट से इंजन व ट्राली चोरी कर ले गये थे। पीड़ित ने बताया कि उक्त चोरीयों में गंगाघाट पुलिस को कई बार प्रार्थना पत्र दिया परन्तु पुलिस ने एक भी चोरी खुलासा करने में नाकाम रही। जिससे चोरों के हौसले बुलंद है।

हिंदी दिवस के अवसर पर अपने लेख के माध्यम से मातृभाषा हिंदी के महत्व को बताया

संवाददाता, बांदा। विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर देवेंद्र कुमार भारतीय नगर कार्यकारिणी सदस्य भारतीय जनता पार्टी जनपद बांदा ने अपने लेख के माध्यम से मातृभाषा हिंदी के महत्व को बताया किसी देश की मातृभाषा उस देश की पहचान होती है और वहां के नागरिकों का सम्मान भी हमारा देश भारत विविधताओं वाला देश कहा जाता है जिसमें हमारी मातृभाषा हिंदी अनेकता में एकता के मूल्यों को स्थापित करती है और प्राचीन भारतीय सभ्यता संस्कृति एवं संस्कारों को अपने में संजोए रखती है हिंदी केवल भाषा ही नहीं बल्कि भावनाओं का संकलन है ऐसी भावनाएं जहां ष्तुमष् शब्द का उपयोग करके छोटों को प्यार दिया जाता है और ष्आपष् शब्द का उपयोग करके बड़ों के लिए आदर सम्मान व्यक्त किया जाता है यही खूबसूरती है।

पेंशनरों के लिये पाँच लाख तक चिकित्सा निशुल्क प्राप्त करने को बनवाएं हेल्थ कार्ड : बीके तिवारी

संवाददाता, महोबा। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा प्रदेश के पेंशनरों एवं कर्मचारियों को निशुल्क चिकित्सा उपलब्ध कराने हेतु आयुष्मान भारत के चिकित्सालयों को पंडित दीनदयाल उपाध्याय पैन्शनर एवं कर्मचारियो को कैशलैस चिकित्सा दिये जाने हेतु सम्बद्ध करते हुये आनलाइन आवेदन प्रक्रिया पूर्ण होने के उपरांत आनलाइन हैल्थ कार्ड डाउनलोड हो जाता है। आधार कार्ड क्यूआर कोड के साथ एटीएम कार्ड की तरह कार्ड प्रिन्ट किये जाने हेतु प्रिन्टर की व्यवस्था पंडित दीनदयाल उपाध्याय पैन्शनर भवन में नया प्रिन्टर मंगाया गया है जिसे चालू करा दिया गया है पैन्शनर एवं सेवारत कर्मचारी किसी भी काय दिवस के समय अपनी (अभिलेखों) फेटू, पति पत्नी, आधार कार्ड, सभी आश्रितों के, बैकं खाता संख्या, रजिस्टर्ड मोबाइल, पी पी ओ की छाया प्रति के साथ आकर हैल्थ कार्ड अपना प्रिन्ट कराले और आयुष्मान भारत के अस्पतालों जिला चिकित्सालय, मेडिकल कॉलेजों में जाकर निशुल्क चिकित्सा का लाभ प्राप्त करें ।

यूपी पुलिस का सिपाही बना दरिंदा पत्नी पर किए बेइंतेहा जुल्म

संवाददाता

कानपुर। पुलिस अपने विभाग के प्रति इतनी वफादार होती है कि विभागीय सदस्यों द्वारा किए अपराध व दरिंदगी की प्राथिमिकी तक नहीं लिखती और न उनपर कोई ऐक्शन लेती है, तभी तो वे सीना तान कर कहते हैं कि मैं पुलिस में हूँ, तुम मेरा कुछ नहीं कर सकती। उपरोक्त बातें आज कानपुर प्रेसक्लब में हुई एक वार्ता से उजागर हुई। ग्राम चन्द्रपुरा थाना बिल्हौर कानपुर जनपद की राजेश कुमार की पुत्री ज्योति पत्नी सूरज कुमार ने अपनी वार्ता में बताया कि उसका विवाह 16 अप्रैल, 2014 को पुलिस विभाग में तैनात सिपाही सूरज कुमार के साथ हिंदू रीति रिवाज के साथ हुआ था। पति ने अगले साल से ही अतिरिक्त दहेज के लिए उत्पीड़न करने लगा। यहां तक कि 2015 में गर्भावस्था में ही घर से भगा दिया जिससे परेशान हो कर ज्योति ने एक मुकदमा ज्योति बनाम सूरज माननीय न्यायालय सी0जे0एम0 कानपुर देहात में लगाया। मुकदमा सँ0 0227/2022 धारा 307, 323 व 504 आई0 पी0 सी0 अंतर्गत दाखिल हुआ। मा0 न्यायालय ने ज्योति व उसकी बेटी के लिए भरणपोषण हेतु आदेश जारी किया। सूरज ने खर्चा न देना पड़े इस पर अदालत को गुमराह करते हुए सुलहनामा किया । सूरज पुन: ज्योति को प्रताड़ित करते हुए उसका फोन आदि तोड़ दिया। पड़ोस से फोन मायके में किया तो भाई के आने पर उसके सिर पर लोहे की रॉड मारकर लहूलुहान करदिया। केपीएम में इलाज हुआ। सूरज ने गला दबाकर हत्या करने की कोशिश की। सूरज आज भी थाना रेलबाजार में तैनात है और कहता है में पुलिस में हूँ तुम कुछ नहीं कर सकती। ज्योति मीडिया के माध्यम से प्रसाशन से अपनी सुरक्षा व न्याय की प्रार्थना करती है।

बसपा जिला कार्यालय पर मनाया जिलाध्यक्ष देवेंद्र भारती का केक काटाकर जन्मदिन

संवाददाता

हापुड़। जनपद हापुड़ के बसपा पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने जिला कार्यालय पर इकट्ठा होकर जिलाध्यक्ष देवेंद्र भारती का गर्मजोशी साथ फूलों की माला पहनाकर स्वागत किया और जिला अध्यक्ष देवेंद्र भारती का जन्मदिन बड़े ही हर्षोल्लास के साथ केक काटकर मनाया गया तथा बसपा के पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने जिला अध्यक्ष को केक खिलाते हुए उज्जवल भविष्य के साथ-साथ बहुत लंबी उम्र की कामना करते हुए शुभकामनाएं दी जहां उससे पहले फेसबुक व व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से बसपा के कार्यकर्ता ने जिला अध्यक्ष के जन्मदिन की शुभकामनाएं दी वहीं बसपा कार्यकर्ता दीपक बोध्द ने तथागत गौतम बुद्ध बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी के चित्र तस्वीर भेंट कर जन्मदिन की शुभकामनाएं दी। इस मौके पर शुभकामनाएं देने वालों में मेरठ मंडल कोऑर्डिनेटर सतीश प्रधान,श्रीपाल सिंह पूर्व बसपा प्रत्याशी वि.स.क्षे,पति पुष्पा देवी बसपा प्रत्याशी नगर पालिका परिषद,हापुड़,दिनेश कुमार एडवोकेट, योगेंद्र कुमार धनोरा वाले, अनुराग कुमार, प्रदीप जाटव, बबलू त्यागी अशोक मुर्गे वाले,कैलाश कुमार,सुनील कुमार पटवारी, सतीश कश्यप ,जगन सिंह, राकेश कुमार आदि लोग मौजूद रहे।

खुले बोरवेल से 4 वर्षीय बच्चे को सकुशल निकाला बाहर

प्रशासन ने ली राहत की सांस, खिल उठे सभी लोगों के चेहरे

संवाददाता, हापुड़। जनपद हापुड़ के थाना हापुड़ क्षेत्र के मौहल्ला कोटला सादात में सरकारी कर्मचारियों की लापरवाही के चलते चार वर्षीय बच्चा खेलते हुए एक खुलें बोरबेल में गिर गया। जिससे परिवार में हड़कंप मच गया लोगों की सूचना पर पहुंचे एसडीएम सहित अन्य अधिकारियों ने मौकें पर पहुंच रेस्क्यू जारी किया। आपको बता दें घटना मंगलवार सुबह करीब 12 बजे की है जहां कोटला मेवतियान निवासी मौहसीन का चार वर्षीय पुत्र खेलते समय पम्प नं. 6 पर पहुंच गया और वहां खेलते हुए करीब 40 फुट गहरे खुलें बोरीबाल में गिर गया। बच्चें के गिरनें की सूचना से आस पड़ोस लोगों के साथ साथ अन्य

बच्चों में हड़कंप मच गया जिन्होंने भागकर परिजनों को सूचना दी। जिससे परिवार में कोहराम मच गया। सूचना मिलतें ही एडीएम श्रद्धा ,एएसपी मुकेश मिश्रा एसडीएम सदर सुनीता सिंह सहित अन्य अधिकारी,एनडीआरएफ टीमें ने मौकें पर पहुंच रेस्क्यू आपरेशन शुरू किया जहां मासूम बच्चे के परिवार जनों ने बताया कि मासूम बच्चा मूकबधिर है और पूरा प्रशासन बच्चें को बचानें में लगाई जान,बच्चा सुरक्षित लगभग 4.00 बजे के करीब डीएम,एसपी स्वंय रेस्कयू कर बताया कि बच्चे की रोनें की आवाज सुनाई दे रही है बच्चा काफी घबराया हुआ और बोरवेल में बच्चों को ऑक्सीजन के सांस दिलाने की प्रतिक्रिया जारी है तथा उसको दूध भी पिलाया गया रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान हापुड़ जिलाधिकारी मेधा रूप, पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर, अप पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार मिश्रण, क्षेत्राधिकारी हापुड़, अशोक सिसोदिया, एडीएम श्रृद्धा शांडिल्यायन, एसडीएम सुनता सिंह, सफ्भो हापुड़ मनु शर्मा, सीएमओ हापुड़ डॉक्टर सुनील स्थान दांव लगाते नगर, एंडी व अन्य अनुबंधित टीम व अधिकारियों ने ऑक्सीजन सिलेंडर के माध्यम से बच्चे तक ऑक्सीजन पहुंचाई। कैमरे की मदद से पल-पल की स्थिति पर नजर रख बड़ी मशक्कत के बाद बच्चे को करीब 5 घंटे में खुले बोरवेल से बाहर निकाला गया प्रशासन ने ली राहत की सांस और बच्चों को ऑक्सीजन लगाकर हॉस्पिटल में कराया भर्ती जनपद वासियों की दुआ आई काम सकुशल बच्चे को निकाला गया ।

स्व. विद्यावती की पुण्यतिथि पर विधायक ने पुष्प किये अर्पित

संवाददाता

शुक्लागंज,उन्नाव। नगर पालिका अध्यक्षा रंजना गुप्ता कि सास व प्रतिनिधि राजेश गुप्ता (गोल्डी गुप्ता) की माता स्वर्गीय श्री मती विद्यावती गुप्ता की 10वी पुण्यतिथि के अवसर पर राजधानी मार्ग स्थिति कैंप कार्यालय बड़े उनकी माता जी की पूजा अर्चना कर प्रसाद रूप मे तहरी वितरण किया गया। उक्त कार्यक्रम का शुभारंभ सदर विधायक पंकज गुप्ता ने किया। विधायाक ने स्वर्गीय विद्यावती के छाया चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हे नमन किया। वही उन्होंने तहरी वितरण भी किया। जहां पर पुण्यतिथि का प्रसाद सैकड़ों लोगों ने ग्रहण किया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्षा रंजना गुप्ता, के. डी. त्रिवेदी, सोनी शुक्ला जी, दुर्गा तिवारी, राजेश गुप्ता जी, अनिल गुप्ता जी, राजन, मिंटू वर्मा, पिंटू श्रीवास्तव, अशोक पांडे , विजय कुमार ,छोटू यादव, डब्बू जायसवाल, विनय गुप्ता, आदि लोग मौजूद रहे।

एन एस आई ने चीनी मिलों के दूषित पानी को पीने योग्य बनाया

संवाददाता

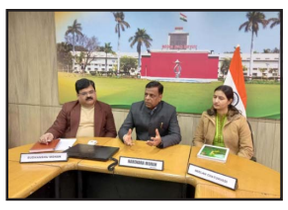

कानपुर। कानपुर राष्ट्रीय शर्करा संस्थान द्वारा चीनी मिलों के दूषित जल को साफ करने हेतु एक कम लागत की पर्यावरण-मित्र तकनीक विकसित की गयी है। इस तकनीक में जलकुम्भी (जलीय खरपतवार) का प्रयोग फाइटो-रेमेडियेशन सिद्धान्त पर है जिसमें वनस्पति एवं वृक्ष, दूषित जल से प्रदूषकों को अवशोषित कर जल साफ कर देते है। संस्थान के भौतिक रसायन अनुभाग द्वारा विकसित की गयी तकनीक में जलकुम्भी (जलीय खरपतवार) का प्रयोग दूषित जल के प्राथमिक शोधन हेतु किया गया है एवं यह देखा गया है कि उससे प्राप्त पानी को मल्टीग्रेड फिल्टर एवं पाउडर एक्टिव कार्बन के प्रयोग द्वारा उत्तम गुणवत्ता का बनाया जा सकता है। प्रयोगशाला में किये गये अनेकों श्रृंखलाबद्ध प्रयोगों में यह देखा गया कि जलकुम्भी (जलीय खरपतवार) का प्रयोग ठव्क, ब्व्क, नाइट्रोजन, सस्पेंडेड सॉलिड, कीटनाशकों और हेवी मेटल्स को दूर करने में प्रभावी है। श्रीमती नीलम चतुर्वेदी, रिसर्च फैलो ने बताया कि 7 दिनों के ट्रीटमेन्ट साइकल में हम दूषित जल से 90 प्रतिशत से अधिक ठव्क् एवं ब्व्क् कम करने में सक्षम हुये जो कि जलकुम्भी (जलीय खरपतवार) के द्वारा शोधन की दक्षता को प्रदर्शित करता है। डॉ. सुधांशु मोहन, वैज्ञानिक अधिकारी (भौतिक रसायन) ने बताया कि चूंकि चीनी मिल के दूषित जल को शोधित करने की वर्तमान तकनीकों को लागू करने और शोधन में खर्चा अधिक होता है। अत: संस्थान एक कम लागत की यूजर फ्रेण्डली तकनीक पर गत 5 वर्षों से काम कर रहा था। जलकुम्भी (जलीय खरपतवार) पर आधारित यह तकनीक की न केवल लागत कम है अपितु प्रचलित तकनीकों की अपेक्षा ऊर्जा एवं अन्य केमिकल इत्यादि का व्यय कम होने के कारण इससे दूषित जल का शोधन करने में खर्चा बहुत कम होना संभावित है। जलकुम्भी (जलीय खरपतवार) के शोधन से प्राप्त पानी को मल्टीग्रेड एवं कार्बन फिल्टर से और साफकरके इसे सिंचाई एवं चीनी मिलों में ही विभिन्न उपयोगों में लाने के सफल प्रयोग संस्थान द्वारा किये गये। संस्थान के निदेशक नरेंद्र मोहन ने बताया कि हम इस पूरी तकनीक में रिवर्स ऑस्मोसिस तकनीक का समावेश कर प्राप्त पानी को पीने योग्य भी बना सकते है।

पेंशन बहाली को लेकर संघर्ष समिति ने दिया धरना

संवाददाता

कानपुर। ईपीएस-95 राष्ट्रीय संघर्ष समिति कानपुर मंडल द्वारा भविष्य निधि कार्यालय सर्वोदय नगर कानपुर में राष्ट्रीय सचिव ओम शंकर तिवारी राष्ट्रीय सलाहकार राजेश कुमार शुक्ला के नेतृत्व में मंडल के समस्त जिलों से सैकड़ों की संख्या में आए हुए सम्मानित पदाधिकारियों एवं सदस्यों के साथ 4/11/2022 को सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए निर्णय को मनमाने ढंग से तोड़ मरोड़ कर ईपीएफओ द्वारा दिनांक 29/12/2022 को जारी किए गए सर्कुलर के खिलाफ काली पट्टी बांधकर सर्कुलर की प्रतियों का दहन कर विरोध प्रदर्शन किया गया। राजेश कुमार शुक्ला द्वारा अपने संबोधन में कोर्ट के निर्णय के संबंध में विस्तार से चर्चा करते हुए सभी को विश्वास दिलाते हुए आश्वस्त किया कि बहुत जल्द ही हायर पेंशन एवं मिनिमम पेंशन का लाभ सभी को मिलेगा। जय रूप सिंह परिहार ने अपने उद्बोधन में कहा कि कोर्ट का निर्णय भी भेदभाव पूर्ण है जो कि हमें स्वीकार नहीं है इसलिए संख्या बल के साथ संगठित रहकर संगठन के राष्ट्रीय नेतृत्व के आवाहन पर हर स्तर की लड़ाई के लिए करो या मरो के साथ हमें तैयार रहना है यह हमारे हक और अधिकार की लड़ाई है जिसे हम लेकर रहेंगे।

विश्व हिंदी दिवस का आयोजन ,परिचर्चा एवं गोष्ठी

तकनीक के सहारे हिंदी को नया आकाश मिला है : प्रो. प्रणय कृष्ण

संवाददाता, प्रयागराज। विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर राजभाषा अनुभाग,इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा हिंदी विभाग के सभागार में दो सत्रों में परिचर्चा एवं गोष्ठी का आयोजित किया गया। प्रथम सत्र में तकनीक की दुनिया और हिंदी विषय पर परिचर्चा हुई। जिसमें 12 शोधार्थियों ने 21वीं सदी में तकनीक की विस्तारित होती दुनिया और हिंदी के बदलते स्वरूप पर बात रखी। जिसमें तकनीक संबंधी अनेक सुविधाओं के साथ उसके खतरों को भी चिन्हित किया गया। इस परिचर्चा में डा.कुमार वीरेंद्र, डा.गाजुला राजू और डा. अंशुमान कुशवाहा निर्णायक के रूप में उपस्थित रहे।डा. कुमार बीरेन्द्र ने परिचर्चा के अंत में अपनी बात रखते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रम

शोधार्थियों को आत्मसजग बनाने के साथ आत्मविश्वास भी पैदा करते हैं।तकनीक की संक्षिप्तिकरण की प्रक्रिया कभी-कभी अर्थ का अनर्थ भी करती है ।उन्होंने कई उदाहरण देकर अपनी बात की पुष्टि भी की। प्रथम सत्र का संचालन डा.धीरेंद्र प्रताप सिंह ने किया। द्वितीय सत्र में स्वागत वक्तव्य एवं प्रस्तावना रखते हुए राजभाषा संयोजक प्रो.संतोष भदौरिया ने कहा कि हिंदी की दुनिया को विस्तृत करने में तकनीक की उल्लेखनीय भूमिका है। किंतु लिपि का प्रयोग भी इसमें महत्वपूर्ण है।तकनीक ने रोमन लिपि को बहुप्रचलित किया है,जिससे आगाह भी रहना चाहिये।उन्होंने कहा कि हिंदी को अभी तकनीकी तौर पर और सक्षम बनाये जाने की जरूरत है। गोष्ठी के मुख्य वक्ता डा. आशुतोष पार्थेश्वर ने श्रेमचंद की हिंदुस्तानी विषय पर विस्तार से बात की। उन्होंने प्रेमचंद के हवाले से हिंदी की दुनिया के विकास और स्वीकार्यता की प्रक्रिया को बताया। उन्होंने कहा कि हिंदी को सामाजिक अभिव्यक्ति का माध्यम बनाये जाने के प्रयास होने चाहिये। विश्व भाषा का मतलब ही है हिंदी के माध्यम से विश्व को जानना। विश्व की प्रत्येक संस्कृति को हिंदी के माध्यम से जानें।गौर से देखें तो 19वीं सदी से हिंदी का विश्व बनता दिखाई देता है।

मण्डलायुक्त ने मेला क्षेत्र में सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के द्वारा लगायी गयी प्रदर्शनी का फीता काटकर किया शुभारम्भ

❑ तुलसी कथा रघुनाथ की'' एवं प्रदर्शनी मेले में आने वाले श्रद्धालुओं की जानकारी के लिए उपयोगी सिद्ध होगी

संवाददाता

प्रयागराज। मण्डलायुक्त विजय विश्वास पंत मंगलवार को माघ मेला क्षेत्र के परेड ग्राउण्ड में त्रिवेणी मार्ग पर सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के द्वारा लगायी गयी प्रदर्शनी का फीता काटकर शुभारम्भ किया। उन्होंने ''तुलसी कथा रघुनाथ की'' एवं स्थानीय ऐतिहासिक, सांस्कृतिक विषयक प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए प्रदर्शनी की सराहना की। इस अवसर पर मीडिया से मुखातिब होते हुए मण्डलायुक्त ने कहा कि तीर्थराज प्रयाग में संगम की रेती पर सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की ओर से ''तुलसी कथा रघुनाथ की'' और ''ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक'' विषयक प्रदर्शनी में संगम नगरी प्रयागराज के धार्मिक, ऐतिहासिक स्थलों, प्राचीन व पौराणिक मंदिरों को एक स्थान पर संकलित किया गया है जिससे मेला क्षेत्र में आने वाले श्रद्धालुगणों एवं शहर के लोग प्रयागराज के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक स्थलों के महत्व के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते है। उन्होंने कहा कि इसी पण्डाल में ''तुलसी कथा रघुनाथ की'' प्रदर्शनी लगायी गयी है, जिसमें भगवान श्रीराम के जीवन से जुड़ी घटनाओं को क्रमबद्ध ढंग से चित्रित किया गया है। भगवान राम के जन्म, वन गमन से लेकर उनके अयोध्या लौटने तक की सभी महत्वपूर्ण घटनाओं को बहुत ही सुंदर चित्रों के माध्यम से दिखाया गया है। प्रदर्शनी में आने पर श्रद्धालुओं के मन में श्रद्धा का भाव जागृत होगा। यह प्रदर्शनी प्रयागराज के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक महत्व से सम्बंधित स्थलों तथा गोस्वामी तुलसी दास जी के द्वारा रचित रामकथा से सम्बंधित प्रसंगों के बारे में मेले में आने वाले श्रद्धालुओं की जानकारी के लिए उपयोगी रहेगी।

दुष्कर्म के वांछित को पुलिस ने दबोचा

संवाददाता

उन्नाव। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर व अपर पुलिस अधीक्षक और क्षेत्राधिकारी पर्यवेक्षण में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में कोतवाली सदर पुलिस द्वारा दुष्कर्म में वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। उप निरीक्षक राजेन्द्र सिंह मय हमराह फोर्स द्वारा कोतवाली में पंजीकृत मुकदमा 22/2023 धारा 376/323/504/506 में वांछित अभियुक्त सूरज यादव पुत्र उमाशंकर उम्र करीब 25 वर्ष निवासी सुल्तान खेड़ा थाना कोतवाली सदर, हालपता मो. शराब मील नई बस्ती को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त को मा. न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में उ.नि. राजेन्द्र सिंह, कांस्टेबल जमशेद खान व हेमन्त कुमार रहे।

स्टार खिलाड़ी सानिया मिर्जा ने अगले महीने दुबई में टेनिस से लेंगीं संन्यास

एजेंसी, नयी दिल्ली। अनुभवी भारतीय टेनिस खिलाड़ी सानिया मिर्जा ने अगले महीने दुबई ड्यूटी फ्री टेनिस चैंपियनशिप में अपने शानदार करियर को अलविदा कहने का फै सला किया है। युगल रैंकिंग में शीर्ष पर रही सानिया ने डब्ल्यूटीए (महिला टेनिस संघ) से इसकी घोषणा की। सानिया ने पिछले सत्र के आखिर में अपने खेल को अलविदा कहने का मन बनाया था लेकिन कोहनी की चोट के कारण वह अगस्त, 2022 में अमेरिकी ओपन से बाहर हो गयी और पूरे सत्र खेल से दूर रही। पाकिस्तान के क्रिकेटर शोएब मलिक से शादी करने वाली 36 वर्षीय सानिया एक दशक से अधिक समय से दुबई में रह रही हैं और वह अपने 'घरेलू मैदान पर खेल को अलविदा कहना चाहेंगी। सानिया ने 'डब्ल्यूटीएटेनिस डॉट कॉम से कहा, 'मैं डब्ल्यूटीए फ ाइनल्स (बीते सत्र में) के बाद खेल को अलविदा कहने वाली थी, क्योंकि डब्ल्यूटीए फाइनल्स के युगल वर्ग में हमारी जगह पक्की थी। अमेरिकी ओपन से ठीक पहले मेरी कोहनी में चोट लग गई थी, इसलिए मुझे इसके बाद के हर टूर्नामेंट से हटना पड़ा। उन्होंने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो मैं अपनी शर्तों पर जीना पसंद करती हूं। इसलिए मैं चोट के कारण बाहर नहीं होना चाहती थी। मैंने वापसी के लिए अभ्यास जारी रखा था। सानिया ने महिला युगल और मिश्रित युगल में तीन-तीन ग्रैंड स्लैम जीते हैं। उन्होंने कजाकिस्तान की अन्ना डेनिलिना के साथ इस महीने के ऑस्ट्रेलियन ओपन में प्रतिस्पर्धा करने के लिए हामी भरी है। वह पिंडली में चोट की समस्या से जूझ रही है लेकिन उन्हें उम्मीद है कि चोट उसकी विदाई की योजनाओं में बाधा नहीं बनेगा। उन्होंने कहा, 'उनकी कोशिश दुबई ड्यूटी फ्री टेनिस चैंपियनशिप के दौरान दुबई में खेल को अलविदा कहने की है। दुबई ड्यूटी फ्री टेनिस चैंपियनशिप, एक डब्ल्यूटीए 1000 स्तर का टूर्नामेंट है। यह 19 फ रवरी से शुरू होगा।

फॉलोआन के बावजूद दक्षिण अफ्रीका ने तीसरा टेस्ट ड्रॉ कराया

एजेंसी, ऑस्ट्रेलिया को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन टेस्ट की श्रृंखला में क्लीनस्वीप करने के लिए यहां अंतिम दिन 14 विकेट की दरकार थी लेकिन मेजबान टीम छह ही विकेट हासिल कर सकी जिससे तीसरा और अंतिम टेस्ट ड्रॉ रहा। मौसम से प्रभावित मैच के अंतिम दिन धूप खिली लेकिन दक्षिण अफ्रीका को पहली पारी में 255 रन पर समेटकर फ ॉलोआन के लिए मजबूर करने के बावजूद ऑस्ट्रेलिया को ड्रॉ से संतोष करना पड़ा और टीम ने श्रृंखला 2-0 से अपने नाम की। दक्षिण अफ्रीका ने दूसरी पारी में कप्तान डीन एल्गर (10) और हेनरिक क्लासेन (35) के विकेट गंवाकर दो विकेट पर 106 रन बनाए तब दोनों टीम मैच ड्रॉ कराने पर सहमत हो गईं। इस समय सलामी बल्लेबाज सेरेल इर्वी 42 जबकि तेंबा बावुमा 17 रन बनाकर खेल रहे थे। ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी चार विकेट पर 475 रन बनाकर घोषित की थी। ऑस्ट्रेलिया ने लंच के बाद दक्षिण अफ्रीका की पहली पारी को समेटकर विरोधी टीम को फॉलोआन दिया। दूसरी पारी में कप्तान पैट कमिंस (16 रन पर एक विकेट) ने एल्गर को पवेलियन भेजा। एल्गर ने मौजूदा श्रृंखला की छह पारियों में सिर्फ 56 रन बनाए। उन्होंने 3, 2, 26, 0, 15 और 10 रन की पारियां खेली। जोश हेलवुड (नौ रन पर एक विकेट) ने क्लासेन की पारी का अंत किया लेकिन इर्वी और बावुमा ने मैच ड्रॉ करा दिया। दक्षिण अफ्रीका का 47 मैच में यह पहला ड्रॉ है। इससे पहले हेजलवुड ने 48 रन पर चार विकेट चटकाए जिससे ऑस्ट्रेलिया ने अंततरू दक्षिण अफ्रीका के निचले क्रम को समेटकर टीम को 255 रन पर आउट किया जो फ ॉलोआन बचाने के स्कोर से 20 रन कम थे। निचले क्रम में मार्को जेनसन ने 78 गेंद में 11 रन बनाए। केशव महाराज ने 81 गेंद में53 रन की पारी खेली जबकि साइमन हार्मर ने 165 गेंद में करियर की सर्वश्रेष्ठ 47 रन की पारी खेलकर दक्षिण अफ्रीका की फॉलोआन टालने की उम्मीद जगाई थी। हार्मर और महाराज ने 27 ओवर में 85 रन जोड़कर ऑस्ट्रेलिया को एक और जीत से महरूम रखने में अहम भूमिका निभाई। इन दोनों को हेजलवुड ने आउट किया। नाथन लियोन (88 रन पर दो विकेट) ने इसके बाद कागिसो रबादा को अपनी ही गेंद पर लपककर दक्षिण अफ्रीका की पहली पारी का अंत किया। ऑस्ट्रेलिया के पास दूसरी पारी में दक्षिण अफ्रीका को समेटने के लिए 47 ओवर थे लेकिन मेजबान टीम को सफलता नहीं मिली।

इस ड्रॉ के साथ ऑस्ट्रेलिया ने क्लीनस्वीप और जून में इंग्लैंड के लार्ड्स में होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फ ाइनल में जगह सुनिश्चित करने का मौका गंवा दिया। ऑस्ट्रेलिया को फरवरी में भारत के खिलाफ चार टेस्ट की श्रृंखला के दौरान फाइनल में जगह बनाने का मौका फि र मिलेगा। इस मैच में बारिश और खराब मौसम का असर दिखा। पहले दो दिन सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर मैदान गीला होने से मैच देर से शुरू हुआ जबकि तीसरे दिन एक भी गेंद नहीं फेंकी जा सकी। चौथे दिन भी लंच के बाद ही खेल हो पाया।

पाकिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए न्यूजीलैंड की घोषणा, मैट हेनरी बाहर

एजेंसी, कराची। चोट के कारण न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी पाकिस्तान और भारत के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं। न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) के एक अपडेट ने कहा, मैट हेनरी कराची में दूसरे टेस्ट के 5वें दिन चोट के बाद पाकिस्तान के खिलाफ वनडे श्रृंखला में भाग नहीं लेने वाले टेस्ट टीम के अन्य सदस्यों के साथ स्वदेश लौटेंगे। इससे पहले, तेज गेंदबाज ब्लेयर टिकनर को 50 ओवर के क्रिकेट में गेंदबाजी के लिए बाद की तैयारी पर चिंताओं के कारण पाकिस्तान और भारत के खिलाफ एकदिवसीय मैचों के लिए न्यूजीलैंड की व्हाइट-बॉल टीम में साथी तेज गेंदबाज एडम मिल्ने की जगह नामित किया गया था। पाकिस्तान के खिलाफन्यूजीलैंड की तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला नौ जनवरी से कराची में शुरू होगी। इसके बाद 11 और 13 जनवरी को मैच होंगे। दौरे के समापन के बाद, न्यूजीलैंड जनवरी 18 से 1 फरवरी से तीन वनडे और इतने ही टी20 मैचों के लिए भारत का दौरा करेगा। जबकि केन विलियमसन पाकिस्तान के खिलाफ वनडे मैचों के लिए न्यूजीलैंड के कप्तान होंगे। टॉम लाथम भारत के खिलाफ क्रमशः 18, 21 और 24 जनवरी को हैदराबाद, रायपुर और इंदौर में होने वाले 50 ओवरों के मैचों के लिए उनसे कप्तानी संभालेंगे। वे भारत में क्रमशः रांची, लखनऊ और अहमदाबाद में 27 जनवरी, 29 और 1 फरवरी को तीन टी20 मैच भी खेलेंगे। लेकिन भारत के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए न्यूजीलैंड टीम का ऐलान अभी नहीं किया गया है। पाकिस्तान के खिलाफवनडे के लिए न्यूजीलैंड टीम- केन विलियमसन (कप्तान), टॉम लाथम, फिन एलेन, माइकल ब्रेसवेल, डेवोन कॉनवे, लॉकी फर्ग्यूसन, डेरिल मिशेल, हेनरी निकोल्स, ग्लेन फिलिप्स, मिशेल सेंटनर, हेनरी शिपले, ईश सोढ़ी, टिम साउदी और ब्लेयर टिकनर।

पंड्या ने कहा कि नेहरा ने गुजरात टाइटंस में मेरी कप्तानी में बड़ा अंतर पैदा किया

एजेंसी, हार्दिक पंड्या ने पिछले साल पहले ही सत्र में गुजरात टाइटंस को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खिताब दिलाने के बाद से पीछे मुड़कर नहीं देखा और नए भारतीय टी20 कप्तान ने अपनी कप्तानी में 'बड़ा अंतर' पैदा करने के लिए अपने फ्रेंचाइजी कोच आशीष नेहरा को श्रेय दिया। चोट के कारण लंबे समय तक बाहर रहने के बाद इस प्रमुख ऑलराउंडर को गुजरात की टीम ने पहले ही साल में कप्तान बनाकर साहसिक कदम उठाया। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफअभ्यास मैच के दौरान सिर्फएक बार सीनियर स्तर पर भारतीय टीम की अगुआई करने वाले पंड्या ने हालांकि अपने विरोधियों को गलत साबित किया और उदाहरण पेश किया। श्रीलंका के खिलाफतीसरे और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय में जीत के साथ भारत के 2-1 से श्रृंखला जीतने के बाद पंड्या ने कहा, ''गुजरात के दृष्टिकोण से जो बहुत महत्वपूर्ण है वह यह है कि मैंने किस तरह के कोच के साथ काम किया। आशीष नेहरा ने हमारी मानसिकता के कारण मेरे जीवन में बड़ा अंतर पैदा किया। हम दो अलग-अलग व्यक्तित्व हो सकते हैं लेकिन हमारे क्रिकेट के विचार बहुत समान हैं।'' उन्होंने कहा, ''क्योंकि मैं उनके साथ था, इसने मेरी कप्तानी को बेहतर किया। इससे मुझे ठीक वही हासिल करने में मदद मिली जो मैं जानता हूं। यह सिर्फ आश्वासन हासिल करने के बारे में था, एक बार जब मुझे वह मिल गया। इस खेल के बारे में जागरूकता जो मैं हमेशा से जानता था। यह उसे जानने और उसका समर्थन करने से जुड़ा था जो मैं पहले से जानता था। इसने निश्चित रूप से मेरी मदद की है।'' श्रीलंका के खिलाफघरेलू श्रृंखला से पहले रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम के ऑस्ट्रेलिया में सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफहार के बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय विश्व कप जीतने में नाकाम रहने पर भारतीय चयनकर्ताओं ने टीम में बड़ा बदलाव किया।

स्टार इंडिया और बायजूस ने बढ़ाई बीसीसीआई की टेंशन

स्टार इंडिया ने क्रिकेट बोर्ड से मीडिया अधिकार सौदे में मांगी 130 करोड़ रुपये की छूट

टीम जर्सी की स्पांसरशिप से हाथ खींचने को तैयार बायजूस

एजेंसी, नयी दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड और स्टार इंडिया के बीच इन दिनों सब कुछ ठीक-ठाक नहीं चल रहा है। दरअसल, दोनों के बीच मीडिया राइट्स को लेकर टेंशन बढ़ी हुई है। स्टार स्पोर्ट्स ने बीसीसीआई से 130 करोड़ रुपए की छूट की मांग कर दी है। लेकिन यह विवाद कब शुरू हुआ तथा इकसे कारण क्या हैं, यह सबसे बड़ा सवाल है। दरअसल, इन दिनों भारत और श्रीलंका के बीच सीरीज खेला जा रहा है। लेकिन यह विवाद कोरोना वायरस और श्रीलंका सीरीज के दौरान एडवर्टाइजमेंट नहीं मिलने के कारण हुआ है। बताया जा रहा है कि बीसीसीआई की मीटिंग के दौरान स्टार ने मौजूदा सौदा के तहत लगभग 130 करोड़ रुपए की छूट मांगी है। सूत्रों ने कहा कि इस मुद्दे पर लंबी चर्चा हुई लेकिन बोर्ड ने अभी तक अंतिम फैसला नहीं लिया है। स्टार के पास भारत के घरेलू क्रिकेट के राइट्स हैं। इसके लिए स्टार ने 2018-2023 की अवधि को ध्यान में रखते हुए 6138.1 करोड़ रुपए का भुगतान भी किया था। हालांकि, इसी दौरान कोरोना वायरस का मामला आ गया। इस वजह से कई मैच को भी टालने पड़े। इसी वजह से स्टार ने नुकसान होने का दावा किया है। अब वह 130 करोड़ रुपए की छूट की मांग भी कर रहा है। दूसरी ओर स्टार इंडिया से प्रतिक्रिया के लिए संपर्क किया गया लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। हालांकि, सूत्रों ने कहा कि स्टार ने बीसीसीआई से सिर्फ यह कहा है कि बोर्ड करार के अनुसार रकम ले। जिन मैचों को 2020 में नहीं खेला जा सका और उसका आयोजन 2022 में हुआ, उन मैचों के लिए 2020 की दर से भुगतान हो। ऐसे में यह कहना कि स्टार ने 'छूट' की मांग है, पूरी तरह से भ्रामक है। इतना ही नहीं, भारतीय टीम में जर्सी के प्रायोजक बायजूस ने भी बीसीसीआई की टेंशन बढ़ा दी है। बायजूस चाहता है कि बोर्ड वर्तमान समझौते के तहत उसकी 140 करोड़ रुपये की बैंक गारंटी को भुना ले। बायजूस ने नवंबर में बीसीसीआई को सूचित किया था कि वह भारतीय क्रिकेट टीम के जर्सी प्रायोजन से बाहर निकलना चाहता है। बोर्ड ने हालांकि इस एडटेक कंपनी को कम से कम मार्च 2023 तक करार जारी रखने के लिए कहा था। बायजूस ने जून में लगभग 35 मिलियन डॉलर (लगभग तीन अरब रुपये) के साथ जर्सी प्रायोजन समझौते को नवंबर 2023 तक बढ़ा दिया था। इसमें बीसीसीआई को 140 करोड़ रुपये बैंक गारंटी के माध्यम से भुगतान किए जाने हैं जबकि शेष 160 करोड़ रुपये किश्तों के माध्यम से भुगतान किए जाएंगे।

घर पर गुलाब जामुन बनाते समय ना करें ये मिसटेक्स

गुलाब जामुन खाना हर किसी को बेहद पसंद होता है। यूं तो हम इसे बाजार से मंगवाकर खाते हैं। लेकिन इसे घर पर भी बेहद आसानी से बनाया जा सकता है। हालांकि, जब आप घर पर गुलाब जामुन बनाते हैं तो कभी वह सख्त हो जाता है, तो कभी तलते समय फट जाता है।

अगर गुलाब जामुन बनाते समय आटा सख्त होता है। तो ऐसे में गुलाब जामुन तलते समय वे सख्त हो जाते हैं। इसलिए आटे को नरम होने तक गूंथिए। रेसिपी के अनुसार आप दूध, पानी या अंडा इस्तेमाल कर रहे हैं तो इसे एक बार में ना डालें।

गुलाब जामुन खाना हर किसी को बेहद पसंद होता है। यूं तो हम इसे बाजार से मंगवाकर खाते हैं। लेकिन इसे घर पर भी बेहद आसानी से बनाया जा सकता है। हालांकि, जब आप घर पर गुलाब जामुन बनाते हैं तो कभी वह सख्त हो जाता है, तो कभी तलते समय फट जाता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसी मिसटेक्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें हम घर पर गुलाब जामुन बनवाते समय करते हैं और हमें इससे बचना चाहिए-

हाई हीट पर फ्राई करना

जब भी आप गुलाब जामुन बनाते हैं तो ऐसे में कई बार उसे तेज आंच पर फ्राई करते हैं। लेकिन ऐसा करने से बाहर से इनका कलर एकदम ब्राउन आएगा, लेकिन अंदर से वह सख्त रहेंगी। इसलिए, तेल को हमेशा मीडियम आंच पर गर्म करें फिर मीडियम लो कर लें। बैच में गुलाब जामुन डालें तो ऐसे में एक बार में बहुत अधिक गुलाब जामुन न डालें। आप इसे बीच-बीच में हिलाएं। मध्यम धीमी आंच पर अच्छे ब्राउन रंग का होने तक तलें।

आटे का बहुत अधिक सख्त होना

अगर गुलाब जामुन बनाते समय आटा सख्त होता है। तो ऐसे में गुलाब जामुन तलते समय वे सख्त हो जाते हैं। इसलिए आटे को नरम होने तक गूंथिए। रेसिपी के अनुसार आप दूध, पानी या अंडा इस्तेमाल कर रहे हैं तो इसे एक बार में ना डालें। इसके बजाय दूध, पानी या अंडे को धीरे-धीरे मिलाएं। आप अपनी हथेली की सहायता से आटे को नरम और चिकना होने तक मलें।

गुलाब जामुन तलते समय फटने से कैसे बचें

कई बार गुलाब जामुन तलते समय उनमें दरारें आने का संभावित कारण है। इसके कई कारण हो सकते हैं। मसलन, बहुत अधिक मात्रा में बेकिंग पाउडर या बेकिंग सोडा मिलाना, आटा अच्छी तरह से ना गूंथना, तेल का बहुत अधिक गर्म होना या फिर गर्म ना होना आदि। ऐसे में जब आप इसे बना रहे हैं तो आप बेकिंग सोडा या बेकिंग पाउडर का प्रयोग हमेशा व्यंजन के माप के अनुसार ही करें। साथ ही आटे को बहुत अच्छी तरह से गूथ लीजिये। यह मुलायम और चिकना होना चाहिए। हमेशा नरम हाथों से गोले बना लें और गेंद में कोई दरार नहीं होनी चाहिए। इसके अलावा, आप तेज आंच पर तेल गरम करें फिर मध्यम आंच पर स्विच करें। ध्यान रखें कि तेल में धुआं नहीं होना चाहिए। अब गुलाब जामुन डालें और धीमी आंच पर एक परफेक्ट ब्राउन कलर होने तक भूनें

ट्राई करें सफेद साड़ियों के खूबसूरत डिजाइन, पार्टी में दिखेंगी सबसे गॉर्जियस

सफेद रंग हमेशा ही ट्रेंड में रहा है किसी भी फंक्शन में सफेद आउटफिट से आपको सबसे अलग और ग्लैमरस लुक मिलता है। यदि आप भी फंक्शन में सबसे अट्रेक्टिव लुक चाहती हैं तो सफेद साड़ियों की इन ट्रेंडी डिजाइंस को आजमा सकती हैं। सफेद सबसे अट्रेक्टिव कलर है यह आपको गॉर्जियस लुक देता है किसी भी फंक्शन में यह सफेद ट्रेंडी साड़ियां आपकी ब्यूटी में चार चाँद लगा देंगी। इस नए साल में व्हाइट कलर ट्रेंड में है, व्हाइट कलर फंक्शन में सबसे अलग और एलिगेंट लुक के लिए जाना जाता है। सफेद रंग जितना सोबर होता है उतना ही ग्लैमरस भी। आइये देखते है सफेद साड़ियों को कैरी करने के कुछ अलग अंदाज जिसे बॉलीवुड और टीवी जगत की हसीनाएं भी अपनाती हैं-

थ्रेड एम्ब्रॉयडरी वर्क की सफेद साड़ी

भेड़िया फिल्म की प्रमोशन के लिए कृति सैनन ने व्हाइट साड़ी कैरी की थी, इसमें व्हाइट थ्रेड की खूबसूरत इम्ब्रॉयडरी से इसकी खूबसूरती और बढ़ गयी साथ ही इसमें रफेल का यूज किया गया है। कृति ने इस साड़ी के साथ स्लीवलेस ब्लाउज कैरी किया था जिससे वह और भी हॉट और प्रीटी दिख रही थी। आप अपनी पसंद के हिसाब से फुल स्लीव्स या स्लीवलेस ब्लाउज ट्राई कर सकती हैं आजकल ब्लाउज में भी रफेल का यूज किया जाने लगा है तो आप भी ब्लाउज डिजाइंस में रफेल के न्यू फैशन ट्रेंड को आजमा सकती हैं।

चिकनकारी वर्क की सफेद साड़ी

रकुल प्रीत ने अवार्ड नाईट के लिए सफेद साड़ी कैरी की थी जिस पर चिकनकारी का वर्क किया गया था जिसमें रकुल बेहद सुन्दर और ग्रेसफुल लग रही थी। आप भी किसी फंक्शन के लिए चिकनकारी की व्हाइट साड़ी ट्राई कर सकती हैं और सेंटर ऑफअट्रेक्शन बन सकती हैं। इसके साथ रकुल ने फुल स्लीव्स ब्लाउज कैरी किया था, आप चाहें तो हाफस्लीव्स या स्लीवलेस ब्लाउज ट्राई कर सकती हैं।

सफेद साड़ी रफेल के साथ

कांस फिल्म फेस्टिवल के दौरान दीपिका के दिलकश अंदाज को भला कौन इग्नोर कर सकता है। दीपिका ने कांस में व्हाइट साड़ी कैरी की थी जिसे रफेल से सजाया गया था। इसके साथ उन्होंने व्हाइट पर्ल नेकलेस कैरी किया था दीपिका के इस रॉयल लुक की चर्चा कांस फिल्म महोत्सव के दौरान जमकर हुई ।

ट्रांसपेरेंट सफेद साड़ी

अगर आप पार्टी में कुछ ज्यादा हॉट और गॉर्जियस लुक चाहती हैं तो मलाइका अरोरा की व्हाइट ट्रांसपेरेंट साड़ी लुक को भी ट्राई कर सकती हैं। मलाइका ने यह साड़ी एक पार्टी के दौरान कैरी की थी जिससे उनके फैंस के होश उड़ गए थे। आप भी पार्टी में एक्स्ट्रा हॉट लुक से सबका ध्यान अपनी और खींच सकती हैं।

व्हाइट रफेल साड़ी विथ फुल स्लीव्स ब्लाउज

टीवी जगत की मशहूर अभिनेत्री हिना खान का व्हाइट रफेल साड़ी वाला लुक तो आपको याद ही होगा। संदीप खोसला की इस साड़ी में हिना गजब की खूबसूरत लग रहीं थी। इस व्हाइट रफेल साड़ी के साथ उन्होंने फुल स्लीव्स ब्लाउज कैरी किया था। आप इस लुक को न्यूड मेकअप के साथ ट्राई कर सकती हैं।

डायबिटीज के मरीजों के लिए वरदान है तुलसी के पत्ते, खाने से कंट्रोल में रहेगा शुगर लेवल

खराब लाइफस्टाइल और गलत खान-पान के कारण कई बीमारियां बढ़ रही हैं, इन्हीं में से एक है डायबिटीज। डायबिटीज से ग्रस्त मरीजों का शुगर लेवल बढ़ने लगता है। जिसके कारण उन्हें और भी कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इस बीमारी से ग्रस्त मरीज को उम्र भर के लिए दवाईयां खानी पड़ती हैं लेकिन आप अपनी डाइट का ध्यान रखकर डायबिटीज पर नियंत्रण पा सकते हैं। तुलसी के पत्तों का सेवन आप डायबिटीज जैसी समस्या से बचने के लिए कर सकते हैं। इसमें पाए जाने वाले गुण शुगर लेवल कंट्रोल करने में मदद करते हैं। तुलसी के पत्ते शरीर में इंसुलिन का स्तर कंट्रोल रखने में मदद करते हैं। तो चलिए आपको बताते हैं कि कैसे आप तुलसी के पत्तों को अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं...

कंट्रोल रहेगा शुगर लेवल

तुलसी के पत्तों में एंटीडायबिटीक गुण पाए जाते हैं। नियमित इनका सेवन करने से कई गंभीर बीमारियां दूर रहती हैं। एक शोध के अनुसार ब्लड शुगर को कंट्रोल करने के लिए तुलसी के पत्ते बहुत ही फायदेमंद होते हैं। इसमें ऐसे गुण मौजूद होते हैं जो पैंक्रियाटिक बीटा सेल्स को इंसुलिन के लिए एक्टिव बनाने में मदद करते हैं। इसके अलावा तुलसी में एंटीडायबिटीक गुण भी पाए जाते हैं जो ब्लड शुगर कंट्रोल करने में मदद करते हैं।

किस तरह करें पत्तों का सेवन?

रोज सुबज खाली पेट 3-4 पत्तियां आप तुलसी के पत्ते चबा सकते हैं, इससे आपको कई स्वास्थ्य समस्याओं से राहत मिलेगी। इसके अलावा आप तुलसी के पत्तों से तैयार काढ़ा बनाकर भी पी सकते हैं। तुलसी के पत्तियों का

काढ़ा बनाने के लिए आप सबसे पहले तुलसी की पत्तियों का साफ कर लें, फिर एक गिलास पानी में इन्हें छानकर पी लें। इससे आपका ब्लड शुगर कंट्रोल रहेगा और डायबिटीज के कारण होने वाली समस्याओं से भी राहत मिलेगी।

कितनी होनी चाहिए 1-15 साल के बच्चे की हाइट और वजन? जानिए एक्सपर्ट्स की राय

यदि बच्चे की उम्र के अनुसार, उसका वजन और हाइट है तो इसका अर्थ है कि बच्चा एकदम स्वस्थ है और उसकी डाइट भी अच्छी है। बच्चे को पौष्टिक आहार मिल रहा है, खासकर बच्चों की हाइट बढ़ाने के लिए पौष्टिक आहार बहुत ही जरुरी होता है। अगर बच्चा ही हाइट अच्छी नहीं है तो इसका अर्थ यह भी है कि बच्चा फास्ट फूड और जंक फूड भी काफी खाता है इससे उसकी हाइट और वजन दोनों चीजें प्रभावित होती हैं। एक्सपर्ट्स के अनुसार, पोषक तत्व बच्चों की लंबाई और वजन बढ़ाने में बहुत ही मददगार होते हैं। तो चलिए आपको बताते हैं कि बच्चे की हाइट और वजन कितना होना चाहिए और आप कैसे उनकी हाइट बढ़ा सकते हैं....

जांचते रहें बच्चों की हाइट और डाइट

एक्सपर्ट्स की अनुसार, माता-पिता के लिए यह जरुरी है कि आप उनकी हाइट और वजन बीच-बीच में जांचते रहें। घर पर ही आप बच्चे की हाइट और वजन नाप सकते हैं। यदि बच्चे की हाइट उम्र के मुताबिक न हो तो इसका अर्थ है कि उसके शरीर में पोषक तत्वों की कमी है।

कितनी होनी चाहिए हाइट और वजन?

1 साल के बच्चे का 9.2 किलो वजन, 29.2 इंच हाइट, 2 साल के बच्चे का 12 किलो वजन, 33.5 इंच हाइट, 3 साल के बच्चे का 14.2 किलो वजन, 37 इंच हाइट, 4 साल के बच्चे का 15.4 किलो वजन, 39.5 इंच हाइट, 5 साल के बच्चे का 17.9 किलो वजन और 42.5 इंच हाइट, 6 साल के बच्चे का 19.9 किलो वजन, 45.5 इंच हाइट, 7 साल के बच्चे का 22.4 किलो वजन और 47.7 इंच हाइट, 8 साल के बच्चे का 25.8 किलो वजन और 50.5 इंच हाइट, 9 साल के बच्चे की 28.1 किलो वजन और 52.5 इंच हाइट, 10 साल के बच्चे का 31.9 किलो वजन और 54.5 इंच हाइट, 11 साल के बच्चे का 36.9 किलो वजन और 56.7 इंच हाइट, 12 साल के बच्चे का 41.5 किलो वजन और 59.0 इंच हाइट, 13 साल के बच्चे का 45.8 किलो वजन और 61.7 इंच हाइट, 14 साल से ज्यादा बच्चों के लिए 47.6 किलो वजन और 62.5 इंच हाइट, 15 साल से ज्यादा बच्चों के लिए 53.5 किलो वजन और 64.0 इंच हाइट होनी चाहिए।

इस कारण छोटी रहती है हाइट

एक्सपर्ट्स के अनुसार, उम्र के अनुसार ही बच्चे की हाइट और डाइट का बढ़ना जरुरी होता है। अच्छी डाइट न मिल पाने के कारण बच्चे की हाइट रुक जाती है। यदि बच्चे को शुरुआत में मिनरल, प्रोटीन, विटामिन्स और फाइबर युक्त भोजन मिलेगा तो उनके शरीर में पोषक तत्वों की कमी नहीं होगी। इन फूड्स का सेवन करके आप बच्चे की हाइट

बढ़ा सकते हैं।

दूध

आप बच्चे को नियमित दूध दे सकते हैं। इससे बच्चों की हड्डियां मजबूत बनती है। बच्चे बचपन में काफी गिरते हैं जिसके कारण उनकी हड्डियां कमजोर होने लगती हैं और टूट भी सकती हैं। ऐसे में आप उन्हें कैल्शियम पर्याप्त मात्रा में दें। दूध का सेवन करने से बच्चों को कैल्शियम मिलता है।

फल

फल भी आप बच्चे को खाने में दे सकते हैं। ब्रेकफास्ट और शाम को आप उन्हें फ्रूट खिला सकते हैं। इसके अलावा आप फ्रूटों का फ्रेश जूस भी बच्चों दे सकते हैं। इनमें पाया जाने वाला विटामिन, प्रोटीन, कैल्शियम, मैग्नीशियम बच्चों की बॉडी ग्रोथ में बहुत ही मदद करता है। फ्रूटों का सेवन करने से बच्चों की हाइट बढ़ती है।

हरी सब्जियां

आप बच्चे को हरी सब्जियां दे सकते हैं। शरीर के विकास के लिए यह बहुत ही फायदेमंद मानी जाती हैं। इससे बच्चे के शरीर को पर्याप्त मात्रा में पोषण मिलता है। छोटी उम्र में ही आप बच्चों को फ्रूट और सब्जियां खाने को दे सकते हैं। इससे बच्चे का वजन बढ़ता है और लंबाई भी बढ़ती है।

चिकन और मीट खिलाएं

एक्सपर्ट्स के अनुसार, ज्यादा उम्र के बच्चों को आप हफ्ते में चिकन और मीट जरुर खिलाएं। इसमें प्रोटीन काफी अच्छी मात्रा में पाया जाता है जो शरीर को भरपूर एनर्जी देने में मदद करता है। इसका सेवन करने से बच्चों की लंबाई भी बढ़ती है।

अंडा

आप बच्चे को अंडा भी जरुर खिलाएं इसमें प्रोटीन काफी अच्छी मात्रा में पाया जाता है जो बच्चे के मानसिक और शारीरिक विकास में मदद करता है। शोध के अनुसार, यदि आप 6 महीने तक बच्चे को ब्रेकफास्ट में अंडा देते हैं तो इससे उनकी हाइट बढ़ेगी। यदि आपके बच्चे का वजन कम है तो आप उन्हें रोजाना 4 अंडे जरुर खिलाएं। दालों में कई प्रोटीन और मिनरल्स मौजूद होते हैं।

पर्यटन स्थल नैनीताल में घूमते समय श्रद्धा के केंद्र नैना देवी मंदिर भी जाएं

नैना देवी मंदिर में नैना देवी की प्रतिमा के साथ ही भगवान श्री गणेश और काली माता की मूर्तियां भी लगाई गयी हैं। साथ ही पीपल का एक विशाल वृक्ष मंदिर के प्रवेश द्वार पर स्थित है जिसके साथ भी कई मान्यताएं जुड़ी हुई हैं।

पर्यटक स्थल नैनीताल में स्थित माता नैनी देवी मंदिर सहज ही पर्यटकों का ध्यान आकर्षित करता है। नैनी झील के उत्तरी किनारे पर स्थित इस मंदिर के बारे में कहा जाता है कि 1880 में भूस्खलन से यह मंदिर नष्ट हो गया था। बाद में इसे फिर से बनाया गया। इस मंदिर में सती के शक्ति रूप की पूजा की जाती है। मंदिर में दो नेत्र हैं जो नैना देवी को दर्शाते हैं। नैनी झील के बारे में मान्यता है कि जब शिव सती की मृत देह को लेकर कैलाश पर्वत जा रहे थे, तब जहां-जहां उनके शरीर के अंग गिरे वहां-वहां शक्तिपीठों की स्थापना हुई। इस स्थान पर देवी सती के नेत्र गिरे थे। इसीलिए यहां इस मंदिर की स्थापना की गयी। इस मंदिर में नैना देवी की प्रतिमा के साथ ही भगवान श्री गणेश और काली माता की मूर्तियां भी लगाई गयी हैं। साथ ही पीपल का एक विशाल वृक्ष मंदिर के प्रवेश द्वार पर स्थित है जिसके साथ भी कई मान्यताएं जुड़ी हुई हैं। यहां लोग मन्नत मांगने आते हैं और पीपल के पेड़ पर इसके लिए लाल चुन्नी या धागा बांधते हैं। मंदिर के आसपास का दृश्य भी बेहद खूबसूरत है। इस मंदिर के ठीक बाहर तिब्बती बाजार लगता है।

मंदिर से जुड़ी पौराणिक कथा-

दक्ष प्रजापति की पुत्री उमा का विवाह शिव से हुआ था। शिव को दक्ष प्रजापति पसन्द नहीं करते थे, परन्तु वह देवताओं के आग्रह को टाल नहीं सकते थे, इसलिए उन्होंने अपनी पुत्री का विवाह न चाहते हुए भी शिव के साथ कर दिया था। एक बार दक्ष प्रजापति ने सभी देवताओं को अपने यहाँ यज्ञ में बुलाया, परन्तु अपने दामाद शिव और बेटी उमा को निमन्त्रण तक नहीं दिया। उमा हठ कर इस यज्ञ में पहुंचीं। जब उसने हरिद्वार स्थित कनरवन में अपने पिता के यज्ञ में सभी देवताओं का सम्मान और अपने पति और अपना निरादर होते हुए देखा तो वह अत्यन्त दुरूखी हो गयीं। वह यज्ञ के हवन कुण्ड में यह कहते हुए कूद पड़ीं कि श्मैं अगले जन्म में भी शिव को ही अपना पति बनाऊंगी। आपने मेरा और मेरे पति का जो निरादर किया इसके प्रतिफल स्वरूप यज्ञ के हवन कुण्ड में स्वयं जल कर आपके यज्ञ को असफल करती हूं। जब शिव को यह ज्ञात हुआ कि उमा सती हो गयीं, तो उनके क्रोध का पारावार न रहा। उन्होंने अपने गणों के द्वारा दक्ष प्रजापति के यज्ञ को नष्ट भ्रष्ट कर डाला। सभी देवी-देवता शिव के इस रौद्र रूप को देखकर सोच में पड़ गए कि शिव प्रलय न कर ड़ालें। इसलिए देवी देवताओं ने महादेव से प्रार्थना की और उनके क्रोध के शान्त किया। दक्ष प्रजापति ने भी क्षमा मांगी। शिव ने उनको भी आशीर्वाद दिया। परन्तु सती के जले हुए शरीर को देखकर उनका वैराग्य उमड़ पड़ा। उन्होंने सती के जले हुए शरीर को कन्धे पर डालकर आकाश भ्रमण करना शुरू कर दिया। ऐसी स्थिति में जिन जिन स्थानों पर शरीर के अंग किरे, वहां वहां पर शक्ति पीठ हो गए। इसी क्रम में जिस स्थान पर सती के नयन गिरे थे वहां पर नैना देवी का भव्य स्थान हो गया। कहा जाता है कि माता के नयनों की अश्रुधार ने यहां पर ताल का रूप ले लिया। तबसे यहां पर शिवपत्नी नन्दा (पार्वती) की पूजा नैना देवी के रूप में की जाती है।

सिंगापुर मलेशिया की सैर का सुनहरा मौका, जानें क्या है IRCTC के पैकेज में

अगर आप कहीं घूमने का प्लान कर रहें हैं तो यह आपके लिए सही मौका है आईआरसीटीसी आपके लिए खास पैकेज लेकर आया है, इसे Enchanting Singapore And Malaysia नाम दिया गया है। इसमें आप सिंगापुर और मलेशिया के बहुत से खूबसूरत स्थानों की सैर कर सकते हैं। यह पैकेज 6 दिन और 7 रातों का है। आईआरसीटीसी आपके लिए शानदार टूर पैकेज लेकर आया है जिसमें आप 7 दिनों के लिए मलेशिया और सिंगापुर घूमने का आनंद ले सकते हैं,जानते हैं और क्या खास है इस टूर पैकेज में

आईआरसीटीसी की जानकारी

आईआरसीटीसी के ट्वीट के मुताबिक टूर की शुरुआत 18 जनवरी को होगी, यात्रा में सबसे पहले पर्यटकों को दिल्ली से क्वालालम्पुर ले जाया जायेगा, जहां क्वालालम्पुर के खूबसूरत स्थानों की सैर कराई जाएगी। इस पैकेज में आने-जाने की हवाई यात्रा,होटल का किराया, खाने पीने का खर्च लंच डिनर ब्रेकफास्ट, वीजा का खर्च आईआरसीटीसी वहन करेगी।

टूर पैकेज की डिटेल्स

यात्रा 23 जनवरी 2023 को दिल्ली एयर पोर्ट से शुरू होगी, यात्रा की शुरुआत सुबह 10रू5 मिनट पर होगी 6 दिन और 7 रात की इस जर्नी में आपको लंच, ब्रेकफास्ट, और डिनर फ्री मिलेगा।

पैकेज का खर्च

सिंगल व्यक्ति का कुल खर्च 1,35, 000 रूपये है। अगर आपके साथ 5 से 11 साल का बच्चा है तो

बेड के साथ कुल खर्च 1,03,700 रुपये है। 5 से 11 साल के बच्चे का किराया बिना बेड के 92,200 रुपये है। यदि आप कम्फर्ट क्लास में डबल या ट्रिपल बुकिंग करते हैं तो प्रति व्यक्ति कुल खर्च 1,15, 500 रुपये होगा।

इस पैकेज की बुकिंग आप आईआरसीटीसी की ऑफिशियल वेबसाइट www.irctc.tourism.com से ऑनलाइन करा सकते हैं, इसके अलावा आईआरसीटीसी पर्यटक सुविधा केंद्र और क्षेत्रीय और स्थानीय कार्यालयों से भी करा सकते हैं।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक विद्यावती दूबे द्वारा बी डी प्रिन्टींग प्रेस गणेशपुर, रहमानपुर निकट रघुनन्दन आशियाना फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ से मुद्रित तथा- C 3/76, विभूतिखण्ड गोमती नगर लखनऊ से प्रकाशित । मो0 9450615356, फोन नं. 0522- 4102634